THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 178 (हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.2 2081 गुरुवार, 19 सितंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मणिपुर में घुसपैठियों को रोकने की कवायद तेज

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने भारत और म्यांमार के बीच 1,610 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा बाड़ लगाने और सड़कों के निर्माण को मंजूरी दी है। सरकार की ओर से यह फैसला मणिपुर में घुसपैठियों को रोकने के लिए लिया गया है। इसके अलावा मणिपुर में सीआरपीएफ की दो बटालियन को भी स्थायी तौर पर लगाया गया है, जबकि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के 20 हजार जवानों की यहां तैनाती की गई है। जानकारी के अनुसार, म्यांमार के साथ लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 30 किलोमीटर तक बाड़ लगाने का काम पूरा हो चुका है। 1,500 किलोमीटर तक के काम के लिए सरकार की तरफ से धनराशि स्वीकृत कर दी गई है।

'एक देश-एक चुनाव' को मंजूरी

शीतकालीन सत्र में पेश हो सकता है विधेयक

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। 'एक देश, एक चुनाव' को लेकर उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल के सामने रखी गई। कैबिनेट से इसे मंजूरी भी मिल गई है। कहा जा रहा है कि सरकार आगामी शीतकालीन सत्र में इसे पेश कर सकती है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति ने लोकसभा चुनावों के एलान से पहले मार्च में यह रिपोर्ट पेश की थी। कैबिनेट के सामने रिपोर्ट पेश करना विधि मंत्रालय के 100 दिवसीय एजेंडे का हिस्सा था।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर कोविंद समिति की रिपोर्ट स्वीकार कर लिया है। कोविंद समिति को एक साथ चुनाव कराने के लिए व्यापक समर्थन मिला है। मंत्रिमंडल ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव को मंजूरी दी है। उन्होंने यह भी कहा कि कोविंद समिति की सिफारिशों पर पूरे भारत में विभिन्न मंचों पर चर्चा की जाएगी। उच्च स्तरीय समिति ने पहले चरण के तौर पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की है। इसके 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाने की बात कही गई है। समिति ने सिफारिशों के क्रियान्वयन पर विचार करने के लिए एक 'कार्यान्वयन समूह' के गठन का भी प्रस्ताव रखा है। समिति के मुताबिक, एक साथ चुनाव कराने से संसाधनों की बचत होगी। विकास और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा मिलेगा। लोकतांत्रिक ढांचे की नींव मजबूत होगी। इससे 'इंडिया, जो भारत है' की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद मिलेगी।

समिति ने राज्य चुनाव अधिकारियों के परामर्श से चुनाव आयोग की ओर से एक समान मतदाता सूची और मतदाता पहचान पत्र तैयार करने की भी सिफारिश की थी। फिलहाल भारत का चुनाव आयोग लोकसभा और विधानसभा चुनावों को ही देखता है। नगर पालिकाओं और पंचायतों के लिए स्थानीय निकाय चुनाव राज्य चुनाव आयोगों की ओर से कराए जाते हैं। बताया गया कि समिति ने 18 संवैधानिक संशोधनों की सिफारिश की है, जिनमें से अधिकांश को राज्य विधानसभाओं से समर्थन की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, इनके लिए कुछ संविधान संशोधन विधेयकों की जरूरत होगी, जिन्हें संसद से पारित कराना होगा।

एकल मतदाता सूची और एकल मतदाता पहचान पत्र के संबंध में कुछ प्रस्तावित परिवर्तनों को कम से कम आधे राज्यों से समर्थन की जरूरत होगी।

भारत ने सिंधु जल संधि की समीक्षा के लिए पाकिस्तान को भेजा नोटिस

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने पाकिस्तान को सिंधु जल संधि की समीक्षा के लिए एक औपचारिक नोटिस भेजा है। नई दिल्ली का कहना है कि परिस्थितियों में मूलभूत और अप्रत्याशित बदलाव हुए हैं, जिससे इस समझौते का पुनर्मूल्यांकन जरूरी हो गया है। सरकारी सूत्रों ने बुधवार को बताया कि यह नोटिस 30 अगस्त को सिंधु जल समझौते के अनुच्छेद 12 (3) के तहत भेजा गया है। इस समझौते पर भारत और पाकिस्तान ने 19 सितंबर 1960 को हस्ताक्षर किए थे। जिसमें विश्व बैंक भी एक हस्ताक्षरकर्ता था। इस संधि का मकसद दोनों देशों के बीच जल वितरण पर सहयोग और जानकारी का आदान-प्रदान करना है।

जम्मू-कश्मीर में 58.85% मतदान

> किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 77.23% वोट पड़े

श्रीनगर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में पहले फेज के लिए बुधवार शाम 6 बजे वोटिंग खत्म हो गई। आज 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों के लिए मतदान हुआ। शाम 6 बजे तक का मतदान प्रतिशत 58.85% रहा। फाइनल आंकड़ा आना बाकी है। शाम 6 बजे तक आए आंकड़ों के मुताबिक, किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 77.23% और पुलवामा में सबसे कम 43.87% वोटिंग हुई। आज 23.27 लाख वोटर्स को मतदान करना था।

बिजबेहरा विधानसभा सीट से पीडीपी की प्रत्याशी इल्तिजा मुफ्ती ने वोट डाला, वे पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी हैं। किश्तवाड़ से बीजेपी की कैंडिडेट शगुन परिहार ने भी वोट डाला। शगुन ने आरोप लगाया था कि किश्तवाड़ के बागवान मोहल्ले में बिना पहचान पत्र के वोट डलवाए गए। इसके बाद माहौल गर्म हो गया, जिसके चलते कुछ देर वोटिंग रुकी रही। पहले फेज की वोटिंग को लेकर देश के अलग-अलग राज्यों में रहने वाले 35 हजार से ज्यादा विस्थापित कश्मीरी पंडितों ने भी वोट डाले। उनके लिए कुल 24 स्पेशल बूथ बनाए गए थे। दिल्ली 4, जम्मू 19 और उधमपुर में 1 बूथ था।

खरगे बोले : 'एक देश-एक चुनाव' व्यावहारिक नहीं

असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही भाजपा

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि 'एक देश-एक चुनाव' व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब चुनाव नजदीक आते हैं, तो असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए भाजपा ऐसी बातें करती है। उनकी यह टिप्पणी तब सामने आई, जब इस मुद्दे पर एक उच्च स्तरीय समिति ने बुधवार को एक रिपोर्ट केंद्रीय मंत्रिमंडल को सौंपी है।

लोकसभा चुनावों की घोषणा से पहले पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व वाली समिति ने मार्च में रिपोर्ट सौंपी थी। इस मुद्दे पर पूछे जाने पर खरगे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह व्यावहारिक नहीं है। यह काम नहीं करेगा। जब चुनाव आते हैं और उन्हें उठाने के लिए कोई मुद्दा नहीं मिलता है तो वह असली मुद्दों से ध्यान भटका देते हैं। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर कोविंद समिति की रिपोर्ट स्वीकार कर लिया है। कोविंद समिति को एक साथ चुनाव कराने के लिए व्यापक समर्थन मिला है। मंत्रिमंडल ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव को मंजूरी दी है। उन्होंने यह भी कहा कि कोविंद समिति की सिफारिशों पर पूरे भारत में विभिन्न मंचों पर चर्चा की जाएगी। बड़ी संख्या में दलों ने एक साथ चुनाव कराने का समर्थन किया है। हम अगले कुछ महीनों में आम सहमति बनाने का प्रयास करेंगे। उच्च स्तरीय समिति ने पहले चरण के तौर पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की है। इसके 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाने की बात कही गई है। समिति ने सिफारिशों के क्रियान्वयन पर विचार करने के लिए एक 'कार्यान्वयन समूह' के गठन का भी प्रस्ताव रखा है। समिति के मुताबिक, एक साथ चुनाव कराने से संसाधनों की बचत होगी। विकास और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा मिलेगा। लोकतांत्रिक ढांचे की नींव मजबूत होगी।

'चुनाव में मुफ्त सुविधाओं का वादा रिश्वत देने जैसा'

> सुप्रीम कोर्ट जल्द करेगा याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। चुनाव के दौरान मुफ्त रेवड़ी बांटने के मुद्दे को सुप्रीम कोर्ट ने अहम माना है और इस पर रोक की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि याचिका सुनवाई के लिए लिस्टेड है और वे इसे सुनवाई से नहीं हटाएंगे। दरअसल वकील अश्विनी उपाध्याय ने चुनाव के दौरान राजनीतिक पार्टियों द्वारा मुफ्त सुविधाएं देने के वादे के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। यह याचिका लिस्टेड है, लेकिन अन्य मामले की सुनवाई की वजह से आज इस याचिका पर सुनवाई की उम्मीद कम ही है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की सदस्यता वाली पीठ के समक्ष यह याचिका सूचीबद्ध है। याचिका दायर करने वाले वकील ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में मांग की कि याचिका को सूचीबद्ध रखा जाए ताकि कल इस मामले पर सुनवाई हो सके। इस पर पीठ ने कहा कि यह मामला बेहद अहम है और वे याचिका को सूची से नहीं हटाएंगे। उल्लेखनीय है कि याचिका में मांग की गई है कि राजनीतिक पार्टियों के घोषणा पत्र में लोकलुभावन वादों पर रोक लगनी चाहिए क्योंकि ये वादे राजनीतिक फायदे के लिए किए जाते हैं।

भारत-म्यांमार का 1610 किमी लंबा बॉर्डर होगा सील

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में घुसपैठियों को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने भारत-म्यांमार के बीच 1610 किलोमीटर लंबे बॉर्डर को सील करने का निर्णय लिया है। बॉर्डर पर हैवी फेंसिंग लगेगी। इसकी शुरुआत हो गई है। इसके अलावा सीआरपीएफ की दो बटालियनों को मणिपुर में स्थायी तौर पर लगाया है, जबकि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के 20000 जवानों की तैनाती की गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, मोदी सरकार ने सौ दिन में मणिपुर की स्थिति को संभालने के लिए हर प्रयास किया है। भारत सरकार ने भारत-म्यांमार सीमा पर मुक्त आवाजाही व्यवस्था (एफएमआर) को समाप्त कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा मणिपुर की सुरक्षा स्थिति की नियमित समीक्षा कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।

21 सितंबर को शपथ ले सकती हैं आतिशी

दिल्ली के एलजी ने प्रस्तावित की तारीख

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के बाद अब आतिशी के नेतृत्व में दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने जा रही है। सूत्रों के मुताबिक 21 सितंबर को आतिशी मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकती हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने राष्ट्रपति और गृह मंत्रालय को पत्र भेजकर 21 सितंबर 2024 को आतिशी को सीएम पद की शपथ दिलाने की तारीख प्रस्तावित की है। बता दें कि आतिशी की ओर से मुख्यमंत्री पद की शपथग्रहण के लिए कोई तारीख प्रस्तावित नहीं की गई थी। इसलिए एलजी ने 21 सितंबर की तारीख प्रस्तावित की है।

आतिशी की ओर से कहा गया कि फिलहाल कैबिनेट मंत्रियों की लिस्ट नहीं सौंपी जाएगी। इसका मतलब है कि आतिशी अकेले ही शपथ लेंगी। इसके बाद मंत्रिमंडल तय किया जाएगा। आतिशी की कैबिनेट में किन चेहरों को शामिल किया जाएगा, इसे लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। फिलहाल कैबिनेट में 2 पद खाली हैं। केजरीवाल कैबिनेट में कोई दलित भी मंत्री नहीं था। ऐसे में ये भी माना जा रहा है कि दलित को भी जगह मिल सकती है। वहीं केजरीवाल के विश्वसनीय दिलीप पांडेय को भी आतिशी कैबिनेट में जगह मिल सकती है। आगामी आतिशी मंत्रिमंडल को लेकर आप के वरिष्ठ नेता सोमनाथ भारती का नाम काफी तेजी से आगे चल रहा है। भारती वर्तमान में मालवीय नगर विधानसभा से विधायक हैं। हाल ही में बीते लोकसभा चुनाव में भी वो आम आदमी पार्टी की ओर से नई दिल्ली से प्रत्याशी थे। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी के सीनियर लीडर और तिमारपुर से विधायक दिलीप पांडेय का नाम भी सामने आ रहा है। दिलीप पांडेय पार्टी के भरोसेमंद सिपाही माने जाते हैं।

कोलकाता रेप-मर्डर : डॉक्टरों का हड़ताल खत्म करने से इनकार

कोलकाता, 18 सितंबर (एजेंसियां)। कोलकाता के जूनियर डॉक्टर्स ने हड़ताल खत्म करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने ममता से एक और मीटिंग की मांग करते हुए चीफ सेक्रेटरी मनोज पंत को ईमेल भेजा है, जिसमें कहा गया है कि अभी तक सभी मांगें नहीं मानी गई हैं। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस को लेकर जूनियर डॉक्टरों ने राज्य सरकार से पुलिस कमिश्नर और हेल्थ सेक्रेटरी को हटाने समेत 5 मांगें की थीं। इसके लिए वे 40 दिन से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं।

16 सितंबर को जूनियर डॉक्टर और ममता के बीच मीटिंग हुई थी। इसमें ममता ने डॉक्टरों की 5 में से 3 मांगें मान ली थीं। उन्होंने मंगलवार को पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को पद से हटाया था। उनकी जगह मनोज वर्मा को कमिश्नर बनाया गया। बुधवार सुबह प्रदर्शन जारी रखते हुए डॉक्टरों ने कहा-अभी आधी जीत हुई। हेल्थ सेक्रेटरी एनएस निगम का इस्तीफा जरूरी है। अस्पतालों में थ्रेट कल्चर खत्म करने की मांग भी अभी नहीं मानी गई है। इसलिए सीएम से एक और मीटिंग की मांग की है। मनोज पंत को लिखे मेल में डॉक्टरों ने कहा-पिछली बैठक में हमारी मांगों के चौथे और पांचवें पॉइंट पर चर्चा पूरी नहीं हो पाई थी, जो अस्पतालों की सुरक्षा से जुड़े हुए हैं। सीएम ने टास्क फोर्स बनाने की बात कही थी। हम चाहते हैं कि आज की मीटिंग में टास्क फोर्स के सदस्य भी हो।

पीएमएलए मामले में पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पीएमएलए मामले में दिए फैसले पर पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई टाल दी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुनवाई स्थगित करने की मांग की थी। जिसके बाद कोर्ट अब इस मामले पर 3 अक्तूबर को सुनवाई करेगा। यह मामला सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिन्होंने यह कहते हुए समय मांगा गया कि 9 समीक्षा याचिकाओं में से केंद्र के पास केवल 1 की प्रति है।

फिर फिसली भाजपा सांसद की जुबान

कोलकाता, 18 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेता लगातार आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहे हैं। इस बीच भाजपा के राज्यसभा सदस्य अनिल बोंडे ने भी कांग्रेस नेता पर विवादित टिप्पणी कर दी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की जुबान बंद होनी चाहिए, क्योंकि उन्होंने आरक्षण को लेकर जो भी कुछ कहा वह खतरनाक था। बोंडे ने आगे कहा कि राहुल गांधी की जुबान जला देना चाहिए। यह टिप्पणी शिव सेना के बुलढाणा विधायक संजय गायकवाड़ के बयान के बाद आया है। दरअसल, संजय गायकवाड ने कहा था कि आरक्षण खत्म करने को लेकर राहुल गांधी की टिप्पणी के लिए उनकी जीभ काटने वाले को वह (संजय गायकवाड) 11 लाख रुपये का इनाम देंगे। अमेरिका दौरे के दौरान राहुल गांधी ने जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी में छात्रों से कहा था कि जब भारत एक अच्छी स्थिति पर होगा तो कांग्रेस आरक्षण खत्म करने के बारे में सोचेगी। उन्होंने आगे कहा कि यह स्थिति अभी नहीं है। शिवसेना विधायक संजय गायकवाड के राहुल गांधी के जीभ काटने वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सांसद ने कहा, 'जीभ काटने की भाषा उचित नहीं है, लेकिन आरक्षण को लेकर जो राहुल गांधी ने कहा वह खतरनाक है।'

स्कूल शिक्षक बना दरिंदा, तीन साल की बच्ची से किया दुष्कर्म

भोपाल, 18 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल को शर्मशार करने वाली घटना सामने आई हैं। कमला नगर थाने के एक स्कूल टीचर ने तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। वारदात का पता तब चला, जब बच्ची की मां ने उसके प्राइवेट पार्ट पर चोट के निशान देखे। यह सब देखकर मां सहम गई। पुलिस ने आरोपी कासिम रेहान को गिरफ्तार कर लिया है, वह स्कूल में आईटी का शिक्षक है। बताया जा रहा है पीड़ित बच्ची की मां ने मामले को लेकर दो दिन पहे स्कूल में भी शिकायत की थी। कमला नगर थाना पुलिस का कहना है कि आरोपी शिक्षक कासिम रेहान को गिरफ्तार कर लिया है।

'राहुल गांधी के खिलाफ हो रही बहुत बड़ी साजिश

उनकी जान को खतरा', संजय राउत का बड़ा दावा

मुंबई, 18 सितंबर (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने राहुल गांधी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ बहुत बड़ी साजिश हो रही है। उनकी जान को खतरा है। मैं पहले बोल चुका हूं। प्रधानमंत्री और होम मिनिस्टर को राहुल गांधी पर बोलने वाले पर कार्रवाई करना चाहिए।

शिवसेना के विधायक ने दिया था विवादित बयान

बता दें कि शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड ने राहुल गांधी और कांग्रेस को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा था कि उनके कार्यक्रम में आने वाले कांग्रेसी कुत्ते को वो दफना देंगे। इससे पहले आरक्षण वाले बयान पर विधायक संजय गायकवाड ने राहुल गांधी की जीभ काटकर वाले को इनाम देने की घोषणा की थी।

शिवसेना विधायक के बयान से प्रदेश बीजेपी प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने पार्टी को अलग कर लिया था। उन्होंने कहा कि बीजेपी महायुति सरकार का घटक है। लेकिन मैं गायकवाड की टिप्पणियों का समर्थन नहीं करूंगा।

रवनीत बिट्टू और बीजेपी-शिवसेना के नेताओं पर एफआईआर

राहुल गांधी के खिलाफ विवादित टिप्पणी देने और धमकी भरे बयान देने के खिलाफ कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू, बीजेपी और शिवसेना के चार नेताओं के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। कांग्रेस नेता अजय माकन ने इन सबके खिलाफ दिल्ली के तुगलक रोड थाने में शिकायत दर्ज करवाई है।

उन्होंने कहा कि राहुल गाधी को इसलिए धमकी दी जा रही है क्योंकि वे दलित, अल्पसंख्यकों, पिछड़ों और गरीबों के हित और संविधान बचाने की बात करते हैं। कांग्रेस नेता अजय माकन ने आगे कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस इन नेताओं की धमकियों से डरने वाले नहीं हैं। माकन ने केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू, बीजेपी नेता तरविंदर मारवाह, यूपी सरकार के मंत्री रघुराज सिंह और शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 351, 352, 353 और 61 के तहत मामला दर्ज करवाया है।

'मेरे भाई के बढ़ते जनसमर्थन ने कई लोगों को किया बेचैन'

राहुल को मिल रही धमकियों पर स्टालिन ने केंद्र से की ये मांग

चेन्नई, 18 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राहुल गांधी को मिल रही धमकियों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने केंद्र सरकार से इन मामलों में कार्रवाई करने की मांग भी की है। स्टालिन ने कहा कि लोकतंत्र में धमकी और हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर एमके स्टालिन ने लिखा, "मीडिया में आई खबरों से गहरा सदमा लगा है कि भाजपा नेता ने धमकी दी है कि राहुल गांधी का भी उसकी दादी जैसा ही हश्र होगा, जबकि शिंदे सेना के एक विधायक ने राहुल गांधी की जीभ काटने पर इनाम घोषित किया है, उन्हें अन्य धमकियां भी मिल रहीं हैं। मेरे भाई राहुल गांधी के करिश्मे और बढ़ते जन समर्थन ने स्पष्ट रूप से कई लोगों को बेचैन कर दिया है, जिसके कारण इस तरह की घिनौनी धमकी दी जा रही है।"

'केंद्र सरकार धमकी के सभी मामलों में तेजी से करे कार्रवाई'

स्टालिन ने आगे लिखा, "केंद्र सरकार को विपक्ष के नेता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इन सभी मामलों में तेजी से कार्रवाई करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे लोकतंत्र में धमकी और हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।"

गणपति विसर्जन के दौरान भगवान गणेश की मूर्ति पर पथराव

2 गुटों में हुई झड़प, पुलिस ने बरसाईं लाठियां

भिवंडी, 18 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के भिवंडी में गणपति विसर्जन के लिए भगवान गणेश की मूर्ति को ले जाते समय हंगामा हुआ है। खबर फैली कि हिन्दुस्तानी मस्जिद के पास कुछ लड़कों ने मूर्ति पर पथराव कर दिया है, जिसके बाद भीड़ भड़क गई और 2 गुटों के बीच झड़प भी हो गई। हालात को काबू करने के लिए पुलिस को हल्का लाठीचार्ज भी करना पड़ा। पुलिस ने इस मामले में कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया है।

क्या है पूरा मामला?

मिली जानकारी के मुताबिक, कल महाराष्ट्र में ठाणे जिले के भिवंडी में गणपति विसर्जन का कार्यक्रम था। हर साल की तरह इस साल भी वंजारपट्टी नाका पर हिंदुस्तानी मस्जिद के बाहर एक मंडप बनाकर, मोहल्ला कमेटी और पुलिस गणेश मंडल का स्वागत कर रहे थे। देर रात करीब बारह बजे के आसपास घुंघट नगर से भगवान गणेश को विसर्जन के लिए नदीनाका कामवारी नदी ले जाया जा रहा था। गणेश जी की मूर्ति जब वंजरपट्टी नाका से गुजर रही थी, उसी दरमियान ये खबर सामने आई कि हिन्दुस्तानी मस्जिद के पास कुछ लड़कों ने मूर्ति पर पथराव कर दिया। कहा ये भी गया कि इस घटना से मूर्ति खंडित हो गई। हालांकि पुलिस इसकी जांच कर रही है।

आरएसएस की कोशिशों के बावजूद अपनों के निशाने पर है येदियुरप्पा परिवार?

बेंगलूरू, 18 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक बीजेपी में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। यहां पार्टी के ही नेता पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा की मुश्किलें बढ़ा रहे हैं। गुटबाजी को दूर करने के लिए पिछले हफ्ते आरएसएस-बीजेपी की बैठक भी हुई थी, लेकिन इसका असर होता नहीं दिख रहा है। बीजेपी में ये घमासान ऐसे समय मचा है जब प्रदेश में निकाय चुनाव होने हैं।

दरअसल, बीजेपी के वरिष्ठ नेता रमेश जारकीहोली ने प्रदेश अध्यक्ष येदियुरप्पा के बेटे बीवाई विजयेंद्र के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। वह नहीं चाहते कि विजयेंद्र पद पर बने रहे। जारकीहोली ने कहा, हम उनका (विजयेंद्र) नेतृत्व कभी स्वीकार नहीं करेंगे। वह एक जूनियर हैं और कर्नाटक में पार्टी को मिले भ्रष्ट टैग के लिए जिम्मेदार हैं। हम उनके नेतृत्व के विरोधी हैं, लेकिन येदियुरप्पा के खिलाफ नहीं हैं। पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के छोटे बेटे विजयेंद्र को पिछले साल नवंबर में प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। उनकी नियुक्ति को लेकर विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और पूर्व मंत्री अरविंद लिंबावली जैसे नेताओं के एक वर्ग ने आवाज उठाई। उन्होंने येदियुरप्पा के एक अन्य वफादार आर अशोक को विधानसभा में विपक्ष का नेता (एलओपी) बनाए जाने पर भी आपत्ति व्यक्त की।

नया नहीं है विजयेंद्र और जरकीहोली के बीच मतभेद

विजयेंद्र और जरकीहोली के बीच मतभेद नया नहीं है। 2019 में जब येदियुरप्पा सीएम थे तब भी दोनों में खींचतान मची रहती थी। कहा जाता है कि जारकीहोली के कथित सेक्स वीडियो के कारण उन्हें मंत्रिमंडल से बाहर किए जाने से पहले ही दोनों नेताओं के बीच मतभेद हो गए थे। जारकीहोली 2019 में कांग्रेस से बीजेपी में शामिल हुए और बाद में उन्हें येदियुरप्पा मंत्रिमंडल में जल संसाधन मंत्री के रूप में प्रमोट किया गया। दूसरी ओर यतनाल ने पिछले कुछ वर्षों में येदियुरप्पा पर लगातार निशाना साधा है। विजयेंद्र की नियुक्ति के बाद यतनाल ने येदियुरप्पा पर अपने बेटे के लिए पद सुरक्षित करने के लिए पार्टी आलाकमान को ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया था।

पार्टी में मचे घमासान के बीच विजयेंद्र ने हाल में कहा कि वह बीजेपी के हित में सबकुछ सुनने को तैयार हैं। विजयेंद्र का कहना है कि वह अगले विधानसभा चुनाव में पार्टी को बहुमत के साथ राज्य में सत्ता में लाने के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

आरएसएस-बीजेपी की हुई बैठक

पार्टी में मचे इस घमासान को दूर करने के लिए पिछले गुरुवार को आरएसएस और बीजेपी की बैठक हुई थी। इसके एक दिन बाद यतनाल और जारकीहोली के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल थावर चंद गहलोत से मुलाकात की। हालांकि यतनाल ने अटकलों को खारिज करते हुए कहा था कि राज्यपाल के साथ नियुक्ति गुरुवार की बैठक से काफी पहले तय हो गई थी। आरएसएस नेता मुकुंद और बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष की अध्यक्षता में गुरुवार की बैठक में दोनों गुटों के नेता मौजूद थे। पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा और यतनाल के साथ जारकीहोली ने एक गुट का प्रतिनिधित्व किया, जबकि दूसरे का प्रतिनिधित्व अशोक, विजयेंद्र और विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवादी नारायणस्वामी ने किया। बैठक में प्रतिद्वंद्वी खेमों को अपने मतभेदों को किनारे रखकर आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए तैयार रहने की सलाह दी गई और उनसे राज्य इकाई के फैसलों के खिलाफ सार्वजनिक टिप्पणी नहीं करने की अपील की गई।

'कांग्रेस का कुत्ता मेरे कार्यक्रम में घुसने की कोशिश करेगा तो दफना दूंगा'

विधायक के बिगड़े बोल

मुंबई, 18 सितंबर (एजेंसियां)। एकनाथ शिंदे की शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़ ने एक और भड़काऊ बयान जारी किया है। गायकवाड़ ने कहा है कि उनके कार्यक्रम में आने वाले किसी भी कांग्रेसी कुत्ते को वह वहीं पर दफना देंगे। आपको बता दें कि संजय गायकवाड़ महाराष्ट्र की बुलढाणा सीट से विधायक हैं। हाल ही में उन्होंन राहुल गांधी के खिलाफ भी विवादित बयान जारी किया था जिसे लेकर केस दर्ज किया गया है।

क्या बोले संजय गायकवाड़?

पत्रकारों से बातचीत में गायकवाड़ को कहते हुए सुना गया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उनके जिले में महिलाओं के लिए सरकार की 'मुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजना' के बारे में एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। शिंदे गुट के विधायक गायकवाड़ ने कहा कि कि अगर कोई कांग्रेसी कुत्ता मेरे कार्यक्रम में घुसने की कोशिश करेगा, तो मैं उसे वहीं दफना दूंगा।

राहुल गांधी को लेकर क्या कहा?

शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ ने राहुल गांधी को लेकर भी विवादित बयान दिया था। विधायक ने कहा था कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जिस तरह का बयान दिया है उससे कांग्रेस का असली चेहरा सामने आ गया है। लोकसभा चुनाव में उन्होंने झूठ फैलाकर वोट लिया कि संविधान खतरे में है, बीजेपी संविधान बदल देगी और आज अमेरिका में उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ। भीमराव अंबेडकर ने जो आरक्षण दिया था, उन्होंने कहा था कि वे आरक्षण खत्म कर देंगे। उनके मुंह से ऐसे शब्द निकले हैं, जो उनकी जीभ काटेगा, मैं उसे 11 लाख रुपये दूंगा।

विवाद पर क्या बोले विधायक?

राहुल गांधी से जुड़ा विवादित बयान के बारे में पूछे जाने पर गायकवाड़ ने कहा है कि मैंने बयान दिया। अगर मैंने माफी नहीं मांगी है, तो मुख्यमंत्री को ऐसा क्यों करना चाहिए? देश के 140 करोड़ लोगों में से 50 प्रतिशत आबादी को आरक्षण मिलता है। मैं उस व्यक्ति के बारे में दिए गए बयान पर अडिग हूं, जिसने आरक्षण हटाने की बात कही थी।

गद्दा फैक्टरी में लगी भीषण आग, तीन मजदूर जिंदा जले

बठिंडा, 18 सितंबर (एजेंसियां)। बठिंडा के डबवाली रोड पर गांव गहिरी बुट्टर में गद्दा फैक्टरी हेरिटेज इडस्ट्रीज में रात करीब 10 बजे भीषण आग लग गई। आग में तीन मजदूरों की जिंदा जलने से मौत गई। आग इतनी भयानक थी कि इसकी लपटें दूर से दिखाई दे रही थी। आग की सूचना पाकर बठिंडा फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, लेकिन आग तेजी से फैल रही थी और फैक्टरी का शैड गिर गया था। हालात बेकाबू होते देख बठिंडा के प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और श्री गुरु गोविंद सिंह रिफाइनरी और हरियाणा के डबवाली से फायर टेंडर बुलाए गए। बड़ी संख्या में विभिन्न पुलिस स्टेशनों की पुलिस भी मौके पर तैनात की गई। फैक्टरी में काम करने वाले बलकार सिंह ने बताया कि वह पांच लोग स्लैब लगा रहे थे। इसी दौरान आग लग गई। वह तो अपने साथी के साथ भाग कर फैक्टरी से बाहर आ गया लेकिन उसके तीन साथी लखवीर सिंह, निंदर सिंह और विजय सिंह फंस गए। मौके पर पहुंचे एडीसी नरिंदर सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन ने आग पर काबू पाने के लिए बठिंडा के साथ-साथ अन्य जिलों से भी दमकल की गाड़ियां बुलाई। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन इस हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई है। जांच की जा रही है कि आग कैसे लगी।

आज बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचेगी राष्ट्रपति मुर्मू

उज्जैन, 18 सितंबर (एजेंसियां)। आखिर वह क्षण आने ही वाला है जिसके लिए शासनिक अमला पिछले एक सप्ताह से तैयारी में जुटा हुआ है। इस कार्यक्रम के तहत रंगाई-पुताई और अन्य व्यवस्थाएं नगर में की जा रही हैं, ताकि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के उज्जैन आगमन के दौरान कोई कमी न रहे। प्रशासनिक कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति पहले सफाई मित्र सम्मेलन में शामिल होंगी, फिर सिक्स लेन का भूमि पूजन करेंगी और उसके बाद बाबा महाकाल के दर्शन के लिए मंदिर रवाना होंगी। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू गुरुवार को इंदौर देवी अहिल्याबाई होल्कर एयरपोर्ट से प्रातः 9:50 बजे डीआरपी लाइन हेलीपेड उज्जैन पहुंचेंगी। इसके बाद राष्ट्रपति प्रातः 10:10 बजे ग्राम डेंडिया के होटल रूद्राक्ष परिसर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। यहां वे सफाई मित्र सम्मेलन और उज्जैन-इंदौर सिक्सलेन रोड के भूमिपूजन कार्यक्रम में भाग लेंगी। कार्यक्रम में स्वागत भाषण मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव देंगे। राष्ट्रपति इस अवसर पर स्वच्छता मित्रों को प्रमाण-पत्र वितरित करेंगी। इसके बाद राष्ट्रपति उज्जैन-इंदौर सिक्सलेन रोड का भूमिपूजन करेंगी। प्रातः 10:55 बजे मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल का उद्बोधन होगा। राष्ट्रपति पूर्वाह्न 11:30 बजे ग्राम डेंडिया रूद्राक्ष होटल परिसर से श्री महाकालेश्वर मंदिर जाएंगी। वहां वे दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगी।

श्री महाकालेश्वर मंदिर के नंदी हॉल में उन्हें मंदिर प्रबंध समिति की ओर से स्मृति चिन्ह एवं प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। इसके बाद महाकालेश्वर मंदिर परिसर में शिखर दर्शन और ओंकारेश्वर मंदिर में फोटो सेशन होगा। राष्ट्रपति दोपहर 12:10 से 12:20 बजे तक महाकाल लोक के मूर्तिकारों से संवाद करेंगी और दोपहर 12:20 से 12:30 बजे तक स्वच्छता ही सेवा के तहत श्री महाकालेश्वर मंदिर में स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में शामिल होंगी। इस दौरान वे महाकाल महालोक का भ्रमण भी करेंगी।

राष्ट्रपति दोपहर 12:30 बजे श्री महाकालेश्वर मंदिर से डीआरपी लाइन हेलीपेड पर दोपहर 12:40 बजे पहुंचेंगी और फिर 12:50 बजे उज्जैन से इंदौर देवी अहिल्याबाई होल्कर एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगी।

ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी

पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि 2000 पुलिसकर्मियों के साथ बम डिस्पोजल स्क्वाड, इंटेलिजेंस ब्यूरो, और जिला विशेष शाखा के पुलिसकर्मी और अधिकारी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के गुजरने वाले पूरे रास्ते पर सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी। इन सब इंतजामों के अलावा, राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए एक अलग टीम भी नियुक्त की जाएगी। उज्जैन में इस दौरान ड्रोन उड़ाने पर भी पाबंदी लगाई गई है।

बांग्लादेश के भारत दौरे पर सियासी बवाल

शिवसेना के आदित्य ठाकरे ने बीसीसीआई और विदेश मंत्रालय पर दागे सवाल

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच 19 सितंबर से चेन्नई में टेस्ट मैच खेला जाना है। दोनों टीमें इस सीरीज में पहला टेस्ट जीतकर साथ आगाज करना चाहेगी। इस टेस्ट मैच की व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने अपने दादा बाल ठाकरे की राह पर चलते हुए क्रिकेट मैच पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के संदर्भ में विदेश मंत्रालय और बीसीसीआई पर सवाल खड़े किए। दरअसल, शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने केंद्र सरकार और बीसीसीआई से सवाल किया कि क्यों वह बांग्लादेश क्रिकेट टीम को भारत दौरे की अनुमति क्यों दे रहे है, जबकि पड़ोसी देश में हिंदू समुदाय हिंसा का सामना कर रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में ठाकरे ने कहा कि भारत में ट्रोल ग्लादेश में हिंसा के बहाने नफरत फैला रहे हैं, जबकि बीसीसीआई अपनी टीम की मेजबानी कर रहा है।

आदित्य ठाकरे ने अपनी पोस्ट में लिखा कि बांग्लादेश क्रिकेट टीम भारत दौरे पर है। हमें कुछ मीडिया और सोशल मीडिया से पता चला है कि बांग्लादेश में पिछले 2 महीने से हिंदुओं को हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। मैं विदेश मंत्रालय से पूछना चाहता हूं कि क्या ये सही है, अगर हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को वहां हिंसा का सामना करना पड़ा है, तो भाजपा के नेतृत्व वाली भारत सरकार बीसीसीआई पर इतनी नरम क्यों है और दौरे की अनुमति क्यों दे रही है?

फिर जलने लगी पराली: सरकार के सभी दावे फेल

पटियाला, 18 सितंबर (एजेंसियां)। सरकार के बड़े-बड़े दावों के विपरीत पंजाब में पराली जलना फिर से शुरू हो गई है। स्थिति यह है कि 15 सितंबर से लेकर अब तक तीन दिनों में पराली जलने के मामले बीते दो सालों के अपेक्षा ज्यादा दर्ज किए गए हैं। पंजाब में तीन दिनों में पराली जलने के 16 मामले रिपोर्ट हो गए हैं,जबकि साल 2022 में इस दौरान 15 और 2023 में केवल 6 मामले ही सामने आए थे। इससे साफ है कि शुरुआत से ही पराली जलने के मामलों में तेजी दर्ज की जा रही है। प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक 15 सितंबर को पंजाब में पराली जलने के 11 मामले रिपोर्ट हुए। इनमें 9 मामले अमृतसर, 1 तरनतारन और एक फिरोजपुर में सामने आया। वहीं 16 को पराली जलाने का कोई मामला नहीं हुआ, लेकिन मंगलवार को पांच मामले रिपोर्ट हुए और यह सभी जिला अमृतसर के हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक अब तक पराली जलाने के मामले में अमृतसर सबसे आगे चल रहा है। यहां अब तक सबसे अधिक 14 मामले सामने आ चुके हैं। वहीं अगर बीते दो सालों की बात करें, तो साल 2022 में 15 सितंबर को पराली जलाने के 14 मामले सामने आए थे और साल 2023 में कोई मामला रिपोर्ट नहीं हुआ था। 16 सितंबर 2022 को पराली जलाने का कोई मामला सामने नहीं आया था, परंतु साल 2023 में छह मामले रिपोर्ट हुए थे। 17 सितंबर को साल 2022 में एसएएस नगर से केवल एक मामला सामने आया था और 2023 में कोई मामला रिपोर्ट नहीं हुआ था।

करोल बाग में दो मंजिला मकान ढहा, 7 लोगों को बचाया गया, राहत कार्य जारी

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के करोल बाग में एक दो मंजिला मकान ढह गया। जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दिल्ली ग्निशमन सेवा ने खोज और बचाव प्रयासों में सहायता के लिए पांच गाड़ियां भेजकर तुरंत कार्रवाई की। अब तक मलबे से 7 लोगों को बचाया गया है और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। डीसीपी सेंट्रल एम हर्षवर्धन ने बताया कि सुबह करीब 9 बजे प्रसाद नगर पुलिस स्टेशन में घटना की सूचना मिली। यह हादसा करीब 25 वर्ग गज में फैली एक पुरानी इमारत के ढहने से हुआ। स्थानीय पुलिस एनडीआरएफ और अन्य एजेंसियों की मदद से बचाव अभियान जारी है। अभी तक किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है। दिल्ली की अगली मुख्यमंत्री बनने जा रहीं आतिशी ने इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने जिला मजिस्ट्रेट को निर्देश दिया है कि प्रभावित लोगों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाए। आतिशी ने घायलों के उपचार और ढहने के कारणों की जांच के निर्देश दिए हैं। इस साल भारी बारिश के मद्देनजर आतिशी ने दिल्ली के निवासियों से आग्रह किया कि वे निर्माण से संबंधित किसी भी संभावित खतरे की सूचना तुरंत अधिकारियों को दें। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार ऐसे मामलों में तत्काल सहायता प्रदान करेगी। नगर निगम के मेयर के साथ उनके संवाद से सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए उनकी सक्रियता को दर्शाता है। बचाव दल अपने प्रयास जारी रखे हुए हैं। क्योंकि ऐसा संदेह है कि मलबे में अभी भी और लोग फंसे हो सकते हैं। बचाव अभियान समाप्त होने के बाद कानूनी कार्यवाही शुरू होगी। सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने और जरूरतमंदों को चिकित्सा सेवा की सुविधा मुहैया कराई जा रही है।

'बृजभूषण सिंह इसलिए टिका है, क्योंकि वे राजनीतिक रूप से शक्तिशाली है: विनेश फोगाट

गुरूग्राम, 18 सितंबर (एजेंसियां)। कुश्ती खिलाड़ी से राजनेता बनीं विनेश फोगाट इन दिनों हरियाणा विधानसभा चुनाव में प्रचार में जुटी हैं। इस बीच उन्होंने बीजेपी के नेता और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह को निशाने पर लिया है। जुलाना सीट से कांग्रेस उम्मीदवार विनेश फोगाट ने इंडियन एक्सप्रेस से खास बातचीत में कहा, "आपको सिस्टम में जाना होगा। बृजभूषण सिंह इसलिए टिका है, क्योंकि वे राजनीतिक रूप से शक्तिशाली हैं। हमें भी इसलिए ताकतवर होना चाहिए। अगर हमारे पास सत्ता नहीं है, तो दो साल का संघर्ष पानी में बह जाएगा।" उन्होंने कहा कि हमारे प्रदर्शन को लेकर लोगों को लगता है कि हमने जो किया वो उनकी बेटियों और उनके परिवारों के लिए था। ओलंपिक में सफलता मिलना व्यक्तिगत होता है। जब हम दूसरों के लिए कुछ करते हैं, तो लोग प्यार लौटाते हैं। मुझे इतने प्यार और समर्थन की उम्मीद नहीं थी। विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक में कुश्ती के फाइनल मुकाबले में पहुंचकर इतिहास रच दिया था। हालांकि मुकाबले से ठीक पहले 50 किलोग्राम भार वर्ग में लगभग 100 ग्राम वजन अधिक पाए जाने के बाद उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था। बाद में विनेश फोगाट ने खेल से संन्यास की घोषणा की।

अगर शुक्रवार को नमाज पढ़ी गई तो बड़ा आंदोलन होगा, शिमला के कसुम्पटी में मस्जिद हटाने की मांग

शिमला, 18 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में मस्जिदों का विवाद लगातार गहराता जा रहा है। एक के बाद एक आगे आकर लोग अपने इलाके की मस्जिदों को अवैध बताकर कार्रवाई की मांग उठा रहे हैं। संजौली के बाद चर्चा में आई कसुम्पटी मस्जिद का मामला भी एक बार फिर सुर्खियों में आया है।

कसुम्पटी वार्ड की पार्षद रचना शर्मा, पूर्व पार्षद और डिप्टी मेयर रहे राकेश शर्मा के साथ कई लोगों ने शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप और नगर निगम शिमला के आयुक्त भूपेंद्र अत्री से मुलाकात की। इन सभी लोगों ने मस्जिद में हुए अवैध निर्माण को हटाने की मांग की है। साथ ही यह भी कहा गया है कि अगर शुक्रवार को यहां नमाज पढ़ी गई, तो बड़ा आंदोलन होगा।

गौर हो कि नगर निगम शिमला पहले ही इस निर्माण को अवैध करार दे चुका है। इसे हटाने के भी आदेश दिए जा चुके हैं। नगर निगम आयुक्त के इस निर्णय को जिला एवं सत्र न्यायालय में चुनौती दी गई है। यह मामला अभी जिला अदालत में विचाराधीन है। इस मामले में अगली सुनवाई 23 अक्टूबर को होनी है। नगर निगम शिमला के पूर्व डिप्टी मेयर और स्थानीय पार्षद रहे राकेश शर्मा ने दावा किया है कि यह जमीन केंद्र सरकार की है। इसके कागज भी उनके पास उपलब्ध हैं। उन्होंने यह कागज जिला उपयुक्त अनुपम कश्यप और नगर निगम के आयुक्त भूपेंद्र अत्री को भी उपलब्ध करवाए हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 19 सितंबर, 2024 3

सुविचार: जो बात दिल से कही जाए, वही दूसरों का दिल जीत पाती है।

विकास प्रक्रिया में राजनीति नहीं : रेवंत रेड्डी

सीएम ने तेलंगाना एमएसएमई नीति-2024 का अनावरण किया

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आश्वासन दिया है कि राज्य सरकार तेलंगाना में अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) को हरसंभव समर्थन प्रदान करेगी।बुधवार को यहां माधापुर के शिल्पकला वेदिका में तेलंगाना एमएसएमई नीति-2024 का अनावरण करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने तेलंगाना में रोजगार के अवसर पैदा करने और धन पैदा करने के उद्देश्य से नई एमएसएमई नीति का अनावरण किया है। उन्होंने कहा, "राज्य सरकार ने पिछली सरकार की नीतियों को जारी रखते हुए नई नीति पेश की है। विकास प्रक्रिया में राजनीति नहीं होगी, इसलिए यह एक सतत प्रक्रिया है। कांग्रेस पार्टी राजनीति को कोई गुंजाइश दिए बिना अच्छे कार्यक्रमों और योजनाओं को आगे बढ़ाएगी। मेरी सरकार राज्य के हितों के लिए हानिकारक पुराने फैसलों को रद्द करने में भी संकोच नहीं करेगी।" शैक्षिक मानकों और औद्योगिक आवश्यकताओं के बीच एक बड़ा अंतर बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने शिक्षा प्रणाली में त्रुटियों को सुधारने के तहत 65 आईटीआई संस्थानों को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों के रूप में अपग्रेड किया है और 2400 करोड़ रुपये की लागत से टाटा इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर संस्थानों का आधुनिकीकरण कर रही है। रेवंत रेड्डी ने कहा, "गहन अध्ययन करने के बाद यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी की स्थापना की गई है। यह युवाओं को प्रशिक्षित करेगी और औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कौशल प्रदान करेगी।" उन्होंने किसानों से खेतीबाड़ी न छोड़ने की अपील की, क्योंकि यह संस्कृति का हिस्सा है। उन्होंने किसानों से इस पेशे को जारी रखने और अपने परिवार के सदस्यों को अधिक रोजगार के अवसर प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया। "राज्य सरकार पिछली सरकार की तरह "प्रतिबंधित किले' (गादी) से काम नहीं कर रही है। यह सभी लोगों के कल्याण के लिए लोगों की सरकार है। हमारी सरकार में दरवाजे हमेशा खुले हैं और सभी के सुझावों को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं," रेवंत रेड्डी ने खुलासा किया। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को करोड़पति के रूप में बढ़ावा देने की योजना बनाई है और हैदराबाद के प्रसिद्ध शिल्परमम में 3 एकड़ भूमि पर एसएचजी के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए एक नई विपणन सुविधा पहले ही बनाई जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा, "स्वयं सहायता समूहों को अम्मा आदर्श स्कूलों के प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्कूलों की यूनिफॉर्म की सिलाई के लिए समूहों को ऑर्डर दिए गए हैं। यूनिफॉर्म की सिलाई का शुल्क 25 रुपये से बढ़ाकर 75 रुपये करके महिला समूहों की मदद की जा रही है।" तेलंगाना में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए एमएसएमई नीति पेश करने के पीछे दिमाग रखने वाले उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू के प्रयासों की सराहना करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि नीति दस्तावेज के बिना कोई भी राज्य विकसित नहीं हो सकता और यही कारण है कि राज्य सरकार ने एमएसएमई नीति की घोषणा की है।

दीक्षांत परेड के दौरान पास आउट होंगे 188 आईपीएस प्रोबेशनर

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नेपाल, भूटान, मालदीव और मॉरीशस के 19 विदेशी अधिकारियों के साथ कुल 188 आईपीएस परिवीक्षाधीन अधिकारी शुक्रवार को सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एसवीपीएनए) से दीक्षांत परेड के दौरान पास आउट होंगे। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय इस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। 207 परिवीक्षार्थियों में 58 महिलाएं हैं जिन्होंने अपने पुरुष समकक्षों के साथ प्रशिक्षण लिया है। 45 सप्ताह के प्रशिक्षण के पहले चरण में विभिन्न विषयों को शामिल किया गया, जिसमें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे नए कानून शामिल हैं। एसवीपीएनपीए के निदेशक अमित गर्ग ने कहा कि परिवीक्षाधीन व्यक्ति विशेष एजेंसियों के साथ काम करेंगे।

विसर्जन के कारण यातायात असर

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में यातायात की गति धीमी रही क्योंकि हुसैनसागर में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन बुधवार को भी हुआ। बशीरबाग से किंग कोठी, वाईएमसीए सिकंदराबाद से बेगमपेट, हैदराबाद पब्लिक स्कूल, खैरताबाद से रवींद्र भारती के बीच सड़क पर यातायात का प्रवाह काफी हद तक प्रभावित रहा, क्योंकि प्रतिमाएं टैंक बंड पर विसर्जन के लिए कतार में खड़ी थीं। यातायात पुलिस ने अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया और लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी। यातायात पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोपहर तक स्थिति सामान्य हो जाएगी।

बॉक्सर निखत जरीन ने डीएसपी के रूप में ज्वाइनिंग रिपोर्ट दी

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जानी मानी बॉक्सर निखत जरीन ने बुधवार को पुलिस उपाधीक्षक (विशेष पुलिस) के रूप में ड्यूटी पर रिपोर्ट की। उन्होंने पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र आईपीएस को अपनी ज्वाइनिंग रिपोर्ट सौंपी।

निजामाबाद जिले की रहने वाली निखत जरीन दो बार की विश्व मुक्केबाजी चैंपियन रह चुकी हैं और उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक और एशियाई खेलों में कांस्य पदक भी जीता है। उन्होंने हाल ही में पेरिस में आयोजित ओलंपिक में भाग लिया था।

राज्य सरकार ने निखत जरीन को डीएसपी (विशेष पुलिस) के रूप में नियुक्त करने के आदेश जारी किए। इसके बाद उन्होंने डीजीपी को अपनी ज्वाइनिंग रिपोर्ट सौंपी। महेश एम भागवत, अतिरिक्त डीजीपी (कानून व्यवस्था प्रभारी कार्मिक) ने निखत जरीन को बधाई दी।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मंत्री ने की मदद

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और पीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ हनमकोंडा का दौरा पूरा करने के बाद हुजूराबाद जा रहे थे। इसी बीच मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मार्गा एल्कातुर्थी मंडल के कोटुला नादुमा में दोपहिया वाहन से सड़क पर गिरे लोगों को घायलावस्था में देखा। सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को देखकर तुरंत मंत्री ने काफिले की गाड़ियाँ रोकी। इसके बाद मंत्री के निर्देश पर दुर्घटना पीड़ितों को कर्मचारियों द्वारा पेयजल दिया गया और तुरंत एक विशेष वाहन से अस्पताल ले जाया गया। मंत्री पोन्नम प्रभाकर और पीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ पीड़ितों के साथ खड़े रहे।

उन्होंने तुरंत अधिकारियों से बात की और घायलों को अच्छा इलाज मुहैया कराने का आदेश दिया। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सुझाव दिया कि घायलों को जल्द अस्पताल पहुंचाने और आसपास ही इलाज उपलब्ध कराने के लिए पुलिस को वाहन के साथ भेजा जाना चाहिए।

'मुक्ति दिवस' न मनाने के लिए कांग्रेस, बीआरएस की आलोचना

करीमनगर, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने आरोप लगाया कि वर्तमान कांग्रेस और पिछली बीआरएस सरकारों ने एआईएमआईएम के डर के कारण मुक्ति दिवस नहीं मनाया। बुधवार को यहां केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा आयोजित एक फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस का दुर्भाग्यपूर्ण कदम है, जो दावा करती है कि पृथक तेलंगाना केवल कांग्रेस के कारण ही अस्तित्व में आया कि वह वर्तमान पीढ़ी को पूर्ववर्ती हैदराबाद राज्य की मुक्ति के लिए किए गए आंदोलनों के बारे में समझाने के लिए पहल नहीं कर रही है।देश को भले ही 15 अगस्त 1947 को आजादी मिली हो, लेकिन तेलंगाना को उसी दिन आजादी नहीं मिली। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि वह मौजूदा पीढ़ी को बताए कि राज्य को आजादी कब मिली और इसके लिए कौन जिम्मेदार था?

आरटीसी बस का टायर फटा, 3 महिला यात्री घायल

सिद्दीपेट, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हुस्नाबाद कस्बे में बुधवार को चलती बस का टायर फटने से तीन महिला यात्री घायल हो गईं। कल्याणी, प्रवालिका और शशि प्रिया हुस्नाबाद शहर से करीमनगर की ओर जाने वाली टीजीआरटीसी बस में चढ़ी थीं। जब बस नगरम बाईपास रोड पर पहुंची तो बस का अगला टायर फट गया। दुर्घटना में तीन यात्री घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रेलवे स्टेशन की नई इमारत का उद्घाटन

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सफिलगुडा रेलवे स्टेशन की नई इमारत का उद्घाटन बुधवार को मलकाजगिरी के सांसद एटाला राजेंद्र ने किया। राजेंद्र ने कहा कि सफिलगुडा रेलवे स्टेशन दोनों शहरों के महत्वपूर्ण स्टेशनों में से एक है, जो बड़ी संख्या में लोगों को सेवा प्रदान करता है। नए स्टेशन भवन से क्षेत्र के यात्रियों को सुविधा मिलेगी। उन्होंने बुकिंग काउंटर से पहली ट्रेन टिकट भी खरीदी और कर्मचारियों से बातचीत की। विधायक मर्री राजशेखर रेड्डी ने स्टेशन परिसर में सुविधाजनक यात्री सुविधाओं के प्रावधान के लिए रेलवे को धन्यवाद दिया।

नाम परिवर्तन

मैं सेना सेवा संख्या 17019513,एच, रैंकः सीएफएन, नाम दुर्गासी लोकेश्वर राव, उम्र लगभग 32 वर्ष, पुत्र दुर्गासी परशुराम, निवासी जगन्नाधपुरम गांव, लोड्डापुट्टी पोस्ट, इचापुरम मंडलम, श्रीकाकुलम जिला, आंध्र प्रदेश(राज्य), पिन-532312, मैने अपनी मां का नाम बदल लिया है डी नीलावेणी को दुर्गासी नीलावेणी, मेरी पत्नी का नाम डी ज्योति को सभी उध्देश्यों के लिए इचापुरम ए.पी. में दिनांक 14.09.2024 के शपथ पत्र नोटरी व्दारा दुर्गासी ज्योति और मेरी बेटी का नाम स्नेहिता से दुर्गासी स्नेहिता किया गया.।

CLASSIFIEDS

नाम परिवर्तन

मैं, पटलोल्ला लक्ष्मी धर्मपत्नी एक्स नं. 14585474 पी एंड पीपीओ नं. एस/031239/2005(आर्मी) स्व. पी. बुची रेड्डी निवास स्थलः म.नं.1-157, चीलापुर विलेज, पुडुर मंडल, विकाराबाद जिला, टी.जी., निवासी, खुलासा करती हूं कि, पटलोल्ला लक्ष्मी तथा वाय. लक्ष्मी यह दोनों मेरे ही नाम हैं।

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

जानी मास्टर की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने कोरियोग्राफर शेख जानी उर्फ जानी मास्टर को पकड़ने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए हैं, जिन्होंने कथित तौर पर एक महिला सहायक कोरियोग्राफर का यौन उत्पीड़न किया था। पीड़िता ने पिछले हफ़्ते रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी जिसके बाद जानी मास्टर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। बाद में अधिकार क्षेत्र के आधार पर मामला नरसिंगी पुलिस स्टेशन को स्थानांतरित कर दिया गया। महिला ने आरोप लगाया था कि वह जानी मास्टर के साथ सहायक कोरियोग्राफर के रूप में काम करने लगी थी और फिल्म शूटिंग के दौरान कई बार उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया।

उसने यह भी आरोप लगाया कि जानी मास्टर ने उसे धमकी दी थी कि अगर उसने किसी को इस बारे में बताया तो वह उसे जान से मार देगा। पुलिस को सूचना मिली थी कि जानी मास्टर उत्तर भारत में किसी स्थान पर भाग गया है और उसे पकड़ने के लिए एक टीम वहां भेजी गई थी। इस बीच, पुलिस ने पीड़िता के बयान में यह बताने के बाद कि जब वह नाबालिग थी, तब से जानी मास्टर द्वारा उसका यौन शोषण किया जा रहा था, पोक्सो अधिनियम की

विभिन्न धाराएं जोड़ दी थीं। पुलिस ने भरोसा केंद्र में पीड़ित का बयान दर्ज किया और उसके आधार पर उसके खिलाफ पोक्सो की धाराएं लगाई गईं। दूसरी ओर, स्थानीय नेता कराटे कल्याणी ने आरोप लगाया कि यह 'लव जिहाद' का मामला है और जानी मास्टर ने लड़की को फंसाया है तथा उसे इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर कर रहा है।

जानी मास्टर घटना "लव जिहाद' भाजपा महिला मोर्चा का आरोप

आरोपियों को क्यों बचा रही सरकार : शिल्पा

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा की राज्य महिला मोर्चा अध्यक्ष शिल्पा रेड्डी ने कहा कि प्रसिद्ध कोरियोग्राफर शेख जानी बाशा, जिन्हें पेशेवर रूप से जानी मास्टर के नाम से जाना जाता है, के खिलाफ दर्ज कथित यौन उत्पीड़न का मामला स्पष्ट रूप से लव जिहाद का मामला है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा प्रमुख ने आरोप लगाया कि कोरियोग्राफर ने 21 वर्षीय युवती को "लव जिहाद' के तहत फंसाया और पांच साल तक उसे प्रताड़ित किया। उन्होंने दावा किया कि जानी मास्टर का पहले भी आपराधिक इतिहास रहा है और 2015 में एक कॉलेज में युवती पर हमला करने के मामले में 2019 में अदालत ने उसे छह महीने कैद की सजा सुनाई थी।

मामले में धीमी गति से आगे बढ़ने के लिए राज्य सरकार पर कड़ी आलोचना करते हुए शिल्पा रेड्डी ने कहा कि आरोप हैं कि फिल्म उद्योग के कुछ बड़े नाम और सत्तारूढ़ पार्टी के नेता इस मामले में शामिल हैं, इसलिए सरकार दोषियों को दंडित करने के लिए गंभीर कदम नहीं उठा रही है। चूंकि गृह मंत्रालय मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के अधीन है, इसलिए उन्हें राज्य के लोगों को बताना होगा कि सरकार आरोपियों को बचाने की कोशिश क्यों कर रही है?

नए स्टेशन भवन से क्षेत्र के यात्रियों को सुविधा होगी : ईटेला राजेन्द्र

सफिलगुडा में नया रेलवे स्टेशन भवन राष्ट्र को समर्पित

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरी के सांसद ईटाला राजेंद्र ने आज नए सफिलगुडा रेलवे स्टेशन भवन को राष्ट्र को समर्पित किया। मर्री राजशेखर रेड्डी, विधान सभा सदस्य, मल्काजगिरी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर हैदराबाद डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर लोकेश विश्नोई और अन्य रेलवे अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर बोलते हुए ईटाला राजेंद्र ने कहा कि सफिलगुडा रेलवे स्टेशन जुड़वां शहरों में महत्वपूर्ण स्टेशनों में से एक है जो बड़ी संख्या में लोगों की सेवा करता है। उन्होंने कहा कि नए स्टेशन भवन से क्षेत्र के यात्रियों को सुविधा होगी। सांसद ने रेलवे को नया स्टेशन भवन उपलब्ध कराने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने रेलवे से तेलंगाना क्षेत्र में चल रहे विभिन्न रेलवे कार्यों को पूरा करने का अनुरोध किया। सांसद ने बुकिंग काउंटर से पहली ट्रेन टिकट भी खरीदी और कर्मचारियों से बातचीत की। मर्री राजशेखर रेड्डी विधायक ने कहा कि यह एक खुशी का अवसर है क्योंकि सफिलगुडा के लोगों की सुविधा के लिए नया स्टेशन भवन उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने स्टेशन परिसर में सुविधाजनक यात्री सुविधाओं के प्रावधान के लिए रेलवे को धन्यवाद दिया।

बाढ़ राहत के लिए बच्चों ने दान किए 35 हजार रुपये

जिला कलेक्टर ने की मानवीय कार्य की सराहना

खम्मम, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर मुजम्मिल खान ने जिले में बाढ़ प्रभावित परिवारों के प्रति एक निजी स्कूल के छात्रों द्वारा किए गए मानवीय कार्य की सराहना की। खम्मम के निकट कोनिजेरा में स्थित समथा सुपर जेम्स स्कूल के विद्यार्थियों ने बाढ़ राहत के लिए 35,000 रुपए की राशि दान की। बुधवार को बच्चों, शिक्षकों और प्रधानाध्यापक ने जिला कलेक्टर मुजम्मिल खान को इस राशि का नकद चेक सौंपा।

कलेक्टर ने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को धन और सामान के रूप में दी गई सहायता से उनका विश्वास बढ़ता है कि आपदा के समय समाज उनकी मदद कर रहा है। यह अच्छी बात है कि स्कूली छात्रों ने परिवारों की मदद करने के बारे में सोचा। खान ने प्रधानाध्यापक और शिक्षकों की सराहना की जिन्होंने बचपन से ही समाज के प्रति जागरूकता पैदा की और बच्चों को सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। स्कूल के प्रधानाध्यापक कोंथम उमाशंकर, शिक्षिका के. श्रवंती और एन. साईं मौजूद थे।

अभी भी जलमग्न है वट्टेम पंप हाउस

दो सप्ताह के बाद भी कोई परिवर्तन नहीं

बोले अधिकारी - नुकसान का आंकलन करना असंभव

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पलामुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना (पीआरएलआईएस) का वट्टेम पंप हाउस बाढ़ के पानी में डूब जाने के एक पखवाड़े से अधिक समय से जलमग्न है। बिजिनापल्ली मंडल में स्थित पंप हाउस की चार मेगा पंपिंग इकाइयां पास के चेन टैंकों से बहते पानी के कारण जलमग्न हो गईं। बाढ़ की घटना ने पीआरएलआईएस बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और कार्यक्षमता के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। भूमिगत पम्प हाउस, जो 25 मीटर गहरा है, में एक एडिट-सुरंग के माध्यम से बाढ़ आ गई, जो एक क्षैतिज मार्ग है जिसका उपयोग आमतौर पर वेंटिलेशन और जल निकासी के लिए किया जाता है।

एडिट-सुरंग के ज़रिए बाढ़ के पानी के प्रवेश का सही कारण अभी भी जांच के दायरे में है। अधिकारियों ने कहा है कि पंप हाउस से पूरी तरह पानी निकाले बिना नुकसान की पूरी सीमा का आंकलन करना असंभव है। पानी निकालने के लिए बड़ी मोटरें लगाई गई हैं, इस प्रक्रिया में करीब दो सप्ताह लगने की उम्मीद है। हालांकि, लगातार रिसाव के कारण प्रयासों में बाधा आ रही है, जिसके कारण चौबीसों घंटे काम करना पड़ रहा है। लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं पर सरकार के सलाहकार के. पेंटा रेड्डी ने बताया कि बड़ी क्षमता वाले पंपों की सिफारिश की गई है, लेकिन भूमिगत पंप हाउस में जगह की कमी एक बड़ी चुनौती है।

कभी नहीं मिट सकतीं केसीआर की उपलब्धियां : केटीआर

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट पर दी प्रतिक्रिया

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने बुधवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की उपलब्धियों को कभी मिटाया नहीं जा सकता। उन्होंने प्रति व्यक्ति आय के मामले में तेलंगाना के प्रभावशाली प्रदर्शन पर प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एक्स पर लिखा कि आंकड़े कभी झूठ नहीं बोलते और केसीआर की उपलब्धियों को कभी मिटाया नहीं जा सकता।

केटी रामा राव ने लिखा कि प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने बीआरएस के शासन में तेलंगाना के जबरदस्त विकास की

गवाही दी है। तेलंगाना ने मात्र 9.5 वर्षों में राष्ट्रीय औसत से 94 प्रतिशत अधिक प्रति व्यक्ति आय दर्ज की है, जो साबित करता है कि कैसे केसीआर गरु ने तेलंगाना को सभी मोर्चों पर अग्रणी बनाया है?

आर्थिक सलाहकार परिषद के अनुसार, 1990 के दशक से प्रति व्यक्ति आय के मामले में दक्षिणी राज्यों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। 1990 के दशक तक उनकी प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से कम थी, लेकिन उदारीकरण के बाद इसमें काफी तेजी से वृद्धि हुई। इसमें कहा गया है कि तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय अब राष्ट्रीय औसत से 94 प्रतिशत अधिक है। इस बीच, एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने पलामुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना (पीआरएलआईएस) के वट्टेम पंप हाउस में बाढ़ आने की समस्या पर प्रकाश डाला।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

नं.-सी/सी/ई-नीलामी/एससी/2024-25 दि.18/09/2024

भारत के राष्ट्रपति, भारतीय गणराज्य की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा, वाणिज्यिक आय तथा एनएफआर संविदाओं के प्रति ई-नीलामी आमंत्रित है। तदनुसार, एससी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों के लिए ई-नीलामी संसाधित की है, जिसे https://www.ireps.gov.in पर अधिसूचित किया गया है।

क्रम सं.	श्रेणी	ई-नीलामी तिथि
1	विज्ञापन	20.09.2024.
2	कैटरिंग	23.09.2024.
3	पीएमबीजेके प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केन्द्र,	24.09.2024.
4	डब्ल्यूवीएम	24.09.2024.
5	पीएनवाय(पेएन्डयूज-लाउंजेस/ प्रतीक्षालय/ विश्राम स्थल/ सामान कक्ष	24.09.2024.
6	आरसीआर(रेल कोच रेस्टारंट)	25.09.2024.
7	छिटपुट(पार्सल स्कैनर्स एन्ड फन झोन)	26.09.2024.
8	एमपीएस	26.09.2024 व 27.09.2024.
9	पार्सल्स	27.09.2024.
10	एटीएम	28.09.2024.

संपूर्ण जानकारी के लिए, पार्टीज https://www.ireps.gov.in/website देखें। पूछताछ/स्पष्टीकरण हेतु कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।

A1194 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद

PUB/0929/24

बुलडोजर एक्शन पर एससी के फैसले का चंद्रशेखर आजाद ने किया स्वागत कहा- 'हम इसके धुर विरोधी रहे हैं

नगीना, 18 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में बुलडोजर की कार्रवाई पर सख्त रवैया अपनाते हुए रोक लगा दी है। कोर्ट ने एक अक्टूबर तक देशबर में बुलडोजर पर रोक लगाई है। इसके साथ ही इसके महिमामंडन को भी बंद करने के आदेश दिए हैं। जिस पर आज़ाद समाज पार्टी के अध्यक्ष और नगीना सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने प्रतिक्रिया दी और कहा कि ये फैसला तानाशाही रोकने वाला है। चंद्रशेखर आज़ाद ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा, 'मैं, भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) भाजपा की सस्ती लोकप्रियता वाली बुलडोजर नीति के धुर विरोधी रहे। इससे कार्यपालिका द्वारा संविधान में वर्णित शक्ति के पृथक्करण सिद्धान्त का अतिक्रमण होता हैं और साथ ही नागरिकों के संपत्ति के वैधानिक अधिकार का अतिक्रमण भी।'

चंद्रशेखर आजाद ने दी प्रतिक्रिया

उन्होंने कहा- 'हमने कभी भी, किसी भी मामले में किसी पर बुलडोजर की कार्यवाही की माँग नहीं की। हम अवसरवादी नहीं हैं। न्याय-अन्याय की लड़ाई जाति-धर्म से ऊपर उठकर लड़ते हैं। माननीय उच्चतम न्यायालय का फैसला तानाशाही को रोकने वाला है। हम फैसले का स्वागत करते हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर की कार्रवाई पर रोक लगाते हुए कहा अगले आदेश तक कोर्ट की इजाजत के बिना किसी निर्माण को नहीं गिराया जाएगा। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने जमीयत उलेमा एक हिंद की याचिका पर सुनवाई करते हुए ये आदेश दिया। कोर्ट ने राज्य सरकारों को बुलडोज़र की कार्रवाई पर निर्देश देते हुए कहा कि इसका महिमांडन बंद होना चाहिए। क़ानूनी प्रक्रिया के तहत की अतिक्रमण हटाया जाए।

जमीन के बदले नौकरी के मामले में 8 लोगों को समन

इस बार तेज प्रताप यादव का भी नाम

पटना, 18 सितंबर (एजेंसियां)। जमीन के बदले नौकरी (लैंड फॉर जॉब) मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव समेत आठ लोगों के खिलाफ राऊज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को समन जारी किया है। ईडी की चार्जशीट पर कोर्ट ने यह संज्ञान लिया है। इसके साथ ही लालू यादव, तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव को बतौर आरोपी अदालत में पेश होने का आदेश जारी किया गया है। लैंड फॉर जॉब मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में लालू यादव, तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव के खिलाफ ईडी ने सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में मुकदमा चलाने के लिए प्रथम दृष्टया में पर्याप्त सबूत है। कोर्ट ने यह भी कहा कि बड़ी तादाद में जमीन का ट्रासंफर हुआ है। यादव परिवार द्वारा पद का दुरुपयोग किया गया है।

तेजस्वी यादव के खिलाफ मामले में पर्याप्त सबूत

कोर्ट ने कहा कि यादव परिवार के नाम पर जमीन का ट्रांसफर हुआ। लालू यादव मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल थे। तेजस्वी यादव के खिलाफ भी मामले में पर्याप्त सबूत है। कोर्ट ने कहा कि किरण देवी ने मीसा भारती के नाम पर जमीन को ट्रांसफर किया जिसके बदले में किरण देवी के बेटे को नौकरी दी गई। इसमें किरण देवी के पति भी शामिल थे। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कहा कि एके इंफोसिस्टम द्वारा बिहार के राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव को 2014 में बड़ी तादाद में जमीन ट्रांसफर की गई। तेज प्रताप यादव भी लालू यादव परिवार के सदस्य हैं

और मनी लॉन्ड्रिंग में इनकी भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि मामले में तेज प्रताप यादव को भी समन जारी किया जाता है। लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव समेत सभी आरोपितों को 7 अक्टूबर को अदालत में पेश होने के लिए कहा गया। अगली सुनवाई 7 अक्टूबर को होगी। बता दें कि इस केस में पहली बार तेज प्रताप यादव को समन जारी किया गया है।

बुलडोजर एक्शन पर एससी की रोक के बाद मायावती की आई प्रतिक्रिया, केंद्र पर साधा निशाना

लखनऊ, 18 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगा दी है। यह रोक 1 अक्टूबर तक के लिए लगाई गई है। बुलडोजर कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के एक दिन बार बसपा सुप्रीमो मायवती की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने इसे लेकर केंद्र को भी कटघरे में खड़ा किया है। साथ ही मायावती ने बुलडोजर के प्रयोग की बढ़ती प्रवृति पर चिंता जताई।बसपा सुप्रीमो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, बुलडोजर विध्वंस कानून का राज का प्रतीक नहीं होने के बावजूद इसके प्रयोग की बढ़ती प्रवृति चिंतनीय। वैसे बुलडोजर व अन्य किसी मामले में जब आम जनता उससे सहमत नहीं होती है तो फिर केंद्र को आगे आकर उस पर पूरे देश के लिए एक-समान गाइडलाइंस बनाना चाहिए, जो नहीं किए जा रहे हैं। वरना बुलडोजर एक्शन के मामले में माननीय सुप्रीम कोर्ट को इसमें दखल देकर केंद्र सरकार की जिम्मेदारी को खुद नहीं निभाना पड़ता, जो यह जरूरी था। केंद्र व राज्य सरकारें संविधान व कानूनी राज के अमल होने पर जरूर ध्यान दें। इससे पहले मायावती ने अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे को लेकर निशाना साधा था।

बरेली और लखीमपुर के बदमाश कर रहे थे हाथी दांतों की तस्करी, तीन गिरफ्तार

बरेली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) बरेली और उत्तराखंड की टीम ने वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो दिल्ली और बरेली वन विभाग के साथ मिलकर एक बड़े अंतर्राज्यीय हाथी दांत तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस संयुक्त अभियान में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें दो बरेली के रहने वाले हैं। उनके पास से करीब सात किलो वजन के दो हाथी दांत बरामद किए गए, जो कि तस्करी के लिए सौदेबाजी में इस्तेमाल किए जा रहे थे। एसटीएफ को वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो दिल्ली से सूचना मिली थी कि एक अंतर्राज्यीय गिरोह हाथी दांत की तस्करी में शामिल है। इसके बाद एसटीएफ बरेली और उत्तराखंड की टीमें लगातार तस्करों के बारे में जानकारी जुटा रही थीं।

मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर मंगलवार को तीनों तस्करों को लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर पुरनापुर गांव के पास एक कार में डीलिंग करते समय रंगे हाथों पकड़ा गया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान आदित्य विक्रम (मां वैष्णो कुंज, ग्रीन पार्क, थाना बारादरी, बरेली), नत्था सिंह (निवासी गंगाबेहड़ फॉर्म, निघासन, लखीमपुर और वर्तमान में नानकमत्ता गुरुद्वारा में ठहरे हुए) और करण सिंह (निवासी बारादरी, बरेली) के रूप में हुई है। इनके पास से सवा तीन-तीन फुट लंबे दो हाथी दांत, जिनका कुल वजन लगभग सात किलो है, बरामद हुए हैं।

ये कैसी शराबबंदी

बिहार के सरकारी कार्यालय से ही शराब की 135 बोतलें बरामद मुखिया के पति सहित 7 लोग गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार सरकार के मद्य निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारियों ने मुजफ्फरपुर जिले के पारू इलाके में एक सरकारी कार्यालय के परिसर से शराब की 135 बोतलें बरामद कीं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने इस मामले में चिंतामनपुर पंचायत की महिला मुखिया के पति मोती राम और छह अन्य लोगों को भी

गिरफ्तार किया। बोरियों में बंद करके रखे थे शराब के कार्टून मद्य, निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग के निरीक्षक शिवेंद्र कुमार ने संवाददाताओं को बताया, 'गुप्त सूचना के आधार पर अधिकारियों ने मुजफ्फरपुर के पारू क्षेत्र के फंदा गांव में एक सरकारी भवन के परिसर में कल रात्रि छापेमारी कर विदेशी शराब की 135 कार्टून बोतलें बरामद कीं। कार्टूनों को बोरियों में बंद करके परिसर के एक कोने में रखा गया था। सभी 135 कार्टून जब्त कर लिए गए हैं।' मामले की जांच जारी निरीक्षक ने बताया, 'यह परिसर पंचायत विभाग से संबंधित गतिविधियों के लिए था और महिला मुखिया भवन की प्रभारी हैं। बाद में, जांच के दौरान मुखिया के पति और गांव के छह अन्य लोगों को राज्य निषेध अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज करने के बाद गिरफ्तार किया गया।' उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है। बिहार में अप्रैल 2016 में निषेध कानून लागू किया गया था, जिसमें शराब के निर्माण, बिक्री या सेवन पर प्रतिबंध लगाया गया था।

आतिशी को सीएम चुने जाने के फैसले पर आकाश आनंद बोले

'दलित समाज के साथ धोखा, केजरीवाल का सवर्ण प्रेम जाहिर'

लखनऊ, 18 सितंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मिलकर उनको अपना इस्तीफा सौंप दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफा देने पर बीएसपी चीफ मायावती के बाद अब उनके भतीजे आकाश आनंद ने प्रतिक्रिया दी है। आकाश आनंद ने कहा, 'दिल्ली में आम आदमी पार्टी से अरविंद केजरीवाल ने शराब घोटाले की वजह से दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया है। साथ ही उनके आदेश पर आतिशी सिंह जी को दिल्ली का नया मुख्यमंत्री बनाया जा रहा है। ये दिल्ली के दलित समाज के साथ धोखा है। इसे फैसले से एक बार फिर केजरीवाल जी का सवर्ण प्रेम जाहिर हो गया है।' मायावती के भतीजे ने कहा, 'दिल्ली के दलित समाज को उम्मीद थी कि सीएम उनके समाज से होगा लेकिन केजरीवाल जी को मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और अब आतिशी सिंह जी पर भरोसा है पार्टी के दलित विधायकों पर नहीं। आम आदमी पार्टी ने बहुत चालाकी से 'झाड़ू' सिंबल लेकर दिल्ली के दलितों को ठगा है।

'जितना बडा रंगबाज, उतना बडा नेता'

बिहार में वार्ड पार्षद की दबंगई, तेजस्वी यादव बोले- यही बीजेपी का 'मंगलराज'

बिहार के मुजफ्फरपुर की एक घटना को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बुधवार को बीजेपी पर करारा हमला बोला। उन्होंने मुजफ्फरपुर नगर निगम के एक वार्ड पार्षद की दबंगई और गाली-गलौज का वीडियो अपने एक्स हैंडल से पोस्ट किया है जो बीते सोमवार (16 सितंबर) की रात का है। एनडीए में शामिल नेताओं की ओर से बार-बार जंगलराज कहकर दिए जाने वाले बयान पर अब मंगलराज की बात कहते हुए तेजस्वी यादव ने निशाना साधा है। तेजस्वी यादव ने एक्स पर लिखा, देखिए, खुलेआम कैसे बीजेपी नेता दुकानों में घुस व्यवसायियों पर पिस्तौल तान दे रहे हैं। गाली-गलौज के साथ मार-पीट कर रहे है। रंगदारी नहीं तो धंधा बंद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में बीजेपी की यही कार्य संस्कृति है। जो जितना बड़ा गुंडा, बलात्कारी, अपराधी और रंगबाज वो उतना ही बड़ा नेता बनने की ओर अग्रसर। यही इनका मंगलराज है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बेबस और असहाय बन चुके हैं। अपराधी तांडव कर रहे हैं। क्या यह सत्ता संरक्षित, संपोषित और प्रायोजित गुंडागर्दी नहीं है?

अब समझिए क्या है पूरा मामला

घटना बिहार के मुजफ्फरपुर की है। मुजफ्फरपुर के वार्ड नंबर 10 के पार्षद अभिमन्यु चौहान अपने कुछ साथियों के साथ हार्डवेयर की एक दुकान पर पहुंचकर गाली-गलौज की। दुकानदार जितेंद्र कुमार और उनके भाई शुभम की पिटाई कर दी। यहां तक कि पिस्टल भी तान दी। धमकी देते हुए कहा, एतना गोली मारेंगे। पहचानता है। केकर बेटा है रे। इसके साथ ही गाली-गलौज करते हुए अभद्र भाषा का भी इस्तेमाल किया गया।

स्कूल जाते छात्रा से छेड़छाड़

युवक ने बीच रास्ते पकड़ा, एडिट कर अश्लील फोटो बनाई , एफआईआर

लखनऊ, 18 सितंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के सआदतगंज इलाके में रहने वाली इंटर की छात्रा को एक युवक कॉलेज आते-जाते परेशान कर रहा है। उसने कॉलेज के पास उसका हाथ पकड़ कर अश्लीलता की। छात्रा के विरोध पर धमकी दी। परिजनों की शिकायत पर सआदतगंज पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। सआदतगंज के एक स्कूल में 11वीं की छात्रा का आरोप है कि मोहल्ले में रहने वाला अभिषेक करीब एक माह से परेशान कर रहा है। स्कूल आते जाते रोकता है और अश्लील कमेंट करता है। लोकलाज के चलते चुप रहने पर उसकी हिम्मत बढ़ गई। इसी के चलते शनिवार को कालेज जाते वक्त रोक लिया था। साथ ही छेड़छाड़ करते हुए अकेले में मिलने का दबाव बनाया। पीड़िता के मुताबिक आरोपी धमकी देता है कि उसकी फोटो हैं उसके पास। जिन्हें अश्लील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर देंगे। साथ ही पुलिस से शिकायत करने पर झूठे मामले में फंसाने की धमकी दे रहा है। उसकी हरकतें बढ़ने पर हिम्मत जुटा कर परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। जिसके बाद थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। आरोपी की हरकतों से डिप्रेशन की शिकार हो गई हूं। इंस्पेक्टर बृजेश सिंह ने बताया कि पीड़िता का मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज किया गया है।

ताजमहल के गुंबद में उग आया पीपल का पौधा! दुनिया के अजूबे का ये कैसा हाल हो गया

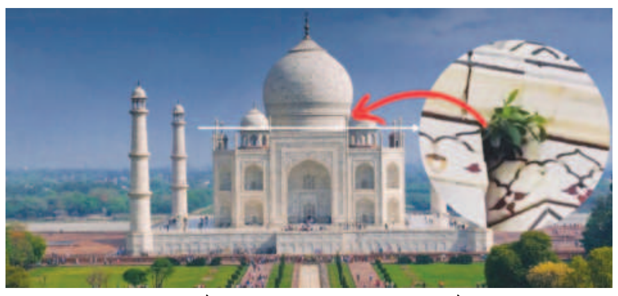

आगरा, 18 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में ताजमहल की खूबसूरती पर हो रहे बेरहम हमलों की चपेट से इसकी नक्काशी घायल है। बता दें कि अब यमुना की तरफ मुख्य गुंबद पर पौधा उग आया है। बरसात के मौसम में ताजमहल के बगीचों का तालाब में तब्दील हो जाना, परिसर में लगी झाड़ियों के सहारे कथित पर्यटकों का मूत्र विसर्जन, वॉशरूम की ईमारत में पर्यटकों का अर्धनग्न हालत में घूमना ये वो घटनाएं हैं, जो भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा रही हैं। बता दें कि यमुना की तरफ मुख्य गुंबद पर एक पीपल पौधा उग आया है। दावा है कि आज से पहले कभी (ताजमहल की उम्र लगभग 371 साल है) ताजमहल के मुख्य गुंबद पर कोई पौधा नहीं ऊगा है। मुख्य गुंबद पर उगे पौधे का एक वीडियो सोशल मिडिया पर वायरल हो गया है। वायरल वीडियो 35 सेकंड का है। यह वीडियो मुख्य गुंबद के यमुना नदी की तरफ के हिस्से का है। वीडियो वायरल होने के बाद अनान-फानन मे एएसआई ने पौधे का वहां से उखाड़ दिया है। इस मामले में एएसआई के सुपरिंटेंडेंट राज कुमार पटेल ने बताया कि 'ताजमहल ही नहीं अन्य स्मारकों में भी जहां-जहां जॉइन्ट हैं, वहां धूल, पानी और चिड़ियां बीट करती हैं। सभी इमारतों में पौधे उगने की घटनायें देखने को मिलती हैं। जरूरी यह है कि उन्हें समय रहते 5-10 सेंटीमीटर दिखने पर ही निकाल लिया जाए। पौधों के बड़े होने पर उनकी जड़ बड़ी होंगी और वह अंदर की तरफ डेमेज करेंगी। पौधे आते रहते हैं। हम समय समय पर उन्हें निकालते रहते हैं।

मुख्य गुंबद से क्यों टपका पानी?

ताजमहल के मुख्य गुबंद में जगह-जगह कई दरारें आ चुकी हैं। गुबंद में हो रही कलाकारी भी थोड़ी-थोड़ी फीकी पड़ने लगी है। ताजमहल के मुख्य गुंबद से बरसात का पानी टपकने की घटना 371 साल के इतिहास में पहली बार हुई है। आगरा में पिछले दिनों रिकॉर्ड 351 एमएम बरसात हुई है। भारतीय पुरातत्व विभाग के सुपरिंटेंडेंट राजकुमार पटेल का कहना है कि 'ताज के मेन डोम में पानी आया यह फेक्ट है। वॉल के सहारे पानी को देखा गया है। इसकी डिटेल छानबीन की गई है।'

2 पत्नियों वाले पति ने अवैध संबंधों के चलते एक पत्नी को मारी गोली

थाने जाकर कबूला कांड, अरेस्ट

कानपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। देहातकानपुर देहात में भी एक ऐसा मामला सामने आया, जिसमे प्यार शक और फिर धोखे से एक महिला को मौत के घाट उतार दिया। सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करने वाले एक शख्स ने दो शादियां की थी, दोनों पत्नियां अलग अलग रहती थी। लेकिन एक पत्नी के अवैध संबंधों और रिश्तों के चलते पति ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से पत्नी के सीने में गोली मार दी।

गोली मारने के बाद हत्यारोपी पहले डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को ये जानकारी दी की मैंने पत्नी को गोली मारकर हत्या कर दी है। वहीं पुलिस ने गार्ड को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। दरअसल पूरा मामला कानपुर देहात के भोगनीपुर थाना क्षेत्र के पुखरायां कस्बे में किराए पर रहने वाले एक सिक्योरिटी गार्ड भागीराम ने अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। दरासल भागीराम ने दो शादियां की थी। पहली पत्नी को बिना तलाक दिए दूसरी शादी कर वो अलग रहने लगा था। गार्ड भागीराम की पहली शादी सीमा नाम की युवती से हुई थी। जिसके बाद भागीरथ को एक और महिला उषा से प्यार हुआ और उसने पहली पत्नी को बिना बताए ही उससे शादी कर ली और बाहर रहने लगा। भागीराम लखनऊ में गार्ड की नौकरी करता था।

पहली पत्नी सीमा घाटमपुर में रहती थी तो दूसरी पत्नी कानपुर देहात के पुखरायां कस्बे में रहती थी। लेकिन पहली पत्नी से दूरी बनाकर दूसरी पत्नी के पास गार्ड भागीराम नौकरी से छुट्टी मिलने के बाद जाता था। लेकिन कई दिनों तक घर न पहुंचना उसके लिए काल बन गया। दूसरी पत्नी उषा के अवैध संबंधों का भागीरथ को शक गहराया और छुट्टी लेकर लखनऊ से कानपुर देहात पहुंचा। गार्ड ने देर रात पत्नी को अपनी बंदूक से गोली मार कर मौत के घाट उतार दिया।

गंगा समेत कई नदियां उफान पर, तेजस्वी के विधानसभा में बाढ़ से लोग परेशान; पटना के 76 स्कूल बंद

पटना, 18 सितंबर (एजेंसियां)। गंगा, सोन, पुनपुन, दरधा, गंडक, जिरायन और फल्गु समेत कई नदियों का जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। बक्सर, पटना, वैशाली जिले के कुछ इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। पटना के दीघा, गांधी घाट, बेगूसराय के हाथीदह, भागलपुर के कहलगांव में गंगा का जलस्तर लाल निशान के ऊपर चला गया है। बाढ़ के खतरे को लेकर लोगों में दहशत ह। पटना, बक्सर, भागलपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। समेत कई इलााकों के नदियों के जलस्तर बढ़ने से कटाव भी तेज हो गया है। बक्सर में कई एकड़ में लगे फसल डूब गए। गया और वैशाली के कुछ इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है। जल संसाधन विभाग के अनुसार, पहाड़ों पर बारिश के कारण नदियों के जलस्तर में वृद्धि हो रही है।

पटना के इन इलाकों में लोग परेशान

पटना में गंगा का जलस्तर एक बार फिर खतरे के निशान से ऊपर हो गया है। दियारा इलाके में बाढ़ के खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने पटना के 76 सरकारी स्कूलों को अगले आदेश तक बंद कर दिया है। पटना के महावीर घाट, कंगनघाट, गायघाट, फतुहा, कोल्हाचक इलाके में जलजमाव के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन से निचले इलाके में रहने वाले लोगों से अलर्ट रहने की अपील की है।

पांच लोग तेज धार में बह गए

औरंगाबाद के अंबा स्थित बटाने नदी पर बने पुल को पार करने के दौरान पांच लोग तेज धार में बह गए। इसमें से तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इसमें से दो अन्य की तलाश एनडीआरएफ की टीम कर रही है। बताया जा रहा है कि देव से अंबा जाने के लिए बटाने नदी को पार करने के लिए वैकल्पिक पुल की व्यवस्था की गई थी जिस पुल के उपर से पानी की काफी तेज़ बहाव था। मंगलवार देर रात पांच लोग एक ही बाइक पर सवार होकर पुल को पार कर रहे थे। इस दौरान यह हादसा हुआ।

प्रॉपर्टी डीलर की हत्या का हुआ खुलासा, मकान कब्जे को लेकर हुआ था विवाद, दो गिरफ्तार

नोएडा, 18 सितंबर (एजेंसियां)। नोएडा में सेक्टर 142 थाना पुलिस टीम ने सेक्टर 137 मेट्रो स्टेशन के पास हुई प्रॉपर्टी डीलर की हत्या का खुलासा कर दिया। वहीं आरोपियों को बुद्ध तिराहा सर्विस रोड से गिरफ्तार कर लिया। हत्या करने वाले दो शूटर व अन्य आरोपियों को पकड़ने में पुलिस की छह टीम दबिश दे रही हैं। एक मकान पर कब्जे को लेकर चल रहे विवाद के कारण ये हत्या की गई थी। पुलिस की गिरफ्त में खडे राजेश कुमार व शक्ति कुमार गिरि को पुलिस ने देर रात बुद्ध तिराहा सर्विस रोड से गिरफ्तार किया है। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्तिमोहन अवस्थी ने बताया कि सेक्टर 142 थाना पुलिस टीम ने सर्विलांस की मदद से गिरफ्तार किया। डीसीपी सेंट्रल के अनुसार कुछ दिनों पहले नवेंद्र कुमार झा और शक्ति कुमार गिरि ने नोएडा के सेक्टर-92 में 250 वर्ग मीटर का एक मकान खरीदा था।

राहुल-प्रियंका के पूर्वजों के शहर में कांग्रेस ने लगाए न्याय बाक्स, लोगों की शिकायतें सुन दूर करने का दावा

प्रयागराज, 18 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी की सत्ता से पिछले पैंतीस सालों से बाहर कांग्रेस पार्टी अब जनता से सीधे तौर पर जुड़कर वापसी की कोशिश में है. इसी कड़ी में कांग्रेस पार्टी ने यूपी के सभी बड़े शहरों में जगह-जगह कंप्लेंट बॉक्स लगाकर लोगों की आने वाली शिकायतों को दूर कर उनकी मदद करने का फैसला किया है. यूपी के जिन पचीस जिलों को कंप्लेंट बॉक्स के लिए चुना गया है. उनमें नेहरू-गांधी परिवार का पैतृक शहर संगम नगरी प्रयागराज भी शामिल है. कांग्रेस पार्टी ने यहां भी रेलवे और बस स्टैंड समेत तमाम प्रमुख जगहों पर कंप्लेंट बॉक्स लगा दिए हैं. पार्टी नेताओं का दावा है कि लेटर बॉक्स की तर्ज पर तैयार कराए गए इन कंप्लेंट बॉक्स में आने वाली शिकायतों को पढ़ने के बाद उन्हें दूर करने और लोगों की मदद करने का काम किया जाएगा.

संगम नगरी प्रयागराज में इस अभियान की शुरुआत इलाहाबाद सीट से कांग्रेस के सांसद उज्जवल रमण सिंह ने की है. उन्होंने बताया है कि जनता से सीधे जुड़ाव के लिए कांग्रेस की सोशल आउटरीच टीम ने इस तरीके का अनूठा अभियान चलाने का फैसला लिया है. उनके मुताबिक प्रयागराज में दर्जनों जगहों पर इस तरीके के बॉक्स लगाए जा रहे हैं. इन बॉक्स को न्याय पेटिका का नाम दिया गया है. कहा जा सकता है कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पार्टी सांसद राहुल गांधी की न्याय यात्रा की कामयाबी को देखते हुए कांग्रेस ने अपने इन कंप्लेंट बॉक्स को भी न्याय पेटिका या न्याय बॉक्स का नाम दिया है. इन बॉक्स में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तस्वीरें लगी हुई है.

कुछ भी नहीं कर रही सरकार- कांग्रेस

सांसद उज्जवल रमण सिंह के मुताबिक केंद्र और उत्तर प्रदेश की बीजेपी की सरकारें सिर्फ पूंजीपतियों और अमीरों के लिए काम कर रही हैं. किसानों, गरीबों, मजदूरों - युवाओं और महिलाओं की बेहतरी के लिए सरकार कुछ भी नहीं कर रही है. लोग बेहद परेशान हैं. लोगों की कहीं सुनवाई नहीं हो रही है. इसी के चलते पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निर्देश पर जगह-जगह न्याय पेटिकाएं लगाई जा रही हैं. इन्हें हफ्ते में एक दिन खोला जाएगा. बॉक्स की चाभी जिला कमेटी के पदाधिकारियों के पास रहेगी. लोगों की शिकायतों को पढ़ने के बाद उन्हें दूर करने और मदद करने के लिए उचित कदम उठाए जाएंगे.

जो भी कार्यवाही की जाएगी, उसकी जानकारी शिकायतकर्ता को भी दी जाएगी. कांग्रेस पार्टी की सोशल आउटरीच टीम के उत्तर प्रदेश के संयोजक विक्रम पांडेय के मुताबिक यह पहल सियासी फायदा पाने के लिए नहीं, बल्कि गरीब और परेशान लोगों की मदद करने के लिए है. पहले फेज में यूपी में 25 जिलों में इस तरह के बॉक्स लगाए जा रहे हैं. जल्द ही बाकी जगहों पर भी न्याय पेटिकाएं लगाई जाएंगी. हालांकि अब देखना यह होगा कि कांग्रेस पार्टी की इस अनूठी पहल के क्या नतीजे देखने को मिलते हैं.

क्या पत्नी से जबरन संबंध बनाने पर दुष्कर्म केस से मिली छूट होगी खत्म

सुप्रीम कोर्ट करेगा विचार

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। अगर कोई व्यक्ति अपनी बालिग पत्नी को यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करता है तो क्या ऐसे में पति को दुष्कर्म के अपराध के लिए मुकदमे से छूट मिलनी चाहिए? सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि अदालत इस जटिल सवाल पर याचिकाओं को सूचीबद्ध करने पर विचार करेगा।

मामले में आंशिक सुनवाई हो चुकी है: सीजेआई

वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने कहा कि याचिकाओं पर तुरंत सुनवाई की जरूरत है। इस पर देश के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि मामले में आंशिक सुनवाई हो चुकी है तथा सुनवाई पूरी करने के बाद अगले दो दिनों में कार्यभार का आकलन किया जाएगा। बता दें, पीठ में न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। सीजेआई ने कहा कि मामले पर आज और कल होने वाली सुनवाई से हमें यह विचार मिलेगा। हम निश्चित रूप से वैवाहिक दुष्कर्म मामलों को सूचीबद्ध करने पर विचार करेंगे। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने 16 जुलाई को इस मामले से जुड़ी याचिकाओं को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की थी। उस समय सीजेआई ने संकेत दिया था कि मामलों की सुनवाई 18 जुलाई को हो सकती है।

क्या है दुष्कर्म की धारा में अपवाद?

भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 375, जिसे अब निरस्त कर दिया गया है और भारतीय न्याय संहित द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है, दुष्कर्म (रेप) को परिभाषित करती है। इस धारा में वर्णित शर्तों में एक अपवाद भी दर्ज है जिसकी संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। दरअसल, इस अपवाद में पति को अपनी बालिग पत्नी के साथ गैर-सहमति से यौन संबंध बनाने के लिए दुष्कर्म के तहत मुकदमा चलाने से छूट देता है। इसमें कहा गया है, 'पति अगर अपनी पत्नी के साथ, जिसकी उम्र 15 वर्ष से कम नहीं है, तो वह दुष्कर्म नहीं है।' वहीं, नए कानून के तहत भी धारा 63 (रेप) का अपवाद 2 कहता है कि किसी शख्स द्वारा अपनी पत्नी के साथ गैर-सहमति से यौन संबंध बनाया जाता है, जिसकी उम्र 18 वर्ष से कम नहीं है, तो वह दुष्कर्म नहीं है।'

सुप्रीम कोर्ट के नोटिस पर केंद्र सरकार ने दिया था जवाब

इससे पहले, शीर्ष अदालत ने 16 जनवरी 2023 को वैवाहिक दुष्कर्म को अपराध के दायरे में लाने का अनुरोध करने वाली और आईपीसी के उस प्रावधान को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र से जवाब मांगा था, जो पति को बालिग पत्नी के साथ जबरन यौन संबंध को दुष्कर्म नहीं ठहराता है। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि इस मुद्दे के कानूनी तथा सामाजिक निहितार्थ हैं और सरकार इन याचिकाओं पर अपना जवाब दाखिल करेगी। बाद में, 17 मई को पीठ ने इसी तरह की याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया, जिसमें इस मुद्दे पर बीएनएस प्रावधान को चुनौती दी गई थी। बता दें, आईपीसी, सीआरपीसी और साक्ष्य अधिनियम की जगह एक जुलाई से भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय सक्षम अधिनियम लागू किए गए हैं।

हमें वैवाहिक दुष्कर्म संबंधी मामलों को निपटाना होगा: पीठ

पीठ ने कहा था, 'हमें वैवाहिक दुष्कर्म संबंधी मामलों को निपटाना होगा।' इन याचिकाओं में से एक याचिका वैवाहिक दुष्कर्म के मुद्दे पर दिल्ली हाईकोर्ट के 11 मई, 2022 के खंडित फैसले के संबंध में दायर की गई है। यह अपील दिल्ली हाईकोर्ट के सामने याचिकाकर्ताओं में से एक महिला ने दायर की थी।

दिल्ली हाईकोर्ट के दो जजों के बीच मतभेद

दिल्ली हाईकोर्ट की पीठ में शामिल दो जजों, जस्टिस राजीव शकधर और जस्टिस सी हरिशंकर ने मामले में सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की अनुमति दी थी, क्योंकि इसमें कानून से जुड़े महत्वपूर्ण सवाल शामिल हैं, जिनपर अदालत द्वारा गौर किए जाने की आवश्यकता है। खंडपीठ का नेतृत्व करने वाले जस्टिस शकधर ने वैवाहिक दुष्कर्म अपवाद को 'असंवैधानिक' बताते हुए रद्द करने का समर्थन किया और कहा था कि यह दुखद होगा अगर आईपीसी के लागू होने के 162 साल बाद भी एक विवाहित महिला की न्याय के लिए गुहार नहीं सुनी गई। हालांकि, न्यायमूर्ति शंकर ने कहा था कि दुष्कर्म कानून के तहत पति को दी गई छूटअसंवैधानिक नहीं है और यह बोधगम्य अंतर पर आधारित है। बोधगम्य अंतर की अवधारणा उन लोगों या चीजों के समूह से अलग करती है जो बाकियों से अलग हैं।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने कहा था- पति को छूट सही नहीं

एक व्यक्ति ने ऐसे ही मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका दायर की थी। इस फैसले के चलते उस पर अपनी पत्नी से कथित तौर पर दुष्कर्म करने का मुकदमा चलाने का रास्ता साफ हो गया था। दरअसल, कर्नाटक हाईकोर्ट ने पिछले साल 23 मार्च को पारित आदेश में कहा था कि अपनी पत्नी के साथ दुष्कर्म तथा अप्राकृतिक यौन संबंध के आरोप से पति को छूट देना संविधान के अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में कुछ अन्य याचिकाएं भी दायर की गई हैं। कुछ याचिकाकर्ताओं ने आईपीसी के सेक्शन 375 (रेप) के तहत वैवाहिक दुष्कर्म को मिली छूट की संवैधानिकता को इस आधार पर चुनौती दी है कि यह उन विवाहित महिलाओं के खिलाफ भेदभाव है, जिनका उनके पति ही यौन शोषण करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कैदियों को बड़ी राहत

नए कानून के तहत इनको मिलेगा जमानत

देहरादून, 18 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है, जिसके तहत उत्तराखंड की जेलों में बंद उन विचाराधीन कैदियों को तत्काल जमानत पर रिहा किया जाएगा। जिन्होंने अपने मामले में संभावित अधिकतम सजा की एक तिहाई अवधि जेल में बिता ली है। यह प्रावधान भारतीय नागरिक न्याय संहिता (बीएनएनएस) की धारा 479 के तहत आता है। जिसे सुप्रीम कोर्ट ने पुराने कैदियों पर भी लागू करने का निर्देश दिया है। यह आदेश उन मामलों पर लागू नहीं होगा, जिनमें आजीवन कारावास या मौत की सजा का प्रावधान है। इस आदेश के बाद उत्तराखंड की जेलों में, विशेष रूप से देहरादून, हल्द्वानी और हरिद्वार के कारागारों को बड़ी राहत मिलेगी, जहां क्षमता से अधिक कैदी बंद हैं। वर्तमान में, इन जेलों में कुल क्षमता से अधिक कैदी होने के कारण व्यवस्थाओं पर दबाव है और कैदियों को अमानवीय परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। उदाहरण के तौर पर, देहरादून के जिला कारागार की कुल क्षमता 580 कैदियों की है, जबकि वहां 900 से अधिक विचाराधीन कैदी और 369 सजायाफ्ता कैदी बंद हैं। इसी प्रकार, हल्द्वानी और हरिद्वार की जेलों में भी क्षमता से अधिक कैदी हैं।

पुराने कानून में बदलाव का असर

पुराने कानून यानी दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत विचाराधीन कैदियों को यह लाभ तभी मिलता था, जब उन्होंने सजा की आधी अवधि जेल में बिता ली हो। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की सहमति से यह निर्णय लिया कि नए प्रावधान का लाभ पुराने कानून के तहत विचाराधीन कैदियों को भी दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, जेल अधीक्षकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी जेलों में कौन से विचाराधीन कैदी ऐसे हैं, जिन्होंने सजा की एक तिहाई अवधि जेल में बिता ली है। इसके बाद, उनकी जमानत अर्जी जिला न्यायालय में दाखिल की जाएगी।

स्क्वाड्रन लीडर मोहना सिंह का कमाल, तेजस लड़ाकू विमान उड़ाने वाली पहली महिला पायलट बनीं

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना की स्क्वाड्रन लीडर मोहना सिंह ने इतिहास रच दिया है। दरअसल वह स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस में उड़ान भरने वाली भारत की पहली महिला फायटर पाइलट बन गई हैं। वह एलसीए तेजस का संचालन करने वाली '18 फ्लाइंग बुलेट्स' स्क्वाड्रन में शामिल हो गई हैं। वह लगभग 8 साल पहले फाइटर स्क्वाड्रन में शामिल होने वाली पहली महिला फाइटर पायलट बनी थीं। मोहना सिंह स्क्वाड्रन लीडर भावना कंठ और अवनी चतुर्वेदी के साथ भारतीय वायु सेना में महिला फाइटर पायलटों की शुरुआती तिकड़ी का हिस्सा थीं। शुरुआती दिनों में तीनों पायलटों ने वायुसेना के लड़ाकू बेड़े से कई विमान उड़ाए थे।

वर्तमान में भावना कंठ और अवनी चतुर्वेदी पश्चिमी रेगिस्तान में सुखोई 30 एमकेआई फाइटर जेट उड़ा रही हैं। वहीं मोहना सिंह ने हाल ही में जोधपुर में तरंग शक्त अभ्यास में भाग लिया, जहां उन्होंने सशस्त्र बलों के तीन उप प्रमुखों के साथ एक तेजस की एक ऐतिहासिक उड़ान भरी, जबकि अन्य दो उप प्रमुखों, लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि और वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने दो लड़ाकू पायलटों के साथ प्रशिक्षक संस्करण उड़ाए। हालांकि सरकार ने साल 201 में महिलाओं के लिए लड़ाकू स्ट्रीम खोली है, इसलिए भारतीय वायुसेना में अब लगभग 20 महिला लड़ाकू विमान पायलट हैं।

बता दें कि बीते दिनों भारतीय वायु सेना, थल सेना और नौसेना के उप प्रमुखों ने जोधपुर में आयोजित किए गए हवाई अभ्यास के दौरान स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलएसी) तेजस में उड़ान भरी।

जुर्माने की राशि लेकर पहुंचे बंजारा समाज के मोहन चव्हाण

उद्धव ठाकरे ने मिलने से किया इनकार

मुंबई, 18 सितंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट की औरंगाबाद बेंच ने शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे के खिलाफ दायर एक निराधार याचिका के लिए नांदेड़ के रहने वाले बंजारा समाज के मोहन चव्हाण पर 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को निर्देश दिया था कि इस राशि को वह डिमांड ड्राफ्ट के जरिए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को व्यक्तिगत रूप से सौंपे। इस बीच आज उद्धव ठाकरे ने बंजारा समाज के मोहन चव्हाण से मिलने से इनकार कर दिया है। बता दें कि बंजारा समाज की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के मामले में मोहन चव्हाण ने कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

कोर्ट ने दी उद्धव ठाकरे को राहत

कोर्ट ने धार्मिक भावनाओं के ठेस पहुंचाने के आरोप के मामले में उद्धव ठाकरे को बड़ी राहत दी थी। हाईकोर्ट की औरंगाबाद बेंच ने हाल ही में माना कि महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाई है। कोर्ट ने इस दौरान याचिकाकर्ता पर जुर्माना भी लगाया था। हाईकोर्ट ने कहा कि वर्ष 2022 में महंत (पुजारी) की ओर से उद्धव ठाकरे को भेंट की गई पवित्र भस्म और प्रसाद को माथे पर न लगाकर उन्होंने धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाई। कोर्ट ने इस दौरान याचिकाकर्ता मोहन चव्हाण पर 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाते हुए कहा कि वह उक्त राशि डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से उद्धव ठाकरे को अदा करें।

मोहन चव्हाण से नहीं मिले उद्धव ठाकरे

मोहन चव्हाण ऐसे में बंजारा समाज के कुछ लोगों के साथ मुंबई आए थे। साथ ही दो लाख का डिमांड ड्राफ्ट भी लेकर आए थे। मोहन चव्हाण ने बताया कि कोर्ट के आदेश का हम पालन करते हैं, इसलिए यहां आए हैं। समाज के लोगों ने अपनी जेब से पैसे इकट्ठा करके दो लाख का डिमांड ड्राफ्ट तैयार किया है। 16 सितंबर को मोहन ने शिवसेना भवन कार्यालय में खत लिखकर उद्धव ठाकरे से मिलने का वक्त मांगा। मोहन ने बताया कि 19 सितंबर को डिमांड ड्राफ्ट देने का वक्त कोर्ट ने दिया था। हम तब तक उनसे मिलने के वक्त का इंतजार करेंगे। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे जानबूझकर हमसे नहीं मिल रहे हैं। शायद उन्हें लग रहा होगा कि उन्होंने बंजारा समाज का अपमान किया है। उद्धव ठाकरे ने हमारा अपमान किया है वो हमारे मन में कायम रहेगा। हम यहां आकर कोई स्टंट नहीं कर रहे हैं। विधानसभा चुनाव में हमारा समाज तय करेगा कि हमे क्या करना है।

जल्द ही डिप्टी सीएम बनेंगे उदयनिधि स्टालिन? खुद सामने आकर दिया जवाब

चेन्नई, 18 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार में बड़ा बदलाव होने की चर्चाएं हैं. खबर आई कि डीएमके के 75 वर्ष पूरे होने पर पार्टी ने बड़ा फैसला लिया है और उदयनिधि स्टालिन को 24 घंटे के अंदर डिप्टी सीएम बनाया जा सकता है. हालांकि, उदयनिधि स्टालिन खुद सामने आए और इन खबरों को खारिज कर दिया. उन्होंने इसे अफवाह बताया है. दरअसल, इसी महीने अमेरिकी यात्रा पर रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बड़ा संकेत दिया था. सीएम स्टालिन ने कहा था कि बदलाव ही सतत प्रक्रिया है. लोग जो उम्मीद कर रहे हैं, वो जल्द ही होगा. उनके इस बयान को उदयनिधि के भविष्य से जोड़कर देखा गया. इस बीच, सूत्रों के हवाले से खबर आई कि उदयनिधि 24 घंटे के अंदर सरकार में नंबर दो की पॉजिशन हासिल कर सकते हैं. उदयनिधि स्टालिन, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे हैं और वर्तमान में तमिलनाडु सरकार में खेल और युवा कल्याण मंत्री हैं.

उदयनिधि अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं. उदयनिधि ने बुधवार को तमिलनाडु का उपमुख्यमंत्री नियुक्त किए जाने की खबरों को खारिज कर दिया और इन्हें 'अफवाह' बताया. मीडिया से बातचीत में उदयनिधि ने कहा, आपको सीएम (मुख्यमंत्री) से पूछना होगा. इस बारे में निर्णय लेना पूरी तरह से सीएम (मुख्यमंत्री) का अधिकार है. इस साल अगस्त में तमिलनाडु सरकार में पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री राजकन्नप्पन ने भी उदयनिधि स्टालिन को राज्य का उपमुख्यमंत्री बताया था. हालांकि, राजकन्नप्पन ने तुरंत ही अपनी गलती सुधारते हुए कहा, वो 19 अगस्त के बाद ही उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री कह सकते हैं.

गणेश विसर्जन के दौरान चाकूबाजी, हमले में तीन लोग घायल

बेलगावी, 18 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेलगावी में गणेश विसर्जन के दौरान चाकूबाजी की घटना देखने को मिली है। इस हमले में तीन लोग घायल हो गए हैं। दरअसल जो युवक घायल हुए हैं वो गणेश विसर्जन जुलूस में शामिल हुए थे। इस घटना में घायल लोगों की पहचान दर्शन पाटिल, सतीश पुजारी और प्रवीण गुंडियागोला के रूप में हुई है। बेलगावी पुलिस कमिश्नर ई मार्टिन ने इसे लेकर कहा कि चाकूबाजी की घटना सिविल अस्पताल के पास हुई है। दरअसल विसर्जन जुलूस के दौरान डांस कर रहे दो युवकों ने एक दूसरे को टच कर दिया। इसके बाद दोनों के बीच विवाद हो गया और झगड़ा होने लगा। वहां मौजूद पुलिस ने दोनों को समझाकर वहां से अलग कर दिया।

गणेश विसर्जन के दौरान चाकूबाजी

जुलूस खत्म हो जाने के बाद एक युवक अपने दोस्तों को लेकर वहां आ गया और तीनों के साथ मारपीट कर उनपर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। इस घटना को लेकर पुलिस कमिश्नर ई मार्टिन ने कहा कि यह वारदात जुलूस के दौरान नहीं हुई। यह सिविल अस्पताल के पास हुई थी। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि जुलूस के दौरान कुछ हाथापाई हुई थी। वहां मौजूद पुलिस टीम ने हस्तक्षेप किया और दोनों समूहों को समझा-बुझाकर अलग कर दिया। जुलूस खत्म होने के बाद यह घटना हुई। हमें पता चला कि पीड़ित और आरोपी के बीच पहले से ही कुछ दुश्मनी थी, जिसके कारण यह घटना हुई थी। उन्होंने कहा, वे सभी दोस्त थे। इसलिए वे हमला करने के लिए समूह में आए थे। ये पता चला है कि जुलूस में दोनों डांस कर रहे थे और एक दूसरे से टकरा गए, जिसके बाद झगड़ा शुरू हो गया। तीनों को मामूली चोटें आई हैं। वे स्थिर हैं और उनका इलाज चल रहा है। हमें इस बात की जांच करनी है, क्या आरोपी शराब के नशे में थे। मामले की जांच चल रही है। बता दें कि इसी तरह का मामला पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी में देखने को मिली थी। यहां मगलवार की रात गणेश पूजा से लौट रहे युवकों का त्रिलोकपुरी में दूसरे युवकों के साथ झगड़ा हो गया। हालांकि पुलिस ने कहा कि इसमें कोई कम्युनल एंगल नहीं है। यह पुरानी रंजिश का मामला है।

एक लड़की ने तोड़ा 60 लड़कों का दिल

बात करके छोड़ देती है दिलजले आशिक की कहानी से पुलिस भी हैरान

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पुलिस कंट्रोल रूम में एक अजीब तरह की शिकायत आई है. इस शिकायत को सुनकर आप हैरान हो सकते हैं, लेकिन आप को हंसी भी आ जाएगी. इस बात की पूरी गारंटी है. खुद इस शिकायत को सुनकर और पूरे मामले को जानकर पुलिसकर्मी भी हंस रहे हैं. मामला भलस्वा डेयरी थाना क्षेत्र का है. पुलिस के मुताबिक कंट्रोल रूम में सोमवार की शाम पांच बजे एक युवक ने फोन किया. बताया कि वह राजीव नगर क्षेत्र के शनिबाजार में रहता है. कहा कि वह एक लड़की को प्यार करता है, लेकिन लड़की अब उसे भाव नहीं दे रही. कहा कि यह लड़की उससे पहले 60 अन्य लोगों से प्यार कर चुकी है।

कौन थी सीए अन्ना सेबेस्टियन? जिसकी काम के दबाव में हुई मौत, मां ने लगाया है कंपनी पर आरोप

कोच्चि, 18 सितंबर (एजेंसियां)। चार्टर्ड अकाउंटेंट अन्ना सेबेस्टियन पेरायिल की मौत बहुराष्ट्रीय कंपनी अर्न्स्ट एंड यंग में नौकरी करने के चार महीने बाद ही हो गई. अब सेबेस्टियन की मां अनीता ऑगस्टीन ने कंपनी पर आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की मौत काम के दबाव के कारण हुई है. उन्होंने कंपनी के भारत प्रमुख राजीव मेमानी को इस संबंध में पत्र लिखकर अपनी बेटी की मौत के लिए जिम्मेदार कारणों को व्यक्त किया है. आइए जानते हैं कि सीए सेबेस्टियन पेरायिल कौन थी, कहां की रहने वाली थी और कहां से पढ़ाई लिखाई की थी. कंपनी के इंडिया हेड राजीव को लिखे पत्र में मृतका की मां ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को काम के बोझ से दबाकर रखा जाता था और उसे ज्यादा काम करने के लिए प्रेरित किया जाता था. पत्र में आगे अनीता ने लिखा की वह अक्सर रात में कई घंटों तक काम करती थी, जिस कारण वह सो नहीं पाई थी और इस कारण उसे कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो गई थी. कंपनी को लिखे पत्र में अनीता ने लिखा की 6 जुलाई पुणे में सीए कन्वोकेशन में शामिल होने के वह अपने पति के साथ पहुंची थी. वहां सेबेस्टियन के सीने मे दर्द हुआ था और उसे डॉक्टर के पास लेकर गए, जहां डॉक्टर ने बताया कि कम सोने और कम खाने कारण उसे यह समस्या हुई है. अन्ना केरल के कोच्चि की रहने वाली थी. उन्होंने नवंबर 2023 में सीए की परीक्षा पास की थी. मार्च 2024 में उन्होंने ईएनवाई कंपनी में काम करना शुरू किया था. कंपनी को लिखे पत्र में मृतका की मां ने कहा कि उसके अंतिम संस्कार में कंपनी का एक भी कर्मचारी या अधिकारी शामिल नहीं हुआ. अन्ना सेबेस्टियन पेरायिल की लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार उन्होंने सेक्रेड हार्ट कॉलेज थेवरा से फाइनेंस एंड टैक्सेशन में बैचलर ऑफ कॉमर्स की पढ़ाई की थी. उन्होंने बीकॉम की पढ़ाई पूरी करने के बाद सीए की तैयारी शुरू की थी और नवंबर 2023 में एना ने सीए की परीक्षा पास की थी.

महाराष्ट्र में बनेगी महायुति की सरकार, मुख्यमंत्री बनेंगे देवेंद्र फडणवीस, मंत्री गिरीश महाजन ने दिया बयान

मुंबई, 18 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा अबतक नहीं हुई है। लेकिन चुनाव की तैयारियों में सभी राजनीतिक दल जुट चुके हैं। अलग-अलग दल के नेताओं द्वारा भरपूर बयानबाजी की जा रही हैं। कहीं कोई अपने नेता को सीएम बनाने की बात कर रहा है तो कहीं कोई किसी को धमकी देता दिख रहा है। इस बीच महाराष्ट्र सरकार के मंत्री गिरीश महाजन ने बयान देते हुए कहा है कि भाजपा की सीएम होगा तो देवेंद्र फडणवीस ही होंगे। हमारे मन में भाजपा का मुख्यमंत्री अगर कोई होगा तो वह देवेंद्र फडणवीस ही हैं। बता दें कि पहली बार भाजपा के किसी बड़े कोर ग्रुप के सदस्य का बयान अब सामने आया है। कैबिनेट मंत्री और महायुति में समन्वय समिति के भाजपा के कमेटी के प्रमुख गिरीश महाजन ने सोलापुर में आयोजित एक कार्यक्रम में यह बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 15-20 दिनों में आचार संहिता लागू होगी और महायुति की ही जीत होगी और मुख्यमंत्री महायुति का बनेगा। बता दें कि इस बीच एकनाथ शिंदे की शिवसेना के एक विधायक ने भडकाऊ बयान भी दिया है। विधायक संजय गायकवाड़ ने कहा कि उनके कार्यक्रम में आने वाले किसी भी कांग्रेस कुत्ते को वह वहीं पर दफना देंगे। बता दें कि संजय गायकवाड़ महाराष्ट्र की बुलढाणा सीट से विधायक हैं और उन्होंने हाल ही में राहुल गांधी के खिलाफ भी विवादिय बयान दिया था। पत्रकारों से बात करते हुए गायकवाड़ ने कहा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उनके जिले में महिलाओं के लिए सरकार की मुख्यमंत्री लाड़की बहिन योजना के बारे में एक कार्यक्रम में भाग लेंगे।

केजरीवाल घर और गाड़ी समेत सारी सरकारी सुविधाएं छोड़ेंगे, सुरक्षा को भी खतरा : संजय सिंह

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल घर और गाड़ी समेत सारी सरकारी सुविधाएं छोड़ेंगे। आप सांसद संजय सिंह ने ये जानकारी दी है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि केजरीवाल एक हफ्ते में घर खाली करेंगे। इस दौरान संजय ने ये भी कहा कि केजरीवाल की सुरक्षा को खतरा है। केजरीवाल पर कई हमले हो चुके हैं, ऐसे में दिल्ली की जनता को केजरीवाल की सुरक्षा की चिंता है। संजय सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने कल अपने पद से इस्तीफा दिया, इससे दिल्ली की जनता नाराज है।

गुस्से में हैं कि एक ईमानदार सीएम ने इस्तीफा दिया। 2 साल से लगातार बीजेपी उन्हें बदनाम करने में लगी है। उनकी ईमानदारी पर सवाल उठाया। कोई और नेता होता तो अपने पद से चिपका रहता। लेकिन अरविंद केजरीवाल ने तय किया कि वो जनता की अदालत में जाएंगे। उनसे ईमानदारी का प्रमाणपत्र लेकर आएंगे।

आम आदमी की तरह रहेंगे केजरीवाल: संजय सिंह

संजय ने कहा कि सीएम के तौर पर बहुत सी सुविधाएं मिलती हैं। अरविंद केजरीवाल को भी वो सुविधाएं मिलीं। लेकिन इस्तीफा देने के बाद कहा कि सब कुछ छोड़ देंगे। 1 सप्ताह के अंदर सीएम आवास छोड़ देंगे। उनकी सुरक्षा को लेकर भी सवाल है, हमने समझाने की कोशिश की कि ये घर एक सीएम के तौर पर ही नहीं बल्कि आपकी सुरक्षा को लेकर भी जरूरी है। लेकिन वो नहीं माने। तो अब वह आम आदमी की तरह रहेंगे।

दिल्ली में पूर्व सीएम को ना घर मिलता है और ना ही गाड़ी

बता दें कि इस्तीफा देने के बाद सीएम को मिलने वाली कोई सुविधा नहीं ली जा सकती है। दिल्ली में पूर्व सीएम को ना घर मिलता है और ना ही गाड़ी। सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद केजरीवाल सिर्फ एक विधायक रह जाएंगे और दिल्ली में विधायकों को भी ना तो घर मिलता है और ना ही गाड़ी। सिर्फ सैलरी मिलती है।

बिजली ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, पांच नेपाली गिरफ्तार

शिमला, 18 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में बिजली ट्रांसफार्मर चोरी के मामलों में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने चोरी मामले का पर्दाफाश करते पांच नेपालियों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह में जय बहादुर थापा, इंद्र सिंह, वीर बहादुर, सागर शाही और भगत बहादुर रावत शामिल हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने बागी, कोटखाई, टिक्कर, रोहड़, रावलाक्यार, कुमारसैन, मतियाना, गड़ाकुफर, नाहोल और जुब्बल में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया।

प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी जुलाई 2024 से सक्रिय थे। सभी आरोपी स्थानीय बागवानों के पास काम करते थे। चोरी किए गए सामान की कीमत 30 लाख रुपये से अधिक बताया जा रही है। पुलिस ने बुधवार को अदालत से आरोपियों को रिमांड पर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसका श्रेय ठियोग के एसएचओ इंस्पेक्टर जसवंत सिंह के नेतृत्व वाली टीम की मेहनत को जाता है। टीम में कोटखाई के एसएचओ एसआई अंकुश ठाकुर, कांस्टेबल बॉबी, अरुण, मनीष और हेमंत शामिल थे। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई बिजली वितरण प्रणाली पर इस तरह के अपराधों के प्रभाव को देखते हुए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 19 सितंबर- 2024

पेजर बना बम

लेबनान में हिजबुल्लाह के सदस्यों की तब शामत आ गई जब मंगलवार को उनके पेजर में विस्फोट हो गया। सब कुछ इतना अचानक हुआ कि किसी की जेब में तो किसी के हाथ में ही पेजर विस्फोट हो गया। इस पेजर ब्लास्ट में 18 लोगों के मारे गए तो तीन हजार लोगों के घायल होने की खबर है। हिजबुल्लाह ने इस विस्फोट के पीछे इजरायल को जिम्मेदार ठहराया है। खबरों के अनुसार ये पेजर मूल रूप से हिजबुल्लाह के कम्युनिकेशन के लिए थे,लेकिन इजरायली एजेंसी ने इनको विस्फोटक में बदल दिया। हिजबुल्लाह के एक अधिकारी ने इस घटना के पीछे इजराइल को जिम्मेदार ठहराया है। बताया जा रहा है कि हिजबुल्लाह के सदस्यों के पास जो नए पेजर थे, उनमें लिथियम बैटरी थी जो फट गई। जानकारों को अनुसार लिथियम बैटरी जब अधिक गर्म होती है तो धुआं छोड़ती है, पिघलती है और यहां तक कि उसमें आग भी लग जाती है। हिजबुल्लाह के सदस्य पेजर का इस्तेमाल खास नजर से बचने के लिए कर रहे थे। भारत में 90 के दशक में पेजर का इस्तेमाल होता था लेकिन कुछ ही समय बाद यह पूरी तरह चलन से बाहर हो गया। अब सवाल यह भी है कि क्या इसे हमलों से बचने के भी कोई उपाय हैं? इन पेजर को लगभग छह महीने पहले ताइवान से लेबनान भेजा गया था। ऐसे में इस बात की पूरी गुंजाइश है कि इसकी तैयारी कई महीने पहले ही कर ली गई थी।

जिन पेजर में विस्फोट हुआ उनमें 3 ग्राम के करीब विस्फोटक लगा हुआ था। पेजर में लगी बैटरी के बगल में विस्फोटक लगाया गया था। दोपहर के वक्त इन पेजर्स पर एक संदेश आया और इस मैसेज ने पेजर में लगे विस्फोटक को एक्टिवेट कर दिया। हिजबुल्लाह के सदस्यों को आपसी बातचीत के लिए मोबाइल फोन की जगह पेजर का इस्तेमाल करने को कहा गया था। सुरक्षा की दृष्टि से मोबाइल से दूर रहने को कहा गया था। आशंका जाहिर की गई थी कि ऐसा करते हैं तो इजरायल उन्हें आसानी से निशाना बना सकता है। देखा जाए तो पेजर एसएमएस भेजने का एक उपकरण है। पेजर पर कोई मैसेज आता है तो लाइट ब्लिंक होती है जिसके बाद यूजर को नए मैसेज के बारे में पता चलता है। पेजर के अंदर एक छोटा विस्फोटक लगाकर इसको दूर से ही एक्टिवेट किया गया।

यह एक्टिवेशन किसी रेडियो सिग्नल के जरिए भी किया जा सकता है। एक बार जब विस्फोटक को एक्टिवेट किया जाता है तो यह एक शक्तिशाली विस्फोट पैदा करता है जो पेजर और आसपास की चीजों को नष्ट कर देता है। पेजर बम के इस्तेमाल के पीछे कई कारण हो सकते हैं। सबसे पहले इसका इस्तेमाल टारगेट किलिंग के लिए किया जा सकता है। यह एक बेहद खतरनाक तरीका है क्योंकि जिसे टारगेट किया गया उसे पता भी नहीं चल पाता कि उसे मारा कैसे गया। दूसरे, इसका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर विध्वंस के लिए भी किया जा सकता है। कई पेजर बमों को एक साथ रखकर किसी बिल्डिंग को भी उड़ाया जा सकता है। पेजर विस्फोट या इस प्रकार के ब्लास्ट से जुड़े कई खतरे हैं। सबसे बड़ा खतरा यह है कि इसका पता लगाना काफी मुश्किल होता है। यह एक छोटे से डिवाइस के अंदर छिपा होता है, इसलिए इसे पहचान पाना लगभग नामुमकिन है। दूसरा खतरा यह है कि इसे अनजाने में एक्टिवेट किया जा सकता है। अगर किसी को यह पता न चले कि पेजर में विस्फोटक लगा है, तो वह इसे अनजाने में एक्टिवेट कर सकता है, जिससे एक विस्फोट हो सकता है।

मोदी मजबूत वैश्विक नेता के तौर पर उभरे हैं

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10 साल पहले देश की सत्ता की कमान संभाली। इन बीते 10 सालों में वह न केवल मजबूत वैश्विक नेता के तौर पर उभरे हैं बल्कि मौजूद समय में वह सबसे बड़े संघर्ष के समाप्ति की उम्मीद भी बन गए हैं। ढाई साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध के खात्मे को लेकर पश्चिमी देश भी अब भारत और प्रधानमंत्री मोदी की ओर उम्मीद लगाकर देख रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है युद्ध में शामिल दोनों पक्षों का भारत पर भरोसा। प्रधानमंत्री एकमात्र ऐसे नेता हैं जिन्होंने युद्ध के दौरान रूस और यूक्रेन दोनों ही देशों का दौरा किया। आज रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन प्रधानमंत्री मोदी को अपना अच्छा दोस्त मानते हैं और यही वजह है कि उन्होंने यूक्रेन के साथ चल रहे संघर्ष को लेकर साफ कर दिया है कि उन्हें शांति समझौते को लेकर भारत की मध्यस्थता मंजूर है। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के बाद कहा था कि अगली शांति वार्ता भारत में आयोजित होनी चाहिए।

बताया जाता है कि यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को भरोसा है कि अगर भारत शांति शिखर सम्मेलन का आयोजन करता है तो यह युद्ध रुक सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने जेलेंस्की से बातचीत में एक बड़ा बयान दिया था. प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत तटस्थ नहीं है बल्कि वह शांति के पक्ष में खड़ा है। यह संदेश न केवल रूस-यूक्रेन के लिए था बल्कि यह पूरी दुनिया को यह बताने के लिए है कि नए वर्ल्ड ऑर्डर में भारत की भूमिका क्या होगी?रूस-यूक्रेन के अलावा अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों को भी रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत से बड़ी उम्मीदें हैं। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी जब यूक्रेन-पोलैंड यात्रा से लौटे तो 26 अगस्त को राष्ट्रपति जो बाइडेन ने फोन पर उनसे बात की। इससे पहले भी प्रधानमंत्री मोदी और जो बाइडेन के बीच रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर चर्चा हो चुकी है।

अमेरिका को अच्छी तरह मालूम है कि भारत और रूस के बीच संबंध कितने मजबूत हैं, पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद भारत ने इस संघर्ष की शुरुआत से लेकर अब तक मजबूती से रूस का साथ निभाया है, हालांकि प्रधानमंत्री मोदी लगातार शांति की अपील भी करते रहे हैं। यहां तक कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन के सामने साफ-साफ कहा कि यह समय युद्ध का नहीं है।

पिछले हफ्ते रूस दौरे पर गए भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के दौरे को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि भारत युद्ध रुकवाने के प्लान पर अब तेज़ी से जुट गया है। माना जा रहा था कि डोभाल, राष्ट्रपति पुतिन के साथ प्रधानमंत्री मोदी का 'पीस प्लान' साझा कर सकते हैं। वहीं अगर पुतिन की ओर से सहमति बन जाती है तो फिर आने वाले दिनों में इसे लेकर कोई बड़ी कवायद शुरू होती नजर आ सकती है। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी अक्टूबर में होने वाली ब्रिक्स समिट के लिए मॉस्को जा सकते हैं। NSA अजित डोभाल से मुलाकात के दौरान पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता का प्रस्ताव भी रखा है, लिहाजा सब कुछ ठीक रहा तो प्रधानमंत्री मोदी वाकई इस जंग को रुकवाने में बड़ी और सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के अलावा भारत मिडिल ईस्ट में शांति के प्रयासों में भी अहम भूमिका निभा सकता है। मिडिल ईस्ट के कई इस्लामिक मुल्कों के साथ भारत के अच्छे संबंध हैं। UAE, कतर, सऊदी अरब और ईरान जैसे इस्लामिक मुल्क हों या इजराइल, सभी के साथ भारत के रिश्ते समय के साथ बेहतर और मजबूत होते जा रहे हैं।पिछले साल नवंबर में दिल्ली पहुंचे अरब देशों के राजदूतों ने मिडिल ईस्ट में शांति बहाली के लिए भारत की भूमिका को महत्वपूर्ण माना था तो वहीं सोमवार को इजराइल के नए राजदूत रिवेन अज़ार ने बड़ा बयान दिया है, निजी अखबार से बात करते हुए उन्होंने कहा है कि यह भारत पर निर्भर करता है कि वह गाजा युद्ध के समाधान के लिए किस हद तक शामिल होना चाहता है।

दरअसल 7 अक्टूबर को जब हमास ने इजराइल पर हमला किया तो भारत उन देशों में शामिल था जिसने सबसे पहले इस आतंकी हमले की निंदा की थी। हमले के ठीक 3 दिन बाद 10 अक्टूबर को इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया था। इससे अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि इजराइल के लिए भारत कितना अहम है। वहीं पिछले महीने नेतन्याहू के साथ फोन पर हुई बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने संघर्ष को खत्म करने लिए बातचीत और कूटनीतिक रास्ता अपनाने की अपील की।फिलिस्तीन के नजरिए से देखा जाए तो भारत ने फिलिस्तीन-इजराइल विवाद में हमेशा से 'टू स्टेट' समाधान का समर्थन किया है। भारत आजाद फिलिस्तीन का समर्थक रहा है और वर्षों से इसके फिलिस्तीन के साथ राजनयिक संबंध हैं। करीब एक हफ्ते पहले भारत में फिलिस्तीन के राजदूत अबू अल-हैजा ने भी शांति के लिए भारत पर भरोसा जताया, उन्होंने कहा कि फिलिस्तीन भी मध्यस्थता के लिए भारत जैसे दोस्त की तलाश में है।

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में भारत की विदेश नीति में काफी बदलाव आया है। प्रधानमंत्री ने इन 10 सालों में कई ऐसे देशों की यात्रा की जहां कभी कोई भारतीय प्रधानमंत्री नहीं गया था, इससे एक ओर भारत के उन देशों के साथ रिश्ते मजबूत हुए तो वहीं दूसरी ओर विश्व पटल पर भारत की छवि विश्वबंधु वाली बनकर उभरी है।पिछले साल अगस्त में प्यू रिसर्च सेंटर ने भारत को लेकर 23 देशों में सर्वे किया। भारत को लेकर इन देशों का रुख सकारात्मक रहा है। अमेरिका, ब्रिटेन, इटली, जापान, साउथ कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और इजराइल समेत 9 देशों में 50 फीसदी से ज्यादा लोग भारत को लेकर अनुकूल दृष्टिकोण रखते हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीब 11 साल के कार्यकाल के दौरान भारत ने अपनी विदेश नीति को काफी हद तक नया रूप दिया है। उनके कार्यकाल की पहचान अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रति दृढ़ और रणनीतिक दृष्टिकोण से रही है। भारत की सुरक्षा को सर्वोपरि रखना, भारत के वैश्विक कद को बढ़ाना और आर्थिक और सुरक्षा साझेदारी को बढ़ावा देना उनकी विदेश नीति के कुछ हिट्स में से एक हैं।

पिछले एक दशक में चाहे परिस्थितियां कैसी भी रहीं हों लेकिन भारत सरकार ने कई देशों से अपने नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने में सफलता हासिल की। सीरिया और यमन में युद्ध जैसे हालातों के बीच से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित लाया गया है, वहीं रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान ऑपरेशन गंगा के जरिए भारतीय छात्रों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। प्रधानमंत्री मोदी का संदेश साफ है कि किसी भी नागरिक को हम पीछे नहीं छोड़ सकते।कोरोना महामारी के दौरान विकसित देशों ने छोटे और गरीब देशों को उनके हाल पर छोड़ दिया था लेकिन भारत ने मदद का हाथ बढ़ाते हुए करीब 100 देशों को वैक्सीन मैत्री पहल के जरिए 200 मिलियन (20 करोड़) वैक्सीन की डोज़ इन देशों को भेजा।

इस पहल में साउथ एशिया के देश, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और कैरिबियाई देश शामिल रहे। भारत की इस पहल से न केवल इन देशों में वैक्सीन की कमी को पूरा हुई बल्कि इन तमाम देशों के साथ भारत के डिप्लोमेटिक संबंध मजबूत हुए। साथ ही साथ इससे विश्व पटल पर भारत की ग्लोबल लीडर की छवि मजबूत हुई जो सिर्फ बड़े और विकसित देशों की नहीं बल्कि छोटे और गरीब देशों की भी चिंता और मदद करता है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की इकोनॉमिक डिप्लोमेसी और ग्लोबल लीडरशिप का सबसे बड़ा उदाहरण देखने को मिला रूस-यूक्रेन युद्ध में, जब भारत ने अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद रूस से रियायती दरों पर क्रूड ऑयल खरीदना जारी रखा। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान मोदी सरकार ने देश के आर्थिक हितों को प्राथमिकता देते हुए जटिल जिओ-पॉलिटिकल परिदृश्यों को कुशलता से संभाला। भारत के इस कदम से न केवल घरेलू ऊर्जा डिमांड पूरी हुई बल्कि बदलते वैश्विक वातावरण में कूटनीतिक संवेदनशीलता और भारत की आर्थिक प्राथमिकता के बीच संतुलन बनाने की क्षमता को भी दिखाया है।

आतिशी का चुनाव सुनीता से बेहतर

ओंकारेश्वर पांडेय

अपनी पत्नी और आम आदमी पार्टी की एक कद्दावर नेता बन चुकी नेता सुनीता केजरीवाल को दरकिनार कर आतिशी मार्लेना का चुनाव करके पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल ने एक तीर से कई निशाने साधे हैं। अगर वे सुनीता केजरीवाल को चुनते तो उनके ऊपर भी लालू यादव की तरह बिना अनुभव के सिर्फ परिवारवाद को बढ़ावा देने और पार्टी में लोकतंत्र खत्म कर देने जैसे आरोप लगाये जाते। सुनीता केजरीवाल ने पति और पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल के जेल के दिनों के मुश्किल राजनीतिक दौर में उनका और पार्टी का पूरा साथ समर्थन तो दिया लेकिन आतिशी का चुनाव शुद्ध रूप से उनके प्रशासनिक अनुभव, साफ छवि, और सुधारवादी दृष्टिकोण के साथ साथ केजरीवाल के प्रति उनकी पूर्ण वफादारी के कारण सर्वाधिक उपयुक्त माना जा रहा है। हालांकि आतिशी के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी सत्ता का सुखदायी सिंहासन नहीं बल्कि चुनौतियों और कांटों से भरा ताज मिला है।

आम आदमी पार्टी के अन्य कई वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री पद के लिए योग्य हो सकते थे लेकिन उनके खिलाफ लगे विभिन्न आरोप और कुछ अन्य कारणों से शायद वे इस पद के लिए चयनित नहीं हुए।

उप मुख्यमंत्री तथा शिक्षा और वित्त मंत्री मनीष सिसोदियाः पार्टी में दूसरे नंबर के बड़े नेता मनीष भी दिल्ली शराब नीति घोटाले में आरोपी हैं और गिरफ़्तार भी हो चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैनः दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक की सफलता के लिए जाने जाने वाले श्री जैन पर भी मनी लॉनड्रिंग के आरोप हैं और उन्हें गिरफ्तार भी किया गया है। परिवहन और पर्यावरण मंत्री गोपाल रायः गोपाल राय एक अनुभवी और प्रभावशाली नेता हैं लेकिन जनाधार सीमित है और किसी बड़े प्रशासनिक सुधार या योजना में उतनी प्रमुख भूमिका नहीं रही है। कैलाश गहलोतः गहलोत पर भी कुछ विवादास्पद जमीन सौदों से जुड़े आरोप हैं।सुनीता केजरीवालः अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल का भी नाम संभावित उम्मीदवारों में था लेकिन उनका प्रशासनिक अनुभव सीमित है और राजनीति में उनकी कोई सीधी भूमिका नहीं रही है।

आतिशी की छवि साफ है, प्रशासनिक अनुभव मजबूत है और शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान प्रमाणित है। उनका चयन पार्टी को स्वच्छ और प्रगतिशील नेतृत्व देने के अवसर के साथ विपक्ष के आरोपों का भी माकूल जवाब है। हालांकि दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में आतिशी को सत्ता का सुखदायी सिंहासन नहीं बल्कि चुनौतियों और कांटों से भरा ताज मिला है। मुख्यमंत्री के रूप में आतिशी के सामने अनेक चुनौतियाँ होंगी जो न केवल उनकी प्रशासनिक क्षमता की परीक्षा लेंगी, बल्कि उनकी राजनीतिक सूझ-बूझ और नेतृत्व क्षमता का भी सख्त इम्तिहान होंगी।

सबसे बड़ी चुनौती सुशासन की होगी, जो दिल्ली के आम आदमी की जमीनी समस्याओं से जुड़ी है— चाहे वह पानी की किल्लत हो, प्रदूषण का मुद्दा हो, या स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार के निरंतर प्रयास। इसके अलावा, लेफ्टिनेंट गवर्नर के साथ तालमेल बैठाना, जो अक्सर दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के बीच टकराव का कारण बनता है, भी आतिशी के लिए एक प्रमुख चुनौती होगी।

अरविंद केजरीवाल ने एक बार कहा था, आतिशी भारतीय राजनीति में सबसे उज्ज्वल दिमागों में से एक हैं। उनका शिक्षा व्यवस्था में सुधारों का कार्य अतुलनीय है और उनमें दिल्ली को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की क्षमता है। केजरीवाल का उनके प्रति यह भरोसा स्पष्ट है लेकिन एक सुधारक से लेकर एक राजनीतिक नेता बनने तक की यात्रा, जो दिल्ली जैसे जटिल शहर की पूरी शासन संरचना को संभालेगी, एक कठिन कार्य होगा।

सुशासन, शिक्षा सुधार, और महिला सशक्तिकरण की प्रमुख कर्ताधर्ता रहीं आतिशी मार्लेना दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में कम उम्र में राजनीति की उस ऊंचाई पर जा खड़ी हुई हैं, जहां पहुंचने के लिए अनेक नेता अपना पूरा राजनीतिक जीवन लगा देते हैं। राजनीतिक लचीलेपन, बौद्धिक दृष्टिकोण और सुधारवादी नीतियों से भरी उनकी यात्रा और पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल का उनके प्रति विश्वास ने उन्हें दिल्ली की नेतृत्व भूमिका में ला दिया है, जो एक लाइफ टाइम एचीवमेंट और स्वर्णिम अवसर है।

मुख्यमंत्री पद की चुनौती उनके नेतृत्व, प्रशासनिक क्षमताओं और राजनीतिक कौशल की नई परीक्षा तो होंगी ही पार्टी के अंदरूनी समीकरणों को संभालना, विपक्ष के हमलों का प्रभावी जवाब देना और पार्टी की छवि को बनाए रखना भी उनके लिए चुनौतीपूर्ण होगा। । बावजूद इसके कि उन्हें केजरीवाल का समर्थन प्राप्त है, यह अवसर उनके लिए महत्वपूर्ण भी है और चुनौती पूर्ण भी। देखना होगा कि वह इन कड़ी चुनौतियों से कैसे निपटती हैं और दिल्ली की जनता का विश्वास कैसे जीतती हैं।

आतिशी की बौद्धिक क्षमता उनके शैक्षणिक उपलब्धियों और प्रगतिशील शिक्षित परिवार की पृष्ठभूमि से आई है। दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफेंस कॉलेज से इतिहास की पढ़ाई को बाद ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से चेवेनिंग स्कॉलर के रूप में मास्टर्स की डिग्री प्राप्त आतिशी के माता-पिता विजय सिंह और त्रिप्ता वाही, दोनों शिक्षक और समाजसेवी रहे हैं। परिवार में बचपन से ही राजनीति, सामाजिक न्याय और शिक्षा पर चर्चा होती थी, जिसने उन्हें समाज सेवा के लिए प्रेरित किया और राजनीति में आने के लिए प्रेरित किया।

जब केजरीवाल, सिसोदिया व संजय सिंह से लेकर पार्टी के कई बड़े नेता जेल में थे, और दिल्ली सरकार में नेतृत्व का अभाव सा था, तो आतिशी ने इन महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को कुशलतापूर्वक संभाल कर अपनी प्रशासनिक क्षमता साबित की, जिससे पार्टी में उनके प्रति विश्वास और मजबूत हुआ। आतिशी की भूमिका बतौर सलाहकार मनीष सिसोदिया के तहत शिक्षा में सुधार करने की रही है। उनकी देखरेख में हैप्पीनेस करिकुलम और एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट करिकुलम जैसे सुधार किए गए, जिन्हें दिल्ली व देश समेत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया हालांकि, अब मुख्यमंत्री आतिशी को दिल्ली के पूरे प्रशासनिक तंत्र को संभालना ज्यादा चुनौती भरा होगा। दिल्ली के कई महत्वपूर्ण विभाग लेफ्टिनेंट गवर्नर और केंद्र सरकार के अधीन होते हैं—और तकरार होती रहती है। उसमें सफलतापूर्वक नेविगेट करना उनके प्रशासनिक कौशल की असली परीक्षा होगी।

भारत के कल्चर का एसेंस है सेलिब्रेशन : एम एफ़ हुसैन

श्रवण गर्ग

हुसैन साहब से जब बात करते हैं तो वे लगने ही नहीं देते हैं कि आप दुनिया के किसी बहुत बड़े पेंटर से मुखातिब हैं ! ऐसा महसूस कराते हैं जैसे किसी पहुँचे हुए मिस्टिक, सूफ़ी-संत की रूहानी तक़रीर में आप खोए हुए हैं ! या फिर यूरोप के किसी बड़े फ़िल्म मेकर से उसकी नई फ़िल्म की स्क्रिप्ट सुन रहे हैं ! या कोई बड़ा लातानी अमेरिकी कवि कंदील की लौ में अपनी नई रचना का धीमे-धीमे स्वरों में पाठ कर रहा है। तभी अचानक से बताने लगते हैं कैसे दोस्तों ने उन्हें मरा हुआ समझ लिया था और वे पुनर्जीवित हो गए ! हुसैन साहब बोलते रहते हैं ,आप चुपचाप रहते हैं। वे सवाल पूछने वाले की तरफ़ देखते ही नहीं ! अपने ही भीतर डूबे स्मृतियों के घने जंगल में नंगे पांव टहलते-टहलते कुछ नया टटोलने गुम हो जाते हैं ! कुछ लम्हों के लिए कमरे में सन्नाटा छा जाता है। तभी सफ़ेद दाढ़ी के बीच समाए कोमल चेहरे पर उनकी ही किसी पेंटिंग की लकीर की तरह उभरने वाली मुस्कुराहट राज़ खोल देती है कि वे अब कुछ नया बताने वाले हैं ! प्रस्तुत है हुसैन साहब के साथ हुई लंबी बातचीत की दूसरी किश्त :

'' क्रिएशन और रिएक्शन का प्रोसेस भीतर ही भीतर लगातार चलता रहता है। सामने रखे जग में चाय, कॉफ़ी या शरबत है तो यह सिर्फ़ इतना ही नहीं है ! इसके अलावा भी बहुत कुछ है। चीजों को रिटेन करने का मैकेनिज्म भगवान ने दिया है। किसी बात को उसी वक्त एक्सप्रेस करना तो जर्नलिज्म होता है। अपनी आब्जर्वेशन को अंदर ही अंदर फ़िल्टर होने दीजिए। अंदर सेल्स डायनामिक हैं। आप इस्तेमाल नहीं करते ! तपस्या एक दिन में पूरी नहीं होती। क्रिएटर के रूप में आपका डेडिकेशन लगातार ज़रूरी है।

यूनिवर्सिटी से निकलकर कोई म्यूजिशियन स्टार नहीं बन जाता। मेरे पास जो लड़के कामयाबी का राज़ पूछने आते हैं मैं उनसे 40 साल बाद आने का कहता हूँ। मैं कहता हूँ आपका मक़सद सिर्फ़ पैसा कमाना ही है तो आप पेंटिंग मत कीजिए, आलू बेचिए ! ये तमाम गड़बड़ वेस्ट-ओरिएंटेड एजुकेशन सिस्टम की वजह से हो रही है ! यह एजुकेशन सिस्टम हमारे लिए नहीं है ।

मैं चालीस साल से तनहा हूँ। चंद ही लोग होते हैं जिनसे आप मन की बात कह सकते हैं। गिनती के लोग होते हैं जो आपको ज़िंदा रखते हैं। मगर पेंट करके आप हज़ारों लोगों के सामने ले जाते हैं। भारत के कल्चर का एसेंस है सेलिब्रेशन ! यहाँ मौत भी सेलिब्रेट की जाती है । पश्चिम के कल्चर का एसेंस है एलिनेशन ! यह वाजिब भी है क्योंकि दो विश्वयुद्ध उन्होंने झेले हैं। एलिनेशन वहाँ के लिये वेलिड है, हमारे लिए नहीं ! मुंबई जैसे शहर में भी आपके पास कोई भी आ जाता है। हमारे यहाँ गाँवों में अस्सी फ़ीसदी कल्चर अभी तक ज़िंदा है। दुनिया के दूसरे हिस्सों में वह ग़ायब हो चुका है। पश्चिम में अगर माँ-बाप के पास बेटा भी आ जाए तो वे फ्रीज़ से फलों के दो टुकड़े निकालकर बेटे के सामने ही खा लेंगे, उससे पूछेंगे तक नहीं ! नाचना-गाना हमारे कल्चर में बसा है।1960 के दशक में पेंटिंग की एक आगार्ड शैली चलन मेंआई थी। इस शैली की मान्यता थी कि पेंटिंग में ह्यूमन फॉर्म बिलकुल भी नहीं आनी चाहिए। मैं अपनी शैली पर टिका रहा। मेरे दोस्तों ने तब कहा था पेंटर के रूप में हुसैन मर चुका है !

मैंने 1967 में एक शॉर्ट फ़िल्म 'Through the Eyes of a Painter' बनाई थी। फ़िल्म जगत के कई बड़े-बड़े लोगों ने मुझे मना किया ।फ़िल्म देखने के बाद सभी ने आलोचना की। बाद में वही फ़िल्म बर्लिन फ़िल्म फेस्टिवल के लिए चुनी गई। 'नेशनल म्यूज़ियम ऑफ़ मॉडर्न आर्ट' ने कहा हम फ़िल्म म्यूज़ियम में 'कम्युनिकेशन ऑफ़ पेंटिंग' के तौर पर रखना चाहेंगे ! लोग कहते हैं आपके पेंटिंग्स ज़्यादा बिकते हैं : You are Playing to the Gallery'. मैं बहुत ही चुनिंदा विचारकों को पढ़ता हूँ। Octavio Paz ने जितना गहरा असर डाला पिछली सदी के किसी दूसरे लेखक ने नहीं डाला। Paz आठ साल भारत में रहे थे। मुझे उनके साथ रहने का मौक़ा भी मिला। मैंने उन्हें खूब पढ़ा। उन्होंने 'The Monkey Grammarian' लिखी थी। इससे प्रभावित होकर मैंने 'दस हनुमान' बनाए। John Kenneth Galbraith भी मेरे पसंदीदा लेखक हैं। स्विट्ज़रलैंड में मैं उस जगह भी गया जहां वो लिखते थे। हालाँकि मैं कोई बड़ा थिंकर नहीं था मगर उनके दरवाज़े मेरे लिये हमेशा खुले रहते थे।''

मैं अपनी जो ऑटोबायोग्राफी लिख रहा था वह माधुरी से मिलने के बाद पाँच-छह साल पीछे चली गई। 'अबाउट टर्न' हो गई ! माधुरी में पॉपुलर फ़िल्म के सुपर स्टार वाली बात थी !

http://shravangarg1717.blogspot.com

चुनावों में डिजिटल अभियान झूठे-सच्चे वादों का ऐलान

प्रियंका सौरभ

गूगल विज्ञापन पारदर्शिता केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान, राजनीतिक दलों एवं उनके सहयोगियों ने 1 जनवरी से 10 अप्रैल के बीच अकेले गूगल विज्ञापनों पर लगभग 117 करोड़ खर्च किए। डिजिटल अभियान खर्च में यह वृद्धि चुनावों में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के बढ़ते प्रभाव को उजागर करती है, जबकि राजनीतिक दलों के बीच कंटेंट विनियमन तथा निष्पक्षता के बारे में चिंता बढ़ाती है। आधुनिक चुनावों में डिजिटल अभियान एक शक्तिशाली उपकरण बन गया है, मतदाताओं तक इसकी व्यापक पहुँच है, डिजिटल प्लेटफॉर्म ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों सहित लाखों मतदाताओं तक पहुँचने की अभूतपूर्व क्षमता प्रदान करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि कोई भी जनसांख्यिकीय अभियान से वंचित न रह जाए। वर्ष 2019 के चुनावों के दौरान व्हाट्सएप के व्यापक उपयोग ने राजनीतिक दलों को पूरे भारत में ग्रामीण मतदाताओं से जुड़ने में मदद की, जिससे चुनाव परिणाम काफी प्रभावित हुए हैं। डिजिटल अभियान पारंपरिक मीडिया की तुलना में कहीं अधिक किफायती हैं, जिससे सीमित बजट वाले छोटे लोगों को भी प्रतिस्पर्धा करने एवं मतदाताओं तक प्रभावी ढंग से पहुँचने की अनुमति मिलती है।

वर्ष 2015 के दिल्ली चुनावों में आप की डिजिटल-संचालित रणनीति जैसे उभरते क्षेत्रीय राजनीतिक दल बड़ी पार्टियों की तुलना में न्यूनतम खर्च के बावजूद सफल साबित हुए हैं। डेटा एनालिटिक्स पार्टियों को विशिष्ट मतदाता वर्गों के लिए अनुरूपित संदेश बनाने में सक्षम बनाता है, जिससे उनके मूल्यों एवं चिंताओं से मेल खाने वाले संदेशों के साथ सही दर्शकों तक पहुँचने की संभावना में सुधार होता है। ब्रेक्सिट सहित वैश्विक चुनावों के दौरान कैम्ब्रिज एनालिटिका की सूक्ष्म-लक्ष्यीकरण रणनीतियों ने दिखाया है कि कैसे लक्षित डिजिटल संदेश मतदाता व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं। सोशल मीडिया मतदाताओं के साथ वास्तविक समय पर बातचीत करने में सक्षम बनाता है, जिससे राजनीतिक नेताओं को चिंताओं को तेजी से संबोधित करने, जनता की राय को आकार देने एवं तत्काल प्रतिक्रिया के आधार पर अभियान रणनीतियों को समायोजित करने की अनुमति मिलती है। प्रधानमंत्री की सक्रिय टिवटर उपस्थिति ने उन्हें अपने पूरे राजनीतिक जीवन में मतदाताओं के साथ सीधा एवं निरंतर संवाद बनाए रखने की अनुमति दी है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म, विशेष रूप से सोशल मीडिया, युवा मतदाताओं के साथ प्रतिध्वनित होते हैं, जो राजनीतिक कंटेंट का ऑनलाइन उपभोग करने की अधिक संभावना रखते हैं, जिससे महत्वपूर्ण मतदाता आधार के साथ प्रभावी जुड़ाव सुनिश्चित होता है। वर्ष 2024 के चुनावों में राजनीतिक दलों की इंस्टाग्राम रणनीति विशेष रूप से युवा मतदाताओं का ध्यान आकर्षित करने के लिए डिजाइन की गई थी। डिजिटल अभियान, जब जिम्मेदारी से उपयोग किए जाते हैं, तो मतदाताओं को सीधे नीतियों के बारे में सूचित करके, उन्हें सूचित विकल्प चुनने में मदद करके एवं समग्र चुनावी भागीदारी को बढ़ाकर अधिक पारदर्शिता प्रदान कर सकते हैं। वर्ष 2020 के अमेरिकी चुनाव के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति के डिजिटल टाउन हॉल ने महामारी प्रतिबंधों के बावजूद मतदाताओं को उनके साथ सीधे बातचीत करने की अनुमति दी। आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म अक्सर बड़े बजट वाले दलों के विज्ञापनों को अधिक दृश्यता देकर उनका पक्ष लेते हैं, अभियान को अमीर राजनीतिक संस्थाओं के पक्ष में झुकाते हैं, जिससे चुनावी निष्पक्षता कम हो जाती है। गूगल के विज्ञापन वैश्विक चुनावों के दौरान उच्च-बजट वाली पार्टियों के पक्ष में पाए गए।

गाँव गाँव की बात

सुरेश मिश्रा

गांव की एक छोटी सी गली में, एक पुरानी हवेली के अहाते में, हम सब शाम के वक्त बैठे हुए थे। हवेली के मालिक ने हमें यहां ठहरने के लिए आमंत्रित किया था। हवेली के अहाते में एक बड़ा कुत्ता जंजीर से बंधा हुआ था। उसके आसपास, दो छोटे, आवारा कुत्ते अक्सर घूमते रहते थे। ये सड़किया कुत्ते थे, जो गांव की गलियों में बेतरतीब तरीके से घूमते रहते थे, कभी-कभी भौंकते और कभी-कभी कुछ तलाश करते रहते थे।

जब हवेली का कुत्ता बाहर आता था, तो ये सड़किया कुत्ते उसके इर्द-गिर्द मंडराने लगते। वे बड़े ध्यान से उसे देखते, फिर इधर-उधर घूमते और वापस आकर उसे ताकते। हवेली का कुत्ता उन्हें देखकर भौंकता, जिससे सड़किया कुत्ते डरकर भाग जाते, लेकिन थोड़ी देर बाद फिर वापस आकर उसे घूरने लगते।

मेज़बान ने कहा, यह हमेशा का सिलसिला है। जब भी हमारा कुत्ता बाहर आता है, ये दोनों सड़किया कुत्ते उसे देखना नहीं छोड़ते। मैंने कहा, लेकिन यह कुत्ता उन्हें भौंक क्यों रहा है? यह तो एक बड़ा और सुविधाभोगी कुत्ता है, जो जंजीर और पट्टे में बंधा रहता है। जबकि वे दोनों कुत्ते भुखमरे और आवारा हैं। इसका उन पर भौंकना कितना अजीब है, जबकि दोनों के बीच कोई समानता नहीं है।

रात को हम सभी बाहर ही सोने का निर्णय लिया। हवेली का कुत्ता भी अपने तखत पर बंधा हुआ सो रहा था। रात के अंधेरे में, जैसे ही सड़किया कुत्ते भौंकते, यह हवेली का कुत्ता भी उनके साथ भौंकने लगता। इसका भौंकना उनकी आवाज में मिल जाता, जैसे वह उन्हें आश्वस्त कर रहा हो कि मैं भी यहां हूँ, तुम्हारे साथ हूँ। मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ। यह कुत्ता जो उच्चवर्गीय दिखता है, अचानक क्यों सड़किया कुत्तों के साथ मिलकर भौंकने लगा? क्या यह भी उनके साथ अपने आपको जोड़ने की कोशिश कर रहा है? मुझे लगता है कि यह कुत्ता केवल अपने उच्चवर्गीय होने का ढोंग करता है, जबकि असल में वह सड़किया कुत्तों के साथ मिलकर भौंकने लगता है।

हमारे गांव में एक साहब के पास भी दो कुत्ते थे। वे बिल्कुल अलग थे। उन कुत्तों का व्यवहार बहुत ही खास था। वे कभी भौंकते नहीं थे, चाहे कितनी भी शोर-शराबा हो। आसपास के कुत्ते भौंकते रहते, लेकिन वे एकदम शांत रहते। लोग बाहर आते-जाते, लेकिन वे कभी झपटते नहीं थे। उनका आत्म-गौरव और शांति दोनों ही अद्वितीय थे। अब जब मैं उस हवेली के कुत्ते को देखता हूं, जो सड़किया कुत्तों के साथ मिलकर भौंकता है, तो मुझे लगता है कि यह कुत्ता खुद को उच्चवर्गीय दिखाने का ढोंग करता है, लेकिन सच में वह सड़किया कुत्तों के साथ मिलकर भौंकने लगता है। यह एक प्रकार का मध्यवर्गीय चरित्र है, जो खुद को उच्चवर्गीय मानता है और संकट के समय सड़किया कुत्तों के साथ मिलकर भौंकता है। तीसरे दिन रात को जब हम लौटे, तो देखा कि हवेली का कुत्ता पूरी तरह थका हुआ और परेशान पड़ा था। हमारी आहट पर भी उसने भौंकने की कोशिश नहीं की। इससे यह स्पष्ट हो गया कि वह अपने उच्चवर्गीय दिखावे के बावजूद, अपने असली स्वभाव को छुपा नहीं सका। उसके साथ, मैं भी यही सोचने लगा कि शायद हमें अपने भीतर की सच्चाई को समझने की जरूरत है और अपने बाहरी दिखावे से ज्यादा अपने असली स्वभाव पर ध्यान देना चाहिए।

पितृ पक्ष में पितरों के लिए नहीं करते हैं श्राद्ध तर्पण तो जीवनभर रहेगी तकलीफ

हर साल भाद्रपद की पूर्णिमा तिथि से लेकर पितृपक्ष अमावस्या तक पितृपक्ष चलता है। इन 15 दिनों मे कई लोग अपने अपने पितृ के नाम से तर्पण, श्राद्ध करते है। इससे उनकी मृत आत्मा को शांति प्राप्त होती। इसके साथ ही पितृ बेहद प्रशन्न होते है। अगर आपके पितृ प्रशन्नन हो गये तो घर मे हमेशा खुशहाली बनी रहेगी। घर मे कभी भी दरिद्रता नहीं आएगी। कई लोग पितृपक्ष मे पितृ तर्पण नहीं करते। वैसे लोगो को कई तरह के कष्ट झेलना पड़ सकता हैं।

17 सितंबर से पितृपक्ष की शुरुआत होने जा रही है। 2 अक्टूबर तक पितृपक्ष चलने वाला है। पितृपक्ष में सभी लोगों को अपने पितरों के नाम से श्राद्ध, पिंडदान इत्यादि अवश्य करना चाहिए। अगर इतना नहीं कर सकते तो कम से कम तर्पण तो अवश्य ही करना चाहिए। इससे पितृ को मोक्ष की प्राप्ति होती है। घर परिवार को आशीर्वाद देकर स्वर्ग

में वास कर जाते हैं। लेकिन, जो लोग पितृपक्ष में अपने पितरों का श्राद्ध, तर्पण नहीं करते है। उन्हें आजीवन बड़े कष्ट का सामना करना पड़ता है।

श्राद्ध, तर्पण ना करने से झेलनी पड़ सकती है ये कष्ट

पितृपक्ष के दिनों में जो लोग अपने पितरों का तर्पण श्राद्ध नहीं करते हैं। उन्हें जीवन में कभी भी सुखों का भोग नहीं कर पाते हैं आजीवन कई प्रकार के कष्ट झेलते हैं।

शादी विवाह मे बाधा उत्पन्न होना

पितृ नाराज होने से शादी विवाह में बाधा उत्पन्न होती है। शादी हो भी जाए तो वैवाहिक जीवन कभी सुखमय नहीं होता है।

वंश वृद्धि मे परेशानिया पितृ नाराज होने से वंश वृद्धि में भी कई तरह के दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। संतान की उन्नति नहीं होती हमेशा दुर्घटनाओं की संभावनाएं ज्यादा रहती है।

रोग संबंधित समस्या

अगर आपसे पितृ नाराज हो जाते हैं तो घर परिवार का कोई ना कोई सदस्य हमेशा किसी न किसी बीमारी से पीड़ित रहने वाला है।

पारिवारिक कलह

पितृ नाराज होने से घर में हमेशा पारिवारिक कलह बनी रहती है एक दूसरे से लोग लड़ते झगड़ते रहते हैं।

आर्थिक संकट

अगर किसी भी कारणवश आपसे पितृ नाराज हो जाते हैं तो घर में दरिद्रता छा जाती है।यानी आर्थिक संकट का समस्या झेलना पड़ जाता है।

पिंडदान करने गया जा रहे तो इन बातों का रखें ख्याल

देश के कोने-कोने से तीर्थ यात्री पिंडदान करने के लिए गया जी आते हैं। पिंडदान करने यहां गरीब से लेकर अमीर तक पहुंचते हैं और अपनी हैसियत के अनुसार पिंडदान करते हैं। गया में आप 500 रुपए में भी पिंडदान कर सकते हैं। अगर आप पिंडदान करने के लिए गया आ रहे हैं और आपको गया में पिंडदान करने में कितना खर्च होता है और पंडा जी कितने पैसे लेते होंगे तो आपको डरने की जरूरत नहीं है। गया में हैसियत के अनुसार आप 500 रुपये या उससे कम में भी आप पिंडदान कर सकते हैं। सुफल प्राप्त करने के लिए पंडा जी को भी आप कम से कम रुपए दे सकते हैं।

यहां हैसियत के अनुसार आप पंडा जी को दे सकते हैं और पिंडदान का कर्मकांड को पूरा कर सकते हैं। गया में ऐसे भी बड़े-बड़े लोग आते हैं जो हजारों रुपए या फिर लाखों रुपए पंडा को दक्षिणा के रूप में देते हैं। हालांकि आपके पास पिंडदान के लिए सामग्री खरीदने के लिए पैसे नहीं है तो आप सीताकुंड में जाकर फल्गु नदी के बालू से भी आप पिंडदान कर सकते हैं जहां आपके पूर्वजों की मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। दरअसल यहां माता सीता ने बालू से राजा दशरथ को पिंडदान किया था, जिसके बाद उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हुई थी और तब से यहां बालू से ही पिंडदान किया जाता है।

गया में एक दिन, तीन दिन, पांच दिन, सात दिन, पंद्रह दिन और सत्रह दिनों का पिंडदान किया जाता है। पितृपक्ष मेले में देश के कोने-कोने से तीर्थ यात्री पिंडदान करने के लिए गया जी पहुंचते हैं। कई लोग 1 दिन में ही पिंडदान को पूरा कर लेते हैं तो कई तीर्थयात्री 3 दिन, 5 दिन, 7 दिन, 15 दिन और 17 दिन तक रहकर पिंडदान का कर्मकांड पूरा करते हैं। गया में वर्तमान में 45 पिंडवेदी है जहां पिंडदान करते हैं। 45 पिंड वेदियों पर अलग-अलग दिन पिंडदान का कर्मकांड पूरा कराते हैं।

पितरों का तर्पण जल और तिल से ही क्यों? कितनी पीढ़ियों तक का होता है श्राद्ध

जल और तिल से ही तर्पण क्यों

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि, श्राद्ध पक्ष में जल और तिल से ही तर्पण का विधान है। इसे तिलांजलि भी कहा जाता है। बता दें कि, जल को शीतलता और त्याग प्रतीक माना जाता है। यानी जो जन्म से लय (मोक्ष) तक साथ दे, वही जल है। वहीं, तिल का संबंध सूर्य और शनि से है, जो पिता-पुत्र का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में हमारे पितरों का संबंध भी शनि से ही होता है। वहीं, तिलों को देवान्न भी कहा गया है, जिससे पितरों को तृप्ति होती है। इसलिए जल और तिल के तर्पण को विशेष माना गया है।

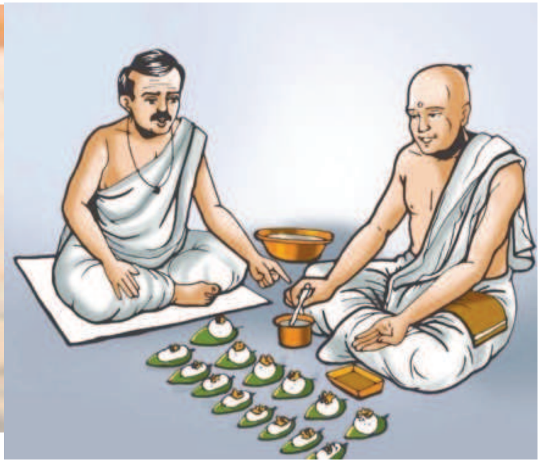

इतनी पीढ़ियों तक का ही श्राद्ध

श्राद्ध तीन पीढ़ियां पितृ, पितामाह और परपितामाह तक का ही होता है। ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि, सूर्य के कन्या राशि में आने पर परलोक से पितृ अपने स्वजनों के पास आते हैं। देवतुल्य स्थिति में तीन पीढ़ी के पूर्वज गिने जाते हैं। पिता को वसु के समान, रुद्र दादा के समान और परदादा आदित्य के समान माने गए हैं। मान्यता तो यह भी कि मनुष्य की स्मरण शक्ति भी तीन पीढ़ियों तक ही रहती है।

कौन-कौन कर सकता है तर्पण

तर्पण, पिंडदान, श्राद्ध और दान करने के लिए कोई विशेष नियम नहीं हैं। इनको पुत्र, पौत्र, भतीजा, भांजा कोई भी श्राद्ध कर सकता है। इसके अलावा, जिनके घर में कोई पुरुष सदस्य नहीं है लेकिन पुत्री के कुल में है तो धेवता और दामाद भी श्राद्ध कर सकते हैं। यदि यह भी संभव न हो तो पुत्री अथवा बहू भी श्राद्ध कर सकती है।

घर पुरुष नहीं तो ये भी कर सकते श्राद्ध

शास्त्रों में श्राद्ध करने का पहला अधिकार बड़े पुत्र को दिया गया है। यदि बेटा शादीशुदा है तो उसे पत्नी संग मिलकर श्राद्ध तर्पण करना चाहिए। वहीं, बड़ा बेटा जीवित न होने पर छोटा पुत्र श्राद्ध का हकदार है। यदि किसी के परिवार में कोई पुरुष नहीं है बेटी ही हो, तो ऐसे में बेटी का बेटा यानी नवासा श्राद्ध कर्म करने का अधिकार रखता है। यदि ये भी संभव न हो तो पुत्री, दामाद या फिर की बहू श्राद्ध कर सकती है।

पितृ शांति के करें उपाय

पितृ पक्ष पितरों की शांति के लिए ही होता है। इस दौरान तर्पण, पिंडदान, श्राद्ध और दान तो किया ही जाता है, लेकिन कुछ अन्य उपाय भी किया जा सकता है। इसके लिए प्रतिदिन एक माला ऊं पितृ देवताभ्यो नमः जाप के साथ करें। इसके अलावा, ऊं नमो भगवते वासुदेवाय, गायत्री मंत्र का भी जाप करना चाहिए। ऐसा करने से पितृों को शांति मिलती है, जिससे वे धरती आकर आपको आशीर्वाद देंगे।

कौआ, गाय और कुत्ता को क्यों देते भोजन

धर्म शास्त्रों में गाय को वैतरिणी पार करने वाली, कौआ भविष्यवक्ता और कुत्ते को अनिष्ट का संकेतक माना गया है।

इसलिए, श्राद्ध में इनको भोजन देने का विधान है। दरअसल, माना जाता है कि, हमें पता नहीं होता कि मृत्यु के बाद हमारे पितर किस योनि में गए, इसलिए प्रतीकात्मक रूप से गाय, कुत्ते और कौआ को भोजन दिया जाता है।

कितने तरह से श्राद्ध करते हैं, क्या इस दौरान बने भोजन में तुलसी का पत्ता डाल सकते हैं ?

भविष्य पुराण के अनुसार श्राद्ध 12 तरह के होते हैं, जो है

1- नित्य
2- नैमित्तिक
3- काम्य
4- वृद्धि
5- सपिण्डन
6- पार्वण
7- गोष्ठी
8- शुद्धर्थ
9- कर्मांग
10- दैविक
11- यात्रार्थ
12- पुष्टयर्थ

श्राद्ध तर्पण और पितरों को भोजन दिया जाता है। श्राद्ध पक्ष में पितरों के तर्पण के लिए कई काम होते हैं। अपने पितरों को प्रसन्न करने के लिए उनके द्वारा अनेक उपाय भी किए जाते हैं, लेकिन हम आपको बताते हैं कि यदि आप अपने पितरों को जल्द प्रसन्न करना चाहते हैं तो तुलसी पत्र का प्रयोग अवश्य करें। तर्पण और श्राद्ध में गंगाजल, दूध, शहद, दौहित्र, कुश और तिल जरूरी हैं। केले के पत्ते पर श्राद्ध का भोजन निषेध है। सोने, चांदी, कांसे, तांबे के पात्र उत्तम हैं।

तुलसी से पितृगण प्रसन्न होते हैं। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि पितृगण गरुड़ पर सवार होकर विष्णु लोक को चले जाते हैं। तुलसी से पिंड की पूजा करने से पितर लोग प्रलयकाल तक संतुष्ट रहते हैं।लेकिन ध्यान रहे कि पिंड पूजा तुलसी पत्र से करने पर पितृ प्रसन्न होते हैं, लेकिन ब्राह्मणों को परोसे हुए भोजन पात्र में तुलसी पत्र निषिद्ध है। अगर

भोजन पात्र में तुलसी पत्र पडा हो तो पितृ निराश होकर बिना भोजन किये चले जाते हैं। वो इसलिए कि पितृ ऐसा मानते हैं कि जिस पर तुलसी पत्र रखा वो भोजन देवताओं के लिए ही है, हमारे लिए नहीं है।

श्राद्ध कितने तरह से करते हैं

श्राद्ध कर्म कैसे करें

तर्पण- इसमें दूध, तिल, कुशा, पुष्प, गंध मिश्रित जल पितरों को तृप्त करने हेतु दिया जाता है। श्राद्ध पक्ष में इसे नित्य करने का विधान है। भोजन व पिण्डदान- पितरों के निमित्त ब्राह्मणों को भोजन दिया जाता है। श्राद्ध करते समय चावल या जौ के पिण्डदान भी किए जाते हैं। वस्त्रदान- वस्त्र दान देना श्राद्ध का मुख्य लक्ष्य भी है।

दक्षिणा दान- यज्ञ की पत्नी दक्षिणा है जब तक भोजन कराकर वस्त्र और दक्षिणा नहीं दी जाती उसका फल नहीं मिलता।श्राद्ध तिथि के पूर्व ही यथाशक्ति विद्वान ब्राह्मणों को भोजन के लिए बुलावा दें। श्राद्ध के दिन भोजन के लिए आए ब्राह्मणों को दक्षिण दिशा में बैठाएं।

पितरों की पसंद का भोजन दूध, दही, घी और शहद के साथ अन्न से बनाए गए पकवान जैसे खीर आदि है। इसलिए ब्राह्मणों को ऐसे भोजन कराने का विशेष ध्यान रखें।

तैयार भोजन में से गाय, कुत्ते, कौए, देवता और चींटी के लिए थोड़ा सा भाग निकालें। इसके बाद हाथ जल, अक्षत यानी चावल, चन्दन, फूल और तिल लेकर ब्राह्मणों से संकल्प लें।

कुत्ते और कौए के निमित्त निकाला भोजन कुत्ते और कौए को ही कराएं , देवता और चींटी का भोजन गाय को खिला सकते हैं। इसके बाद ही ब्राह्मणों को भोजन कराएं। भोजन कराने के बाद ब्राह्मणों के मस्तक पर तिलक लगाकर यथाशक्ति कपड़े, अन्न और दक्षिणा दान कर आशीर्वाद पाएं।

ब्राह्मणों को भोजन के बाद घर के द्वार तक पूरे सम्मान के साथ विदा करके आएं। क्योंकि ऐसा माना जाता है कि ब्राह्मणों के साथ-साथ पितर लोग भी चलते हैं। ब्राह्मणों के भोजन के बाद ही अपने परिजनों, दोस्तों और रिश्तेदारों को भोजन कराएं।

पिता का श्राद्ध पुत्र को ही करना चाहिए। पुत्र के न होने पर पत्नी श्राद्ध कर सकती है। पत्नी न होने पर सगा भाई और उसके भी अभाव में सपिंडो (परिवार के) को श्राद्ध करना चाहिए। एक से अधिक पुत्र होने पर सबसे बड़ा पुत्र श्राध्दकर्म करें या सबसे छोटा ।

घर पर ही कर सकते हैं श्राद्ध और तर्पण

श्राद्ध वाली तिथि पर सूर्योदय से पहले उठकर नहाएं और जब तक श्राद्धकर्म न हो तब तक कुछ न खाएं। सिर्फ पानी पी सकते हैं। दोपहर 12 बजे के आसपास श्राद्ध किया जाता है।

दक्षिण दिशा में मुंह रखकर बांए पैर को मोड़कर, बांए घुटने को जमीन पर टीका कर बैठ जाएं।

इसके बाद तांबे के चौड़े बर्तन में जौ, तिल, चावल गाय का कच्चा दूध, गंगाजल, सफेद फूल और पानी डालें।

हाथ में कुशा घास रखें। फिर उस जल को दोनों हाथों में भरकर सीधे हाथ के अंगूठे से उसी बर्तन में गिराएं। इस तरह 11 बार करते हुए पितरों का ध्यान करें।

महिलाएं शुद्ध होकर पितरों के लिए भोजन बनाएं।

पितरों के लिए अग्नि में खीर अर्पण करें। इसके बाद पंचबलि यानी देवता, गाय, कुत्ते, कौए और चींटी के लिए भोजन सामग्री अलग से निकाल लें।

इसके बाद ब्राह्मण भोजन करवाएं और श्रद्धा के अनुसार दक्षिणा और अन्य सामग्री दान करें।

श्राद्ध यानी पितृ यज्ञ के 16 दिन अथर्ववेद में कहा गया है कि जब सूर्य कन्या राशि में रहता है, तब पितरों को तृप्त करने वाली चीजें देने से स्वर्ग मिलता है। इसके साथ ही याज्ञवल्क्य स्मृति और यम स्मृति में भी बताया गया है कि इन 16 दिनों में पितरों के लिए विशेष पूजा और दान करना चाहिए। इनके अलावा पुराणों की बात करें तो ब्रह्म, विष्णु, नारद, स्कंद और भविष्य पुराण में बताया गया है कि श्राद्धपक्ष के दौरान पितरों की पूजा कैसे की जाए। ग्रंथों में कहा गया है कि पितृपक्ष शुरू होते ही पितृ मृत्युलोक में अपने वंशजों को देखने के लिए आते हैं और तर्पण ग्रहण करके लौट जाते हैं। इसलिए, इन दिनों में पितरों की तृप्ति के लिए तर्पण, पिंडदान, ब्राह्मण भोजन और अन्य तरह के दान किए जाते हैं।

किसको श्राद्ध करने का अधिकार गौतम धर्मसूत्र का कहना है कि पुत्र न हो तो भाई-भतीजे, माता के कुल के लोग यानी मामा या ममेरा भाई या शिष्य श्राद्ध कर्म कर सकते हैं। अगर इनमें से कोई भी न हो तो कुल-पुरोहित या आचार्य श्राद्ध कर्म कर सकते हैं।

पिता के लिए पिण्ड दान और जल-तर्पण पुत्र को करना चाहिए पुत्र न हो तो पत्नी और पत्नी न हो तो सगा भाई भी श्राद्ध कर्म कर सकता है।

विष्णुपुराण में कहा गया है कि मृत व्यक्ति के पुत्र, पौत्र, भाई की संतति पिण्ड दान करने के अधिकारी होते हैं।

मार्कण्डेय पुराण में कहा गया है कि अगर किसी व्यक्ति का पुत्र न हो तो उसकी बेटी का पुत्र भी पिण्ड दान कर सकता है। अगर वो भी न हो तो पत्नी बिना मंत्रों के श्राद्ध-कर्म कर सकती है। पत्नी भी न हो तो कुल के किसी व्यक्ति द्वारा श्राद्ध कर्म किया जा सकता है।

माता-पिता कुंवारी कन्याओं को पिण्ड दान कर सकते हैं। शादीशुदा बेटी के परिवार में कोई श्राद्ध करने वाला न हो तो पिता उसको भी पिण्ड दान कर सकता है।

बेटी का बेटा और नाना एक-दूसरे को पिण्ड दान कर सकते हैं। इसी तरह दामाद और ससुर भी एक दूसरे के लिए कर सकते हैं। बहु भी अपनी सास को पिण्ड दान कर सकती है।

पितर नाराज हों तो मिलते हैं ये संकेत

यदि किसी व्यक्ति पर पितृदोष लगा हुआ हो तो अथक प्रयास और मेहनत करने के बाद भी उसे उसका सही फल नहीं मिल पाता। ऐसे में व्यक्ति हमेशा तनाव में रहता है और उसकी तरक़्क़ी में बाधाएं आती हैं। पितरों की नाराज़गी का असर घर के सदस्यों पर भी पड़ता है। वैवाहिक जीवन में समस्याएं देखने को मिलती हैं। वहीं अविवाहितों के विवाह में भी कई बाधाएं उत्पन्न होती हैं। पितरों के नाराज़ होने से पूजापाठ का भी शुभ फल नहीं मिल पाता है। पितृदोष की वजह से ही बुरे सपने आते हैं और सपनों में बार बार पूर्वज नज़र आते हैं। पितृदोष की वजह से कई बार लोगों को संतान की समस्या का सामना भी करना पड़ता है।

तुलसी के पौधे से किया जाने वाला उपाय

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पितृपक्ष में पितरों का श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान किया जाता है। इसके अलावा और भी कई ऐसे उपाय हैं जिनको करने से पितृ प्रसन्न होते हैं। इन्हीं उपायों में से एक है तुलसी के पौधे का उपाय। ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि तुलसी के इस उपाय को करने से हमारे पितृ हम से प्रसन्न रहते हैं, और श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान के बराबर फल की प्राप्ति भी होती है। पितृपक्ष के 15 दिनों की अवधि में इस उपाय को कभी भी किया जा सकता है, लेकिन ध्यान में रखना चाहिए कि इन 15 दिनों के अंदर एकादशी और रविवार ना पड़ रहे हो।

तुलसी पर चढ़ाएं गंगाजल

शिव पुराण के अनुसार, श्राद्ध पक्ष में घर का कोई भी सदस्य तुलसी का यह उपाय आसानी से कर सकता है। इसके लिए तुलसी के गमले के पास 1 कटोरी रख दें।

अब अपनी हथेली में गंगा जल लेकर पांच या सात बार अपने पितरों के नाम का ध्यान करें, और बाबा विश्वनाथ का नाम लेकर गंगाजल इस कटोरी में छोड़ दें। अब हाथ जोड़कर माता तुलसी और पितरों का ध्यान करें। गंगाजल को आप बाद में किसी पौधे में डाल सकते हैं। ऐसा करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है, और पितरों का तर्पण और पिंडदान के बराबर का फल प्राप्त होता है।

इस समय के दौरान बिल्कुल भी ना करें पिंडदान

कैसे मिलेगी पितरों को तृप्ति, क्या है 'पंचक' का समय?

पंचक में क्यों नहीं करते है पिंडदान

पंचांग के अनुसार, इस बार भाद्रपद मास का पचंक 16 सितंबर दिन सोमवार को सुबह 5 बजकर 45 मिनट पर प्रारंभ हो चुका है और 20 सितंबर को सुबह 5 बजकर 20 मिनट पर इसका समापन होगा। वहीं पितृपक्ष 17 सितंबर से शुरू होने जा रहा है। पंचक काल के चलते 17 से 20 सिंतबर की प्रातः 5 बजकर 20 मिनट तक पिंडदान और श्राद्ध कर्म बंद रहेंगे। हिंदू धर्म की मान्यता के अनुसार पंचक के दौरान पितृपक्ष का कर्मकांड करना शुभ नहीं माना जाता है इसलिए 17 से 20 सितंबर तक श्राद्ध कर्मकांड पर विराम लगा रहेगा। उसके बाद ही आप अपने पितरों का पिंडदान और तर्पण कर सकते हैं। इसके बीच यदि पितरों की पिंडदान करने की तिथि पड़ती है और पंचक के कारण आप उनका पिंडदान नहीं कर पाते हैं तो उसके लिए भाद्रपद की अमावस्या तिथि को श्राद्ध कर्मकांड कर सकते हैं।

पितृपक्ष में इन शुभ तिथियों पर करें श्राद्ध

पितरों की तृप्ति के लिए किया जाता है श्राद्ध आने वाले इन पंद्रह दिनों में लोग अपने पितरों को नदियों में सुबह तिल के साथ जल लेकर सूर्य की तरफ मुंह करके हाथों से जल तर्पण करते हैं और उनकी मृत्युतिथि पर पार्वण श्राद्ध करते हैं। श्राद्ध के दिनों में ब्राह्मणों को भोजन कराना चाहिए। पिता-माता और पारिवारिक मनुष्यों की मृत्यु के बाद उनकी मुक्ति के लिए श्रद्धापूर्वक किए जाने वाले कर्म को पितृ श्राद्ध कहा जाता है।

कंगना रनौत के सामने खड़ी हुई एक और मुसीबत, जिस फिल्म के लिए बेचना पड़ा ऑफिस, उसकी रिलीज पर फिर संकट

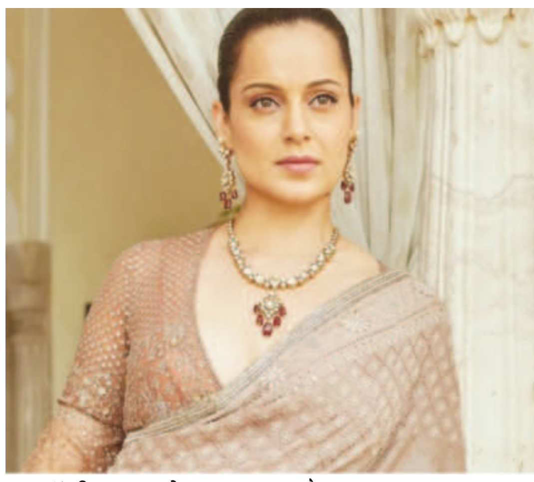

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। फिल्म तो आज तक रिलीज नहीं हो सकी है। मगर उनकी मूवी को लेकर चंडीगढ़ की डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने नोटिस जारी किया है। बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट रविंदर सिंह बस्सी ने एक एप्लीकेशन फाइल की है और उसमें दावा किया है कि कंगना ने अपनी फिल्म में सिखों की छवि को खराब करने की कोशिश की है।

दरअसल, कंगना रनौत की 'इमरजेंसी' 6 सितंबर को रिलीज होने वाली थी। मगर इसे सेंसर बोर्ड की तरफ से सर्टिफिकेट मिला और रिलीज के 4 दिन पहले इस मूवी को कैंसिल कर दिया गया। एक्ट्रेस ने 'न्यूज 18' के एक कार्यक्रम में कहा था, 'मैंने इस फिल्म के लिए अपनी पर्सनल प्रॉपर्टी दांव पर लगा दी थी। ये सिनेमाघरों में दिखाई जानी थी लेकिन अब यह रिलीज नहीं हो रही है। इसलिए प्रॉपर्टी ही है, जिसे मुश्किल समय में बेचा जा सकता है।' इस महीने की शुरुआत में ऐसी खबरें आई थीं कि अभिनेत्री और फिल्म निर्माता कंगना ने मुंबई के बांद्रा में पाली हिल स्थित अपना बंगला 32 करोड़ रुपये में बेच दिया।

कंगना रनौत की फिल्म पर 5 दिसंबर को सुनवाई

जहां पहले कंगना को सिख समुदाय को फिल्म के लिए धमकी मिली थी। वहीं, अब एडवोकेट ने एप्लीकेशन में कहा है कि कंगना रनौत ने 'इमरजेंसी' में न सिर्फ सिखों की छवि को गलत दिखाया है। साथ ही समुदाय के खिलाफ झूठे आरोप भी लगाए हैं। इसीलिए उन्होंने एक्ट्रेस के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की है। अब इस मामले पर कोर्ट 5 दिसंबर को सुनवाई करेगी।

'इमरजेंसी' में कौन-कौन है?

'इमरजेंसी' में कंगना रनौत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म को उन्होंने डायरेक्टर और प्रोड्यूसर दोनों किया है। अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर, महिमा चौधरी और मिलिंद सोमन भी अहम रोल में हैं। इसमें सतीश कौशिक अहम रोल में दिखाई देंगे। और वह उनकी ये आखिरी फिल्म है, जो उनके निधन सालभर बाद रिलीज होनी है।

प्रभास की फिल्म 'स्पिरिट' 500 करोड भरकम बजट में बनकर तैयार होगी

तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारों में प्रभास की भी गिनती होती है। उनके फैंस की संख्या करोड़ों में है। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म कल्कि 2898 एडी बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार कमाई करने में सफल रही थी। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म के जबर्दस्त कलेक्शन के बाद इसे ब्लॉकबस्टर घोषित किया गया था।

पुलिस की वर्दी में दिखेंगे प्रभास

इस फिल्म के बाद प्रभास कई बड़े प्रोजेक्ट में नजर आने वाले हैं। उनमें से ही एक संदीप रेड्डी वंगा की फिल्म स्पिरिट भी है। इस फिल्म में वह एक दमदार पुलिस अफसर की भूमिका में नजर आने वाले हैं। बड़े पर्दे पर प्रभास को वर्दी में देखने के लिए फैंस काफी ज्यादा उत्साहित हैं।

इतना होगा फिल्म का बजट

प्रभास की इस आगामी फिल्म को लेकर हाल ही में एक बड़ी जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म को 500 करोड़ के भारी भरकम बजट से तैयार किया जाएगा। हालांकि, इसको लेकर निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया है।

इन फिल्मों में भी आएंगे नजर

इससे पहले रिलीज हुई संदीप की फिल्म एनिमल भी बड़े बजट में बनकर तैयार हुई थी। वहीं, स्पिरिट की बात करें तो इसका निर्माण वह टी-सीरीज के साथ मिलकर कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार स्पिरिट की शूटिंग जनवरी 2025 में शुरू हो सकती है। प्रभास की आगामी फिल्मों की बात करें तो वह राजा साब नाम की हॉरर कॉमेडी फिल्म और सलार के अगले भाग में भी नजर आने वाले हैं।

करीना के नाम होगा फिल्म फेस्टिवल, कब से कब तक अभिनेत्री की फिल्मों को देख सकेंगे फैंस

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान बॉलीवुड का बड़ा नाम हैं। करीना कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल पूरे कर लिए हैं। इन्ही 25 सालों को याद करके उनके नाम पर फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। अब इस फिल्म फेस्टिवल की तारीखों और दिखाई जाने वाली फिल्मों की पूरी लिस्ट भी सामने आई है। इसमें जब वी मेट, कभी खुशी कभी गम जैसी शानदार फिल्में दिखाई जा सकती हैं।

20 से 27 सितंबर तक चलेगा फिल्म फेस्टिवल

पीवीआर सिनेमा की ओर से एक्स पर करीना कपूर खान के नाम से फिल्म फेस्टिवल किए जाने की घोषणा की गई है। फिल्मों में इम्तियाज अली की 'जब वी मेट', करण जौहर की 'कभी खुशी कभी गम', संतोष सिवन की 'अशोका', सुधीर मिश्रा की 'चमेली' और विशाल भारद्वाज की 'ओमकारा' शामिल हैं। इसके अलावा भी अभिनेत्री के ब्लॉकबस्टर फिल्मों को शामिल किया जाएगा। फिल्म फेस्टिवल 20-27 सितंबर तक चलेगा।

पीवीआर ट्वीट में कही गई ये बात

पीवीआर की ओर से इस फिल्म फेस्टिवल को लेकर ट्वीट किया गया है। इसमें लिखा है, 'ओजी क्वीन करीना कपूर खान के 25 साल पूरे होने का जश्न मनाएं, क्योंकि उनकी सबसे प्रतिष्ठित फिल्में बड़े पर्दे पर लौट रही हैं! उनके यादगार किरदारों से लेकर पॉप संस्कृति को आकार देने वाले ट्रेंड सेट करने तक, करीना ने यह सब किया है। करीना कपूर खान के 25 साल पूरे होने का जश्न एक बेहद क्यूरेटेड फिल्म फेस्टिवल के साथ मनाएं, सिर्फ पीवीआर आईनॉक्स में। फेस्टिवल की तारीखें: 20-27 सितंबर को पीवीआर आईनॉक्स में!

करीना कपूर खान ने जताया आभार

पीवीआर की इस पोस्ट पर करीना कपूर खान की ओर से जवाब आया है। उन्होंने कहा, 'मेरी रगों में खून, स्क्रीन पर जादू... मेरा काम जो मुझे पसंद है... मेरे अंदर की आग... अगले 25 साल के लिए शुभकामनाएं। इस खूबसूरत फेस्टिवल को आयोजित करने के लिए धन्यवाद... बहुत आभारी हूं'। बता दें करीना कपूर खान की नवीनतम फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' वर्तमान में सिनेमाघरों में चल रही है। यह फिल्म 13 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

प्रियंका चोपड़ा ने शुरू की 'सिटाडेल 2' की शूटिंग

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने 'सिटाडेल 2' की शूटिंग शुरू कर दी है। आज बुधवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर उन्होंने आधिकारिक एलान किया है। प्राइम वीडियो की स्पाई एक्शन सीरीज का पहला पार्ट काफी चर्चा में रहा। देसी गर्ल अब दूसरा सीजन लेकर दर्शकों के बीच पहुंचेंगी, जिसके लिए तैयारी शुरू हो चुकी है।

प्रियंका चोपड़ा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से इंस्टाग्राम स्टोरी पर यह अपडेट साझा की है। उन्होंने लिखा है, 'इट्स ऑन! 'सिटाडेल 2'। साथ में उन्होंने रूसो ब्रदर्स को टैग किया है। दूसरे सीजन की स्क्रिप्ट की फोटो शेयर की है। बता दें कि प्रियंका की इस सीरीज के क्रिएटर रूसो ब्रदर्स हैं

कान के बाद अब ऑस्कर में होगा पायल कपाड़िया की 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' का दबदबा, हुई शॉर्टलिस्ट

भारतीय निर्देशक पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' कान फिल्म फेस्टिवल 2024 में छाई रही। इस फेस्टिवल में इसे दूसरा सबसे बड़ा पुरस्कार ग्रैंड प्रिक्स जूरी प्राइज से सम्मानित किया गया। अब यह फिल्म ऑस्कर अवॉर्ड की रेस में शामिल हो गई है। यह फिल्म ऑस्कर अवॉर्ड 2025 में फ्रांस का प्रतिनिधित्व करेगी। फ्रांस ने इसे शॉर्टलिस्ट किया है। बता दें कि भारत की तरफ से ऑस्कर के लिए आधिकारिक एंट्री का एलान 27 सितंबर को होगा।

कान में ग्रैंड प्रिक्स जूरी प्राइज अपने नाम करने वाली पायल भारत की पहली महिला निर्देशक बन गईं। उन्हें 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' के लिए यह अवॉर्ड मिला और अब एक बार फिर वह इसी फिल्म को लेकर चर्चा में आ गई हैं। कान के बाद सबसे प्रतिष्ठित फिल्म पुरस्कार ऑस्कर की रेस में भी यह फिल्म शामिल जो हो गई है। फ्रांस की तरफ से ऑस्कर में 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' सहित चार फिल्मों को शॉर्टलिस्ट किया गया है।

पायल कपाड़िया भारतीय फिल्म निर्देशक हैं। 'ऑल वी इमैजिन एज लाइट' उनकी पहली फीचर फिल्म है। इससे पहले उन्होंने शॉर्ट फिल्म और डॉक्यूमेंट्री फिल्में बनाई हैं। 'ऑल वी इमैजिन एज लाइट' की कहानी दो नर्सों (प्रभा और अनु) पर आधारित है, जो साथ में रहती हैं। प्रभा की अरेंज्ड मैरिज हुई और उसका पति विदेश में रहता है। दूसरी तरफ अनु की शादी नहीं हुई है, लेकिन उसे एक लड़के से प्यार है। प्रभा और अनु अपनी दो दोस्तों के साथ एक ट्रिप पर जाती हैं, जहां वो खुद को पहचानने की कोशिश करती हैं और फिर उन्हें आजादी के मायने समझ आते हैं।

'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को भारतीय और फ्रांसीसी प्रोडक्शन हाउस की मदद से बनाया गया है। निर्माताओं का कहना है कि एक क्षेत्रीय भाषा की फिल्म को दुनियाभर के दर्शकों के साथ इतनी गहराई से जुड़ते देखना अविश्वसनीय रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि यह फिल्म ऑस्कर में भारत का भी प्रतिनिधित्व कर सकती है। आगामी 26 को जब भारत की तरफ से आधिकारिक एंट्री का एलान होगा, तब यह बात पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी।

पायल कपाड़िया ने साल 2014 से लेकर 2024 तक चार शॉर्ट फिल्में बनाई हैं। उन्होंने 'ए नाइट ऑफ नोइंग नथिंग' नाम की शॉर्ट फिल्म का निर्देशन किया था, जिसे कान फिल्म फेस्टिवल में 2021 में दी गोल्डन आई अवॉर्ड मिला था। इसके आलावा उनकी शॉर्ट फिल्मों में 'एंड व्हॉट इज द समर सेइंग', 'द लास्ट मैंगो बिफोर द मॉनसून', 'आफ्टरनून क्लाउड्स' और 'वॉटरमेलन, फिश एंड द हाफ घोस्ट' शामिल हैं।

पति नहीं बल्कि इस अभिनेता के साथ शानदार है आलिया भट्ट की केमिस्ट्री, खुद अभिनेत्री ने किया खुलासा

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों बेटी राहा के साथ कई जगहों पर स्पॉट की जाती हैं। आलिया ने अपने करियर में कई सारे बड़े अभिनेताओं जैसे वरुण धवन, सिद्धार्थ मल्होत्रा, रणवीर सिंह के साथ काम किया है लेकिन उन्होंने बड़े पर्दे पर अपने सह कलाकार का नाम साझा किया है। बताया है किस अभिनेता के साथ उनकी केमिस्ट्री शानदार रही है। आइए आपको बताते हैं किस सह कलाकार का लिया था आलिया भट्ट ने नाम।

रणवीर सिंह और वरुण धवन के बीच कौन है फेवरेट को-स्टार

कॉफी विद करण में करण जौहर से बातचीत के दौरान आलिया भट्ट से सवाल किया गया कि बड़े पर्दे पर वरुण धवन और रणवीर सिंह में से किस अभिनेता के साथ उनकी शानदार केमिस्ट्री रही है। वह इन दोनों अभिनेताओं में से किसे चुनेंगी। इस पर अभिनेत्री ने मजेदार जवाब दिया, जिसको लेकर उनके फैंस भी अभिनेत्री की काफी तारीफ करते नजर आ रहे हैं।

वरुण धवन के साथ बेहतर केमेस्ट्री थी

आलिया के जवाब देने से पहले ही रणवीर बीच में टोकते हुए उन्हें अपना नाम लेने का सुझाव देते हैं। इसे एक कठिन सवाल बताते हुए, अभिनेत्री ने शुरू में रणवीर का जिक्र करते हुए कहा कि उनके बीच बहुत अच्छी केमिस्ट्री है। फिर आलिया ने अपना जवाब बदलते हुए कहा, 'वारिया (वरुण और आलिया) के प्रशंसक बहुत परेशान होंगे। वरुण और मेरे बीच सबसे अच्छी केमिस्ट्री है'। वरुण के साथ उनकी केमिस्ट्री बहुत अच्छी है। रणवीर ने इस पर आलिया को तंज करते हुए कहा कि 'दोस्त के नाम पर कलंक' हैं।

पति रणबीर कपूर को बताया समय का पाबंद

आलिया ने बातचीत के दौरान अपने पति रणबीर कपूर को लेकर भी बात की। आलिया ने कहा कि रणबीर समय के पाबंद हैं। वहीं, रणवीर सिंह बहुत ही अच्छा डांस करते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया 'जिगरा', 'अल्फा' और 'लव एंड वार' फिल्मों में नजर आने वाली हैं। बता दें कि आलिया स्टूडेंट ऑफ द ईयर, बद्रीनाथ की दुल्हनिया, कलंक और हंप्टी शर्मा की दुल्हनिया जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। इन फिल्मों में आलिया को काफी पसंद किया गया है।

'मैं ऐश्वर्या राय का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं' : चियान विक्रम

अभिनेता चियान विक्रम और अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन काफी अच्छे दोस्त हैं। दोनों ने साल 2010 में आई फिल्म रावण में साथ में काम किया था। तेलंगाना अभिनेता अक्सर ऐश्वर्या राय की तारीफ करते नजर आते हैं। एक बार फिर उन्होंने ऐश्वर्या के काम, उनके डांस और साउथ सिनेमा में उनकी छाप को लेकर बात की है।

ऐश्वर्या राय के लिए बोले अभिनेता चियान विक्रम

ऐश्वर्या राय के लिए अभिनेता चियान विक्रम ने कहा, 'उसने हमेशा सभी का दिल चुराया है। ऐश हमेशा उस पूर्णता की तस्वीर का प्रतीक रही हैं जिसे हम देखते हैं। मैंने हमेशा उनकी फिल्में देखी हैं और यह सिर्फ उनकी फिल्मों और उनकी सुंदरता के बारे में नहीं था। यह इस बारे में था कि वह किस चीज के लिए खड़ी थीं। उन्हें हमेशा देखा जाता है, उन्हें हमेशा परफेक्ट रहने की जरूरत होती है और उन्होंने इसे स्टाइल में किया है'।

ऐश्वर्या राय के नृत्य की तारीफ की

चियान ने कहा, ₹यह एक ईमानदार स्वीकारोक्ति है। वह बहुत खूबसूरती से नृत्य करती है। मैं उनके प्रशंसकों में से एक हूं और उनके साथ काम करना बहुत खुशी की बात है और उन्हें फिर से देखना बहुत अच्छा है। नंदिनी, निश्चित रूप से, एक बहुत ही मजबूत चरित्र है और वह विरोधी नहीं है।₹ चियान ने कहा कि जब ऐश्वर्या मिस वर्ड के स्टेज पर उतरी थीं तो एक बार लड़खड़ाई थीं, हालांकि बाद में उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ फिर से रैंप पर उतरकर शांती और शालीनता से वॉक किया था।

हिंदी सिनेमा की तरह साउथ में भी अभिनेत्री की है अलग पहचान

चियान ने बताया कि ऐश्वर्या ही नहीं बल्कि आराध्या बच्चन और अभिषेक बच्चन के भी बेहद करीबी हैं। चियान ने कहा, 'आप जहां भी जाएंगे, यहां तक कि चेन्नई में भी, उनकी तस्वीर के साथ आभूषण और साड़ी की दुकानें होंगी और यह उनका करिश्मा है। आखिरकार, जब मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला, तो मैंने उनका दूसरा पक्ष देखा, जहां वह पेशेवर हैं और मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे हिंदी में रावण में उनके साथ जोड़ी बनाने का मौका मिला'।

मीडिया के सामने इस वजह से सोनाक्षी का हाथ नहीं थामते जहीर, बोले- भूल जाता हूं कि शादी हो गई है

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल बॉलीवुड के सबसे मशहूर जोड़ों में से एक हैं। करीब सात साल तक डेटिंग करने के बाद, दोनों ने इस साल जून में शादी कर ली। हाल ही में एक बातचीत में, जहीर ने खुलकर बताया कि वह अभी भी अभिनेत्री का हाथ नहीं थामते क्योंकि वह भूल जाते हैं कि अब वे शादीशुदा हैं। इसके साथ ही जहीर ने शादी के बाद हुए बदलावों को लेकर भी कई दिलचस्प खुलासे किए हैं। आइए जानते हैं।

जहीर को नहीं रहती यह बात याद

हाल ही में ईटाइम्स के साथ एक इंटरव्यू के दौरान सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने खुलकर बातचीत की और शादी के बाद की अपनी जिंदगी के बारे में बात की। बातचीत के दौरान, जहीर इकबाल ने खुलासा किया कि वह भूल जाते हैं कि वे अब शादीशुदा कपल हैं। जहीर ने हंसते हुए कहा, मैं अभी भी भूल जाता हूं कि मेरी सोनाक्षी से शादी हो चुकी है, जब हम सार्वजनिक रूप से जाते हैं तो मुझे लगता है कि मैं उनका हाथ नहीं पकड़ सकता और फिर मुझे एहसास होता है कि अब तो शादी हो गई है। अपने पति की बात को जोड़ते हुए सोनाक्षी ने कहा कि उन्हें अभी भी लगता है कि उनके बीच कुछ भी नहीं बदला है। उन्हें अभी भी ऐसा लगता है जैसे उन्होंने सात साल पहले डेटिंग शुरू की थी।

पेट-जांघ नहीं, पूरे शरीर की चर्बी कम कर देगा ये देसी नुस्खा, शुगर रहेगा कंट्रोल

मसाले शरीर के लिए काफी हेल्दी होते हैं। यह इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ मोटापे को कम करने में मदद करते हैं। कई शोध हींग को वेट लॉस के लिए कारगर मानते हैं। इसका पानी पीने से तोंद और कमर का साइज कम होता है। वेट लॉस करने के लिए इस बात को अच्छी तरह समझ लें कि फैट पूरे शरीर से कम होता है। पेट या जांघ जैसे किसी एक अंग से फैट लॉस नहीं किया जा सकता है। तेजी से वजन कम करने के लिए एक देसी नुस्खा अपनाएं। एक्सरसाइज के साथ इसका असर दोगुना हो जाता है। यह शरीर के अंदर की गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। साथ ही डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद होता है।

मोटापा कम करने के उपाय

भारी-भरकम शरीर को पतला बनाने के लिए हींग का उपाय करें। आपको जानकर हैरानी होगी कि हींग का सही इस्तेमाल करने से वजन, पेट की चर्बी और कमर का साइज एकसाथ कम किया जा सकता है। यह जानकारी एनसीबीआई पर प्रकाशित एक शोध में विस्तार से दी गई है। वजन कम करने के लिए हींग को खास तरीके से इस्तेमाल करें।

वेट लॉस के लिए हींग का सही उपयोग

दाल पकाने के दौरान हींग को मसाले की तरह इस्तेमाल किया जाता है। ऐसा ही उपयोग अधिकतर पचने में भारी फूड के

साथ किया जाता है। लेकिन फैट लॉस करने के लिए खाली पेट हींग खाने से फायदा मिलेगा।

सुबह पेट साफ होने के बाद एक गिलास पानी को अच्छी तरह उबाल लें।

इसमें एक चुटकी हींग पाउडर डालें।

हींग जब अच्छी तरह मिल जाए तो छान लें।

ज्यादा असरदार बनाने के लिए काला नमक, नींबू का रस मिलाकर पी जाएं।

पेट को पहुंचेगा फायदा

हींग पेट और डायजेशन के लिए बढ़िया मसाला है। यह सलाइवरी फ्लो और गैसट्रिक जूस का उत्पादन बढ़ाता है। जिसकी वजह से खाना अच्छे से पच पाता है और फैट जमा नहीं हो पाता। डायजेशन सही न होने पर फैट का इस्तेमाल एनर्जी में नहीं किया जा पाता और शरीर पर इकट्ठा होने लगता है।

हींग से नहीं होती ये बीमारियां

हींग को डाइट में शामिल करने से दूर रहेगी बवासीर से लेकर पथरी की दिक्कत

शुगर की बीमारी का घरेलू इलाज

हींग का इस्तेमाल डायबिटीज के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। इससे दवा का असर बढ़ सकता है और ब्लड शुगर कंट्रोल में रहेगा। शोध मानता है कि इसमें पैंक्रियाज की हेल्थ को सुधारने वाले गुण होते हैं जो ब्लड शुगर कंट्रोल करने वाले हॉर्मोन का उत्पादन करता है।

दिमाग और याददाश्त के लिए

यह मसाला नर्वस सिस्टम के लिए अच्छा माना जाता है। यह नर्व्स को हेल्दी बनाता है, जिससे दर्द व बेजान का अनुभव कम होता है। इसे याददाश्त बढ़ाने के लिए भी सालों से यूज किया जा रहा है। यह अल्जाइमर जैसी बीमारी के लक्षणों को कम कर सकता है, जिसमें व्यक्ति भूलने लगता है।

हींग को इन बीमारी में करते हैं यूज

हींग के फायदे काफी सारे हैं। हजारों साल से देसी लोग खांसी, अस्थमा, अल्सर, पेट दर्द, पेट फूलना, ब्रोन्काइटिस, इंटेस्टाइनल पैरासाइट, इंफ्लूएंजा दस्त और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए इसे खा रहे हैं।

भारत में बैन है ये कैंसर वाला केमिकल, सेब को जल्दी किया जा रहा लाल-मीठा, एफएसएसएआई टेस्ट से 5 सेकंड में करें जांच

रोजाना एक सेब खाने से बीमारियों का खतरा कम होता है और डॉक्टर के पास जाने की नौबत नहीं आती, यह बात पुरानी हो गई है क्योंकि अब आप जो सेब खा रहे हैं उन्हें खतरनाक केमिकल्स से पकाया जा रहा है। सेब विटामिन और मिनरल्स का एक अच्छा स्रोत है और इनमें विटामिन सी और विटामिन ए भी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। सेब के सेवन से कई बीमारियों का खतरा कम होता है। तमाम एक्सपर्ट्स रोजाना एक सेब खाने की सलाह देते हैं। ऐसा माना जाता है कि इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए रोजाना एक सेब खाना चाहिए।

क्या आप जानते हैं कि आजकल बाजार में मिल रहे सेब सुरक्षित है भी या नहीं। सेब के स्वास्थ्य लाभ इस बात पर निर्भर करते हैं कि उन्हें कैसे पकाया जाता है। उन्हें स्वाभाविक रूप से पकने देना सबसे अच्छा तरीका होगा। दुर्भाग्य से किसान सेब को कृत्रिम रूप से पका रहे हैं।

इन्हें पकाने के लिए रसायनों का सहारा लिया जा रहा है ताकि उन्हें बाजार में बहुत पहले भेज सकें और ज्यादा मुनाफा कमाया जा सके। पहले किसान फल पकने के लिए फलों के पेड़ों पर रसायनों का उपयोग करते थे, लेकिन अब वे एक नई विधि का उपयोग कर रहे हैं जिसमें वे पेड़ों से फलों को तोड़ते हैं और उन पर खतरनाक केमिकल्स का छिड़काव करते हैं।

यह भी हैं कुछ तरीके

पानी का परीक्षण- सेब को धोकर उस पानी को एक गिलास में इकट्ठा करें। अगर उसमें थोड़ा सा कैल्शियम कार्बाइड मिलाया गया हो, तो पानी का रंग लाल से बैंगनी में बदल सकता है।

स्टार्च आयोडीन परीक्षण- सेब को काटकर उस पर आयोडीन का छिड़काव करें। अगर रंग गहरा नीला हो जाता है, तो इसका मतलब है कि सेब में स्टार्च की मात्रा अधिक है और यह पूरी तरह से पका नहीं है।

बहुत चिकने सेब खाने से बचें

प्राकृतिक रूप से पके सेबों पर अक्सर कुछ धब्बे या निशान होते हैं, लेकिन कृत्रिम रूप से पके सेब बहुत चिकने दिख सकते हैं।

कृत्रिम रूप से पके सेब बहुत मुलायम हो सकते हैं, जबकि प्राकृतिक रूप से पके सेब थोड़े फर्म होते हैं।

कृत्रिम गंधः कृत्रिम रूप से पके सेबों में प्राकृतिक सेबों की तुलना में एक कृत्रिम गंध हो सकती है।

कृत्रिम रूप से पके सेब बहुत मीठे हो सकते हैं, लेकिन उनका स्वाद प्राकृतिक सेब जितना अच्छा नहीं होगा।

केमिकल वाले सेब की ऐसे करें पहचान

भारत में खाने-पीने की गुणवत्ता पर नजर रखने वाली देश की सबसे बड़ी संस्था एफएसएसएआई के अनुसार, फलों को पकाने केलिए कार्बाइड गैस या एसिटिलीन गैस का उपयोग भारत में बैन है क्योंकि इनके सेहत को अनगिनत खतरे हैं। कुछ तरीकों से आप जान सकते हैं कि फल कृत्रिम रूप से पका हुआ है या नहीं।

कृत्रिम रूप से पके सेबों का रंग आसमानी जैसा हो सकता है।

कुछ हिस्से बहुत चमकीले लाल होंगे जबकि अन्य हिस्से हरे या पीले रह सकते हैं।

कृत्रिम रूप से पके सेब अक्सर बहुत चमकदार दिखते हैं।

यह भी हैं कुछ खतरनाक नुकसान

अन्य लक्षणों में गले में खराश, खांसी, घरघराहट और सांस लेने में कठिनाई शामिल है। अध्ययनों से पता चला है कि कृत्रिम रूप से पके हुए सेब का सेवन पेट को खराब कर सकता है। यह पेट में आंतो के कामकाज को प्रभावित करता है। लंबे समय तक केमिकल्स वाले सेब खाने से पेप्टिक अल्सर का भी रिस्क बढ़ सकता है।

केमिकल्स वाले साब खाने के नुकसान

यह केमिकल्स सबा का रंग बदल देते हैं लेकिन फल अंदर से कच्चा रहता है। सेब पर ग्रेड कैल्शियम कार्बाइड, आर्सेनिक और फॉस्फोरस छिड़का जाता है, जो जहरीले रसायन होते हैं। आर्सेनिक और फॉस्फोरस से उल्टी, खूनी दस्त, कमजोरी, छाती और पेट में जलन, प्यास, निगलने में समस्या, आंखों में जलन, स्थायी आंखों का डैमेज होना, त्वचा, मुंह, नाक और गले में अल्सर जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

सेब पर छिड़के जा रहे खतरनाक केमिकल्स

एथेफोन 2-क्लोरोएथिलफॉस्फोनिक एसिड, सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाला केमिकल है। एथेफोन 2-क्लोरोएथिल फॉस्फोनिक एसिड फल में घुसकर एथिलीन को विघटित करता है। दूसरा केमिकल है कैल्शियम कार्बाइड है, जो एसिटिलीन का उत्पादन करता है, जो एथिलीन का एक एनालॉग है, जिसमें कई समस्याएं हैं। यह विटामिन और अन्य पोषक तत्वों के कार्बनिक संरचना को तोड़ देता है।

खाना खाते ही लगता है पेट फूलने, सांस लेने में भी होती है तकलीफ, तो इन चीजों से तुरंत कर लें तौबा

ब्लोटिंग की समस्या पेट से जुड़ी परेशानियों में से एक है। इसमें पेट हमेशा फुला रहता है या भरा हुआ महसूस होता है। यह एक आम समस्या है जो गैस के कारण होती है लेकिन इसकी वजह से व्यक्ति काफी असहज महसूस करता है। ब्लोटिंग के कई कारण हो सकते हैं जैसे खाने पीने की कुछ ऐसी चीजें जो आपको सूट नहीं करती हों या फिर जल्दी या गलत तरीके से भोजन करना। कई बार ब्लोटिंग की वजह से पेट में दर्द की भी समस्या होती है। भले ही यह एक आम समस्या है लेकिन रोजमर्रा के जीवन पर इसका बुरा आसर पड़ता है।

यदि आपको लगातार ब्लोटिंग की समस्या बनी रहती है तो आपको सबसे पहले अपने खान पान पर ध्यान देना होगा। आप चाहें तो अपने डॉक्टर से भी सलाह ले सकते हैं। हालांकि कुछ घरेलू नुस्खों को अपनाकर भी इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

ब्लोटिंग के कारण

हॉपकिन्स मेडिसिन (Ref) के अनुसार ब्लोटिंग होने के कई कारण हो सकते हैं जैसे

खाना ठीक से चबाकर नहीं खाना

खाते समय ज्यादा बातें करना

खाते समय ज्यादा पानी पीना

ज्यादा टाइट कपड़े पहनना

देर तक बैठे रहना और फिजिकली कम एक्टिव रहना

जल्दबाजी में पानी पीना

भोजन के तुरंत बाद फलों का सेवन करना

कब्ज

शराब और सिगरेट का सेवन करना

ओवरईटिंग करना

कमजोर पाचन तंत्र

इन चीजों से करें परहेज

गैस बनाने वाले खाद्य पदार्थः ब्लोटिंग की समस्या होने पर पत्ता गोभी, बींस, दाल मशरूम, ब्रोकली, राजमा, छोले, बैंगन आदि का सेवन करने से बचना चाहिए। इनमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है, इसलिए इनसे गैस और ब्लोटिंग की समस्या हो सकती है।

लहसुन प्याजः लहसुन और प्याज से गैस के अलावा पेट में सूजन की भी समस्या हो सकती है।

ज्यादा नमकः ब्लोटिंग की समस्या होने पर ज्यादा नमकीन चीजों के सेवन से परहेज करना चाहिए। बहुत अधिक सोडियम वाले खाद्य पदार्थ खाने से शरीर में पानी जमा हो सकता है और सूजन हो सकती है।

कार्बोनेटेड ड्रिंकः इस ड्रिंक से निकलने वाली गैस और फाइबर गैस की समस्या को बढ़ा सकते हैं।

ऐसे पाएं ब्लोटिंग से छुटकारा

खाने को ठीक से चबाकर खाएं।

भरपूर मात्रा में पोटेशियम का सेवन करें।

खाने में सोडियम की मात्रा कम करें।

रात को देर से भोजन न करें।

खाने पीने की जो चीजें आपको सूट नहीं करती उनसे परहेज करें।

हर्बल टी पिएं।

अजवाइन जीरे और सौंफ के काढ़े से भी ब्लोटिंग की समस्या दूर होती है।

इन फलों का करें सेवन

केला, पपीता, जामुन, संतरा और अनानास जैसे फलों का सेवन करने से भी आपको ब्लोटिंग से राहत मिल सकती है। यह फल एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन से भरपूर होते हैं और पाचन में मदद करते हैं।

रोजाना करें ये 3 योगासन

ब्लोटिंग की समस्या को दूर करने के लिए आप रोजाना योग भी कर सकते हैं। धनुरासन, भुजंगासन और पवनमुक्तासन से गैस कब्ज और ब्लोटिंग जैसी परेशानियां दूर होगी, साथ ही इनसे रीड की हड्डी में मजबूती आएगी और कमर के दर्द से भी छुटकारा मिलेगा।

अल्ट्रासाउंड में भी पकड़ में नहीं आता पेट का अल्सर, लक्षण, कारण और बचाव के तरीके

छोटी आंत के ऊपरी भाग में घाव या छाले हो जाते हैं जिसे अल्सर या पेप्टिक अल्सर कहा जाता है। इसे लोग गैसट्रिक अल्सर के नाम से भी जानते हैं। यह समस्या छोटी आंत को प्रभावित करती है। यह बीमारी बहुत कम लोगों को ही अपने चपेट में लेती है। अगर इसके लक्षणों की पहचान करके इसका सही समय पर इलाज करा लिया जाय तो इसे तुरंत कंट्रोल में किया जा सकता है। अनियमित तरीके से खान-पान की आदत और सिगरेट, शराब के अधिक सेवन के कारण गैसट्रिक समस्या ज्यादा होती है, जिसकी वजह से पेट में घाव या छाले हो जाते हैं, जिसे अल्सर या पेप्टिक अल्सर कहा जाता है। पेट में अल्सर होने पर अगर समय रहते इसका इलाज नहीं किया गया तो यह कैंसर का भयानक रूप ले सकता है।

आंतों एवं पेट के आंतरिक सतह के एसिड के संपर्क में आने पर यहां घाव बनने लगते हैं। हेलिकोबेक्टर पाइलोरी बैक्टीरिया के इंफेक्शन के कारण भी पेप्टिक अल्सर होता हैं। इसके शुरुआती लक्षण काफी हल्के होते हैं और जब तक यह अल्सर पूरी तरीके से फैल नहीं जाता तब तक इसकी पहचान करना मुश्किल है। गैस्ट्रोएंटरोलॉजी डॉक्टर के अनुसार दुनिया भर में केवल 10% लोगों को ही जिंदगी में एक बार पेट में अल्सर की बीमारी हो सकती है। ज्यादा स्ट्रेस लेने के कारण भी पेट

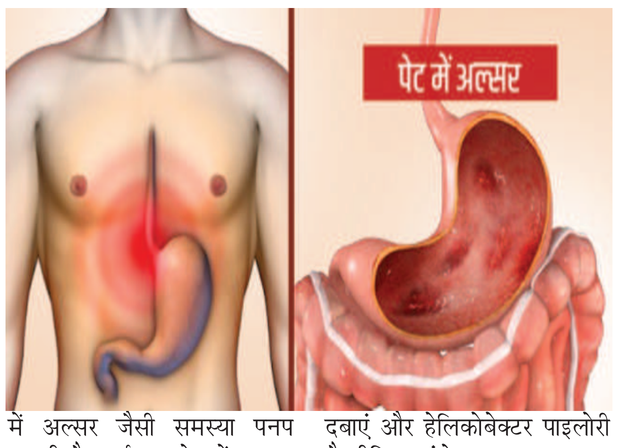

में अल्सर जैसी समस्या पनप सकती है। कई बार पेट में अल्सर की दिक्कत बेहद दर्दनाक हो सकती है।

पेप्टिक अल्सर होने के लक्षण

पेट में अल्सर होने के दौरान नाभि के ऊपर या ऊपरी पेट में दर्द और जलन महसूस होता है। खाली पेट या खाना खाने के बाद ये दर्द अधिक बढ़ सकता है। गैस, अपच ,उल्टी और मतली जैसी समस्या, पेट में सूजन, एसिड रिफ्लक्स यानी खट्टी डकारें, एनीमिया, जल्दी थकान महसूस होना, सांस लेने में दिक्कत, काले रंग का मल और कब्ज जैसे लक्षण पेट में अल्सर होने पर नजर आ सकते हैं। ये परेशानियां अगर लगातार बनी रहती है तो इन संकेतों अनदेखा करने की गलती ना करें।

पेट में अल्सर होने के कारण

पेट में अल्सर होने की वजह नॉनस्टेरॉयडल एंटी इन्फ्लेमेटरी दबाएं और हेलिकोबेक्टर पाइलोरी बैक्टीरिया इंजेक्शन का ज्यादा उपयोग करना बताया जाता है। वहीं, बुखार, खांसी और जुकाम होने पर जो लोग जल्दी-जल्दी एंटीबायोटिक दवाइयां खाते हैं उन्हें भी अल्सर की समस्या होने का खतरा होता है। इसलिए मेडिकल प्रिसक्रिप्शन के बगैर कभी दवाइयों का सेवन करने से बचना चाहिए। पेट में अल्सर होने के लिए यह दो कारण ही मुख्य माने जाते हैं।

अल्सर में क्या खाएं और क्या करें परहेज

एक रिसर्च के मुताबिक इस कंडीशन में चाय-कॉफी, कुकीज, रिफाइंड ऑयल, खट्टी चीजें, प्रोसैस्ड फूड्स, मस्टर्ड सीड्स, टमाटर, जायफल और बहुत गर्म या बहुत ठंडी चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए। रेगुलर दही का सेवन करने से पेट के अल्सर में राहत मिलती है और इसके होने के चांसेस काम होते हैं। अल्सर होने पर प्रोबायोटिक, प्रोबायोटिक्स, सेब, तोरी, लौकी, गाजर, ब्रोकली, गोभी, फर्मेंटेड फूड और चोकर युक्त आटे को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। यह इस सभी इस बीमारी को खत्म करने में आपकी मदद कर सकते हैं।

तेजी से वजन कम होना

अल्सर की शिकायत होने पर भूख कम लगती है और कम खाना-खाने पर भी पेट भरा-भरा महसूस होता है। सीने में जलन रहती है और अगर मल का रंग गहरा हो जाए या मल में खून आने लगे तो यह प्रमुख लक्षण गंभीर अवस्था को दर्शाते हैं। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। इसके लिए कुछ घरेलू उपाय भी असरदार साबित होते हैं।

पेट दर्द और एसिड रिफ्लेक्स

पेट के अल्सर की वजह से होने वाला दर्द अक्सर पेट में जलन और सूजन की समस्या पैदा करता है। इसमें कई घंटे दर्द बना रह सकता है। कुछ अपच की दवाओं को लेने से यह दर्द कुछ समय के लिए कम हो सकता है लेकिन अगर सही इलाज ना मिले तो दर्द लौट भी सकता है। बिना वजह अगर आपको लगतार एसिड रिफ्लेक्स की समस्या महसूस हो रही है तो ये पेप्टिक अल्सर के गंभीर लक्षण हो सकते है। अगर आपके पेट में अल्सर है तो एसिड रिफ्लेक्स उसको ट्रिगर कर सकता है।

हर एक मोहल्ले में महिलाओं को एक कॉमन बात करते हुए जरूर सुना होगा कि घर में चूहे बढ़ते जा रहे हैं समझ नहीं आता कि क्या करें। कभी कपड़े खाकर नुकसान कर रहे हैं तो कभी खाना बर्बाद करके दिमाग खराब कर रहे हैं। मन करता है कि चूहे मारने की दवा रख दें, लेकिन लगता है कि चूहे मारने से पाप लगेगा। इस तरह की समस्या और सवाल हर एक महिला का होता है।अगर आपकी नाक में भी चूहों ने दम करके रखा है तो अब इन्हें बिना मारे ही घर से भगाने का तरीका जान लीजिए। बाजार में सिर्फ 10 रूपये की मिलने वाली पाउडर चूहों को आपके घर से दूर रख सकती है। अब आप सोच रहे होंगे कि इसका इस्तेमाल किस तरह से करना होगा। तो चलिए हम आपको फिटकारी से घर के चूहों को भगाने का तरीका बताते हैं।

फिटकरी से क्यों डरते हैं चूहे ?

सबसे पहले आपको यह जानना चाहिए कि आखिर चूहे फिटकरी से दूर क्यों भागते हैं। तो आपको बता दें फिटकरी की तीखी गंध और स्वाद चूहों को बिलकुल भी पसंद नहीं आती है। इसलिए रास्ते में फिटकरी दिखने पर चूहे अपना मार्ग ही बदल लेते हैं। ऐसे में फिटकरी का इस्तेमाल करने से चूहे आपके घर में एंट्री ही नहीं करेंगे।

फिटकरी के पाउडर का छिड़काव

चूहों को भगाने के लिए फिटकारी को इस्तेमाल करने का सबसे आसान तरीका है कि आप फिटकारी का पाउडर खरीद लीजिए या 10 रुपये में मिलने वाली फिटकरी का पाउडर बना लाजिए। अब सबसे पहले इस पाउडर घर को मेन गेट पर छिड़क दीजिए। ताकि उत्पाती चूहों का घर में आना बैन हो सके।

फिटकरी की गोली भी आएंगी काम

आप चाहें तो फिटकरी की गोली बनाकर भी यूज कर सकते हैं। इन्हें आप घर के कोनों, किचन और अलमारी में रख दीजिए। इसके अलावा उन जगहों पर भी रख सकते हैं जहां चूहे सबसे ज्यादा नजर आते हैं। खाने के सामान को चूहों से बचाने के लिए इनके आस-पास फिटकारी का पाउडर छिड़क दें, ताकि चूहे भोजन बर्बाद ना करें।

फिटकरी का स्प्रे भी है कामगार

अपने घर में चूहों का आतंक कम करने के लिए आप फिटकारी को पानी में मिलाकर छिड़काव भी कर सकते हैं। इसके लिए फिटकारी के पाउडर को एक स्प्रे वाली बोतल में पानी के साथ डालिए। फिर चूहों के आने वाले रास्ते और उन जगहों पर छिड़क दीजिए जहां ये सबसे ज्यादा दिखते हैं। यह तरीका भी आपके बहुत काम आ सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

फिटकरी का उपयोग करते वक्त आपको सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि इसकी वजह से स्किन और आंखों को नुकसान पहुंच सकता है। इसके अलावा आप रोजाना किचन को साफ करें और खाद पदार्थों को सीलबंद डिब्बों में रखें। साथ ही किचन की दरारें और छेदों को भी बंद कर दें। ताकि चूहों को घर के अंदर आने की जगह ही ना मिले।

खिल उठेगा चेहरा और रंग हो जाएगा एकदम साफ, किचन में रखा ये आटा दिखाएगा अपना कमाल

इसमें कोई दो राय नहीं है कि हम अपने चेहरे जो कुछ भी लगाते हैं वो रंग को साफ करने और निखार लाने के लिए करते हैं। ऐसे में अगर हम कहें कि आपके किचन में ही एक ऐसी चीज रखी हुई है जो न सिर्फ फेस पर निखार लाने का काम करेगी, बल्कि दाग-धब्बों को साफ कर स्किन को सॉफ्ट बनाने में भी मदद करेगी।

जी हां ऐसी एक चीज है और वो है हम सभी के घर में रखा चावल का आटा। चावल का आटा न सिर्फ खाने के काम आता है बल्कि इसके अनगिनत फायदों के लिए इसे ब्यूटी रूटीन में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसकी नेचुरल प्रॉपर्टी त्वचा को पोषण देने और उसे स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। आइए जानते हैं कि चेहरे पर चावल का आटा लगाने से क्या होता है और आप इसे चेहरे पर कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं।

चेहरे पर चावल का आटा लगाने से क्या होता है?

चावल का आटा कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है जैसे विटामिन बी, ई और मिनरल्स। ये पोषक तत्व त्वचा को स्वस्थ, जमा हुई गंदगी को साफ करने और हेल्दी बनाए रखने में मदद करते हैं। साथ ही ये हमारी स्किन त्वचा पर एक प्रोटेक्टिव लेयर बनाता है जो स्किन से धूल-मिट्टी और प्रदूषण से बचाने में मदद करता है। आइए जानते हैं राइस फ्लोर फेस पैक बनाने का तरीका।

फेस पैक बनाने के लिए क्या चाहिए?

चावल का आटा- 2 चम्मच

शहद- 2 चम्मच

दही 2 चम्मच

पानी- जरूरत अनुसार

नोट- आप चाहें तो पानी की जगह गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस बात का भी ध्यान रखें किसी भी नुस्खे को इस्तेमाल कर सकते हैं।

चावल के आटे से फेस पैक बनाने का तरीका

सबसे पहले एक कटोरी लें और उसमें चावल का आटा, दही और शहद को फेंटकर अच्छे मिक्स कर लें। इसके बाद अगर आपका बनाया पेस्ट गाढ़ा हो गया है तो आप आप उसमें जरूरत अनुसार पानी मिक्स कर सकते गैं। लीजिए तैयार है आपको बनाया चेहरे पर निखार लाने वाला ये नुस्खा।

चावल के आटे के अन्य इस्तेमाल

बता दें कि चावल का आटा कई तरीकों से इस्तेमाल किया जा सकता है। आप चाहें तो इसे दही में मिलाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

अगर आपके बालों का झड़ना कम नहीं हो रहा है तो बुआ के बताएं लड्डुओं को जरूर ट्राई करें। चावल के आटे का फेस पैक लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। अगर आपको कोई एलर्जी है, तो चावल के आटे का इस्तेमाल न करें। आप इस नुस्खे को हफ्ते में 2-3 बार लगा सकते हैं।

'खराब काम करने वालों को करेंगे सिस्टम से बाहर'

गडकरी ने अफसरों को लगाई फटकार फिर बोले-अच्छे अफसरों को पुरस्कृत करेंगे

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं, लेकिन इस बार वो इस वजह से चर्चा में हैं कि उन्होंने मंच से ही अफसरों को फटकार लगा दी। नितिन गडकरी ने ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे के रखरखाव पर नाराजगी जाहिर करते हुए मंच से अफसरों को फटकार लगाई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने रोड तो बहुत बना लिए। अब खराब काम करने वालों को सिस्टम से बाहर करना है।

गडकरी ने मंगलवार को ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस के दुहाई इंटरजेंच पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि अच्छा काम करने वालों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पेरिफेरल रोड पर मैं बहुत दिनों के बाद आया हूं। हमारे रोड का काम बहुत अच्छा हुआ है, अब मेरी इच्छा है कि मेरे हाथ से बहुत लोग रिटायर हों, काम न कर पाएं। कुछ कॉन्ट्रैक्टर ब्लैकलिस्टेड हों, कुछ की बैंक गारंटी जब्त हो। आज देखा मैंने रोड, बहुत गंदा मैंटेनेंस था। हम आपको छोड़ेंगे नहीं। जो गंदा काम करेंगे उनकी बैंक गारंटी जब्त करने के बाद हम उनको ब्लैकलिस्ट कर देंगे। उनके टेंडर भरने नहीं देंगे।

नितिन गडकरी ने कहा कि हम कुछ अवॉर्ड शुरू करेंगे, जिन्होंने प्लांटेशन अच्छा किया है। उस एजेंसी को हर साल पुरस्कार देंगे। जो अच्छा काम करेगा उसे पुरस्कार मिलेगाा और खराब काम करेगा उसे सिस्टम से बाहर करेंगे। उसे टिकने नहीं देंगे। हमने अभी सभी टॉयलेट की जांच करने को भी कहा है, जो अच्छा काम नहीं करेगा, भले ही विदेशी कंपनी हो उसे ब्लैकलिस्ट करेंगे। जो अच्छा काम करेंगे उन्हें पुरस्कार देंगे। माला पहनाएंगे और सर्टिफिकेट देंगे। गडकरी ने कहा कि वह और उनके राज्यमंत्री अब सड़कों की जांच के लिए निकलेंगे और खराब काम करने वालों को बाहर किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि रोड का रिकॉर्ड बहुत हो गया है। अब हम विश्व का सबसे बड़ा नेटवर्क बन गए हैं।

ऑलटाइम हाई बनाकर गिरा बाजार

सेंसेक्स 131 अंक गिरकर 82,948 पर बंद

मुंबई, 18 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के फेडरल रिजर्व की अहम मीटिंग से पहले सेंसेक्स ने आज यानी 18 सितंबर को 83,326 और निफ्टी ने 25,482 का नया ऑल टाइम हाई बनाया। हालांकि, बाद में बाजार में गिरावट आई और सेंसेक्स 131 अंक की गिरावट के साथ 82,948 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 41 अंक की गिरावट रही, ये 25,377 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में गिरावट और 11 में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 33 में गिरावट और 17 में तेजी रही। एनएसई के सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा 3.05% की गिरावट रही। वहीं, फार्मा सेक्टर 1.53%, हेल्थकेयर में 1.3 1% और ऑयल एंड गैस सेक्टर में 1.02% की गिरावट रही। जबकि, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में सबसे ज्यादा 1.40% की तेजी रही।

अनिल अंबानी को दोहरी खुशी!

रिलायंस इन्फ्रा ने चुकाया कर्ज, रिलायंस पावर का शेयर अपर सर्किट में

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। दिवालिया हो चुके कारोबारी अनिल अंबानी के लिए बड़े दिनों बाद गुड न्यूज आई है। उनकी कंपनी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने अपना अधिकांश कर्ज चुका दिया है जबकि रिलायंस पावर का शेयर एक बार फिर अपर सर्किट में चला गया। रिलायंस इन्फ्रा ने बुधवार को बताया कि उसने अपने स्टैंडअलोन एक्सटनल डेट में 806% की उल्लेखनीय कमी की है। यह राशि 3,831 करोड़ रुपये से घटकर 475 करोड़ रुपये रह गई है। इससे कंपनी के शेयरों में सात फीसदी से अधिक तेजी आई। बीएसई पर यह कारोबार के दौरान 254.40 रुपये प्रति तक चला गया था।

मुंबई मुख्यालय वाली रिलायंस इन्फ्रा ने घोषणा की कि उसके ऋणदाताओं में से एक इन्वेंट एसेट्स सिक्यूरिटाइजेशन एंड रीकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड ने अपने बकाये की वसूली के लिए कुछ चार्ज की गई प्रतिभूतियों का नवीनीकरण किया है। इससे इन्वेंट एआरसी की फंड-आधारित बकाया राशि पूरी तरह से जीरो हो गई है। रिलायंस इन्फ्रा ने यह बताया कि उसने ए ल आ ई सी , एडलवाइस एसेट रीकंस्ट्रक्शन कंपनी, आ ई सी आ ई सी आ ई बैंक, यूनियन बैंक और कई अन्य ऋणदाताओं सहित प्रमुख वित्तीय संस्थानों को अपने फंडेड आउटस्टेंडिंग बकाये का पूरा भुगतान कर दिया है। कंपनी के लिए कर्ज में यह बड़ी कमी एक बड़ी उपलब्धि है।

एलआईसी का कर्ज

साथ ही रिलायंस इन्फ्रा ने एनएसडी बकाये के निपटारे के लिए एलआईसी के साथ वन टाइम सेटलमेंट भी किया है। यह राशि 600 करोड़ रुपये की है। साथ ही कंपनी ने एनसीडी के संबंध में एडलवाइस का भी 235 करोड़ रुपये का पूरा भुगतान कर दिया है। बाहरी कर्ज में कमी के साथ रिलायंस इन्फ्रा की कुल नेटवर्थ करीब 9,041 करोड़ रुपये रहने की उम्मीद है।

5860 करोड़ रुपये का कर्ज : टिफिन बॉक्स समेत किचनवेयर आइटम बनाने वाली कंपनी टपरवेयर हुई दिवालिया!

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। टपरवेयर को किचनवेयर आइटम बनाने के लिए जाना जाता है। कंपनी के लंच बॉक्स, पानी की बोतल और दूसरे आइटम काफी इस्तेमाल किए जाते हैं। साथ ही किचन का सामान रखने के लिए कंपनी के एयरटाइट प्लास्टिक कंटेनर लगभग हर घर में मिलते रहे हैं। लेकिन अब कंपनी प्रतिस्पर्धा की दौड़ में पिछड़ गई है। कंपनी पर 70 करोड़ डॉलर (करीब 5860 करोड़ रुपये) का कर्ज हो गया है। बिक्री में गिरावट और कर्ज चुकाने में नाकाम रहने पर इस कंपनी ने अपनी कुछ सहायक कंपनियों के साथ अमेरिका में दिवालियापन के लिए आवेदन किया है। टपरवेयर अमेरिका की कंपनी है। इसकी शुरुआत 1946 में हुई थी। किचन में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक के रंग-बिरंगे बर्तनों लिए टपरवेयर एक लोकप्रिय ब्रांड रहा है। भारत समेत दुनियाभर के कई देशों में इसके प्रोडक्ट मिलते हैं। हमारे सहयोगी इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में इस कंपनी को बाजार में उपभोक्ताओं के बीच अपनी लोकप्रियता बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। प्रोडक्ट की बिक्री में आई कमी के कारण कंपनी को अब काफी घाटा हो रहा है।

सोना 222 गिरकर 73,054 पर आया

चांदी 369 कम होकर 87,168 प्रति किलो

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 18 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, बुधवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 222 रुपए गिरकर 73,054 रुपए पर आ गया। इससे पहले इसके दाम 73,276 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं चांदी में भी आज गिरावट है। ये 369 रुपए कम होकर 87,168 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। इससे पहले चांदी 87,537 रुपए पर थी। इस साल सोना मई में 74,222 प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुका है। वहीं, चांदी 29 मई को 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी। आईबीजेए के अनुसार, इस साल अब तक सोने के दाम 9,702 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 73,054 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 88,028 रुपए पर पहुंच गए हैं।

साल के आखिर तक 78 हजार तक जा सकता है सोना

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल में सोना के 78 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

कर्मचारियों के 350 करोड़ 'खा' गई स्पाइसजेट एयरलाइन कंपनी!

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। अपना वजूद बचाने के लिए जूझ रही एयरलाइन स्पाइसजेट की मुश्किलें बढ़ती जा रहा है। कंपनी ने अप्रैल 2020 से अगस्त 2023 के बीच कर्मचारियों के वेतन से काटे गए लगभग 220 करोड़ रुपये के टीडीएस का पेमेंट टैक्स अधिकारियों को न करने की बात स्वीकार की है।

साथ ही कंपनी ने इसी अवधि में कर्मचारियों के 135.3 करोड़ रुपये से अधिक का पीएफ भी नहीं चुकाया है। बीएसई में दाखिल एयरलाइन के प्रीलिमिनरी प्लेसमेंट डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 से 2013-14 के लिए लगभग 72 करोड़ रुपये का टीडीएस विवादित है। इसके अतिरिक्त एलसीसी ने सीमा शुल्क, सेवा कर और जीएसटी के महत्वपूर्ण बकाये को 'विवादित' के रूप में लिस्ट किया है। एयरलाइन महीने के अंत तक 3,000 करोड़ रुपये जुटाने की कोशिश कर रही है ताकि वह अपना अस्तित्व बचाए रख सके। पीपीडी में कहा गया है कि हमारी फाइनेंशियल स्थिति के कारण हम अपने कई एयरक्राफ्ट लीज समझौतों के तहत कथित रूप से चूक कर रहे हैं। इस कारण हमारे बेड़े के कई विमान ग्राउंडेड हैं।

इस तरह की कथित चूक के कारण हमें लीज पर विमान देने वाली कंपनियों और अन्य वेंडर्स ने हमारे खिलाफ कानूनी या प्रवर्तन कार्यवाही शुरू की है। इससे कंपनी के बिजनस, वित्तीय स्थिति और ऑपरेशन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। एयरलाइन ने अपने बेड़े के आधे से अधिक विमानों को जमीन पर खड़ा कर दिया है।

अगले दो दशकों में भारत वैश्विक ऊर्जा मांग में 25% का योगदान देगा : हरदीप पुरी

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के ऊर्जा मंत्री हरदीप पुरी ने ह्यूस्टन में विश्व की ऊर्जा जरूरतों पर विचार-विमर्श के लिए आयोजित एक बहुराष्ट्रीय सम्मेलन में कहा कि अगले दो दशकों में भारत वैश्विक ऊर्जा मांग में 25 प्रतिशत का योगदान देगा। 52वीं गैसटेक प्रदर्शनी और सम्मेलन मंगलवार को जॉर्ज आर ब्राउन कन्वेंशन सेंटर में भारत सहित विश्व के पांच प्रमुख ऊर्जा मंत्रियों की रणनीतिक अंतर्दृष्टि के साथ शुरू हुआ। 'विजन, नवाचार और कार्रवाई के माध्यम से ऊर्जा में परिवर्तन' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में वैश्विक ऊर्जा स्थिरता और तीव्र डीकार्बोनाइजेशन की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया गया। अपने मुख्य भाषण में केन्द्रीय पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में भारत की बढ़ती प्रभावशाली भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा, यदि वैश्विक मांग एक प्रतिशत बढ़ रही है, तो हमारी मांग तीन गुना तेजी से बढ़ रही है। अगले दो दशकों में भारत ऊर्जा मांग में वैश्विक वृद्धि में 25 प्रतिशत का योगदान देगा। उन्होंने भारत की चुनौती को ऊर्जा त्रिविधता₹ के रूप में प्रस्तुत किया।

रिपोर्ट : हर साल 10 करोड़ कमाने वाले 63 फीसदी बढ़े

> 58200 भारतीयों की कमाई पांच करोड़ रुपये से अधिक

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। देश में अमीरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हर साल 10 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करने वालों की संख्या पिछले पांच वर्षों में 63% बढ़कर करीब 31,800 पहुंच गई है। इस दौरान सालाना पांच करोड़ रुपये से ज्यादा कमाने वालों की संख्या में 49 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इनकी संख्या बढ़कर 58,200 पहुंच गई है।

सेंट्रम इंस्टीट्यूशनल रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में करीब 10 लाख ऐसे लोग हैं, जिनकी सालाना आय 50 लाख से अधिक है। ऐसे लोगों की संख्या में पिछले पांच वर्षों में 25 फीसदी का इजाफा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2018-19 से 2023-24 के बीच अमीरों की कमाई तेजी से बढ़ी है। यह इसलिए भी अहम है, क्योंकि इसी दौरान कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को आर्थिक क्षेत्र में काफी नुकसान पहुंचाया था। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमीर लोगों की बढ़ती संख्या के साथ उनकी संयुक्त आय भी तेजी से बढ़ी है। 10 करोड़ से अधिक कमाने वाले 31,800 लोगों की कुल आय वित्त वर्ष 2018-19 से 2023-24 के बीच 121% की सालाना चक्रवृद्धि दर से बढ़कर 38 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई है। पांच करोड़ रुपये अधिक कमाने वालों की संयुक्त आय पांच साल में 106 फीसदी बढ़कर 40 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई है। 50 लाख रुपये से अधिक कमाने वालों के पास कुल 49 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है, जो पांच साल में 64 फीसदी बढ़ी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्तीय संपत्तियों के प्रबंधन में भारत उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी पीछे है।

उद्योग जगत ने भारत में चीन के स्टील की डंपिंग होने पर जाहिर की चिंता

कहा-एफटीए की हो समीक्षा

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। अगस्त 2024 के लिए भारत के आयात-निर्यात से जुड़े जो आंकड़े सामने आए हैं उस पर बाजार ने मिली-जुली प्रतिक्रिया दी है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने निर्यात में भारत के लचीलेपन की प्रशंसा की। चैंबर ने अप्रैल से अगस्त 2024 के बीच कुल निर्यात में सालाना आधार पर 5.3 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि को अहम बताया। इस अवधि के दौरान माल और सेवाओं के निर्यात का संचयी मूल्य 374.3 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया, जो 2023 की इसी अवधि में 350.1 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक है। पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने इस वृद्धि का श्रेय इलेक्ट्रॉनिक सामान, चाय, कॉफी, मसालों और अनाज के बढ़ते निर्यात को दिया। उन्होंने भारत की आपूर्ति शृंखलाओं के मजबूत होने के साथ निर्यात में निरंतर मजबूती का आने का अनुमान जताया। अग्रवाल ने कहा, हम चालू वित्त वर्ष में एक शानदार निर्यात वृद्धि की उम्मीद करते हैं। जैसे-जैसे भारत की आपूर्ति शृंखलाएं मजबूत होती जाती हैं, वैसे-वैसे चालू वित्त वर्ष में निर्यात भी बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एफआईईओ) ने अगस्त के माल निर्यात आंकड़ों से जुड़ी अधिक सतर्क तस्वीर पेश की। अगस्त में सालाना आधार पर देश का 9 प्रतिशत से अधिक घटकर 34.71 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया। एफआईईओ के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने इस तीव्र गिरावट के पीछे का कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, कमोडिटी की गिरती कीमतों और रसद चुनौतियों को बताया है। उन्होंने यह भी बताया कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में व्यवधानों के साथ-साथ कच्चे तेल और धातु की कीमतों में गिरावट ने माल निर्यात को नुकसान पहुंचाया है। इसके अतिरिक्त, उच्च माल ढुलाई लागत और शिपिंग से जुड़ी कठिनाइयों ने कुछ निर्यातकों को घरेलू बाजारों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर किया है। कुमार ने कहा, कच्चे तेल और धातु की कीमतों में गिरावट के साथ-साथ चल रहे अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवधानों ने भी निर्यात के मूल्य को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अब सीआईएसएफ कैंटीन से आम जनता भी खरीद सकेगी घरेलू सामान

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने आम जनता के जीवन को आसान बनाने और आम जनता के हित में एक नया काम शुरू किया है। सीआईएसएफ ने अपने केंद्रीय पुलिस कल्याण स्टोर यानी कैंटीन से आम जनता को घरेलू सामान मुहैया कराने का फैसला किया है। आम जनता को भी जवानों की तरह सभी सामानों पर छूट मिलेगी। फिलहाल इसकी शुरुआत मणिपुर से की गई है। यहां जवानों के लिए 21 केंद्रीय पुलिस कल्याण स्टोर पहले से चल रहे हैं। आम जनता इन स्टोर पर जाकर अपने लिए जरूरी सामान ले सकती है। इन 21 कैंटीनों के अलावा स्थानीय लोगों के लिए 16 नए आउटलेट भी खोले गए हैं। यह योजना केंद्रीय गृह मंत्रालय की पहल पर शुरू की गई है। जल्द ही इसे दूसरे राज्यों में भी शुरू किया जाएगा। सीआईएसएफ ने इंफाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक नया सहायक स्टोर भी शुरू किया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति

ग्रह	राशि	
सूर्य-	कन्या	मे
चंद्र-	मीन	मे
मंगल	मिथुन	मे
बुध-	सिंह	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	कन्या	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय

लग्न	समय
कन्या..	06-01 बजे
तुला...	08-07 बजे
वृश्चिक	10-17 बजे
धनु-	12-30 बजे
मकर...	14-33 बजे
कुंभ--	16-28 बजे
मीन-	18-05 बजे
मेष---	18-41 बजे
वृष---	21-26 बजे
मिथुन	23-26 बजे
कर्क--	01-40 बजे
सिंह---	03-54 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय - 06-08
सूर्यास्त. -18-12
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया 00-40 तक उपरान्त तृतीया
मास - आश्विन कृष्ण , गुरुवार 19 September
नक्षत्र - उ.भाद्रपद 08-04 तक रेवती
योग - वृद्धि 19-18 तक उप धुव्र
करण- तैतिल 14-28 तक उप गर
विशेष:- व्रत -त्योहार - द्वितीया श्राद्ध

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:41 से 15:12 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06:08 - 07:37	शुभ	अमृत	18:12 - 19:43	शुभ
रोग	07:37 - 09:08	अशुभ	चंचल	19:43 - 21:12	शुभ
उत्पात	09:08 - 10:39	अशुभ	रोग	21:12 - 22:41	अशुभ
चंचल	10:39 - 12:10	शुभ	काल	22:41 - 00:10	अशुभ
लाभ	12:10 - 13:41	शुभ	लाभ	00:10 - 01:39	शुभ
अमृत	13:41 - 15:12	शुभ	उत्पात	01:39 - 03:08	अशुभ
काल.	15:12 - 16:43	अशुभ	शुभ.	03:08 - 04:37	शुभ
शुभ	16:43 - 18:12	शुभ	अमृत.	04:37 - 06:08	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): आप अन्दर से डरे हुए से हैं। यह जान लें कि इन मुद्दों से घबराने की जरूरत नही है। इन वर्तमान समस्याओं के कई कारण हैं और इनके लिए दुसरे जिम्मेदार हैं,आप नहीं। ये छोटी बातें जल्दी ही सुलझ जायेंगी। अपने आपको राहत देने के लिए किसी मनोरंजक कार्यकलाप की योजना बनाएं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आप अपने विस्तृत होते हुए परिवेश के बारे में बहुत अच्छा अनुभव करेंगे लेकिन आपके परिजन इसी को लेकर निराश होंगे। जो आप करना चाहते हैं ,उसके लिए स्वयम को समर्पित कर दें। पर्दे के पीछे काम न करें,आप जो भी कर रहे हैं,उसके बारे में जानने दें। अपनी जीवन में आये किसी नए दोस्त से आपको काफी लगाव का अनुभव होगा।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): आज आपकी किस्मत चमकने का दिन है। सितारे कहते हैं कि आज आपको कोई विशेष काम करना पड़ सकता है। आज अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को खुश कर दें,आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा। फिर भी आज किसी को उधार ना दें ,वापस नही मिल पायेगा।स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्कतें आज नही होंगी।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं। यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे। आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है। उनके साथ अच्छा समय बिताएं। यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है। अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी। आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा। आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे। आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आपके आस पास कोई आपको व्यर्थ के पावर गेम में उलझाने की कोशिश करेगा। इससे बचने का रास्ता यही है कि आप खुद पर नियंत्रण रखकर ठंडे दिमाग से काम लें और किसी और की चालों का शिकार न बनें। इससे आप व्यर्थ की परेशानियों से भी बच जायेंगे। अगर आप सावधान रहेंगे तो बहुत सुंदर और चिंतामुक्त दिन गुजार सकते हैं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): कुछ मामूली समस्याओं का आपको सामना करना पड़ सकता है, जिससे की अपने कार्यस्थल पर शांति से कार्य करने में बाधा आ सकती है। आज आपको धैर्य की एक बड़ी मात्रा की जरूरत है खासकर जब आप अपने सहकर्मी के साथ कार्य करे। क्रोध को दूर रखे बल्कि उसके साथ समझदारी से निपटे ताकि आपके पूरे समूह के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव न पडे।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आपके परिवारवालों को नजदीकी संबंधियों से होने वाली परेशानी के कारण आपको भी प्रतिबंधों का सामना करना होगा। ये लम्बे समय तक नही रहेंगे लेकिन आपको काफी प्रभावित करेंगे,इसीलिए इनके प्रभाव से बचने की कोशिश करें। आज आप कोई घरेलू उपयोग का उपकरण खरीदेंगे ,या घर की नियमित साफ़-सफाई के चलते कम उपयोगी सामान को बेच देंगें।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आज का दिन आपकी वित्तीय स्थिति एवं करियर में तरक्की का दिन है ,लेकिन इन सबके लालच में अपने परिवार की उपेक्षा ना करें। दरअसल आज आप अपने भीतर आध्यात्मिकता का भी अनुभव करेंगे। इन दोनों शक्तियों के बीच उलझा हुआ अनुभव भी करेंगे लेकिन अंतत दोनों में संतुलन बना पाने में कामयाब होंगे।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): ग्रहों की स्थिति आपके पक्ष में है,दिन की शुरुआत अच्छी होगी ,विशेषत दोपहर से पहले। अपने ऑफिस सम्बन्धी कामों की योजना अगर हो सके तो दोपहर से पहले ही बनाएं,सफलता की सम्भावना अधिक है। शाम को या तो कुछ न करें या कोई हल्का-फुल्का काम करें। कोई अप्रत्याशित व्यक्ति आपसे मिलने आ सकता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आपकी सोच आज अद्भुत रूप से साफ़ और स्पष्ट है और आज आप अपने कार्यों के आने वाले समय में लाभ का बिलकुल ठीक अंदाजा लगा पायेंगे। इसीलिए आज का दिन आपके रास्ते में आने वाले अवसरों और निवेश का मुलांकन करके किसी सही निर्णय पर पहुंचने के लिए बिलकुल ठीक है। आप आज अपने आसपास के लोगों में से भी अपने शुभचिंतकों को पहचान पायेंगे।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आप व्यवसायिक या निजी कारणों से यात्रा कर सकते हैं। हालाँकि इस समय आपके लिए यात्रा करना मुश्किल होगा लेकिन आप कर पायेंगे और इससे आपको लाभ भी होगा। जो लोग पहले आपकी उदारता को नही समझते थे ,अब उन्हें भी इसकी कीमत समझ आएगी।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

घुसपैठ मामले की ईडी करेगी जांच

पीएमएलए के तहत दर्ज किया केस, झारखंड पुलिस की एफआईआर को बनाया आधार, मनी लान्ड्रिंग की शंका

रांची, 18 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में घुसपैठ का मुद्दा गरमाया हुआ है। राजनीतिक स्तर इसे लेकर बयानबाजी तो होती ही रही है, वहीं हाईकोर्ट भी इस मसले को लेकर सुनवाई कर रहा है। अब इस मामले में ईडी भी शामिल हो गई है।

ईडी इसे बांग्लादेशी महिलाओं की तस्करी और संदिग्ध घुसपैठ में मनी लान्ड्रिंग की शंका पर जांच करेगी। इसके लेकर ईडी ने पीएमएलए के तहत केस भी दर्ज कर लिया है। ईडी ने इसके लिए झारखंड सरकार की ओर से दर्ज कराए गए एक एफआईआर को आधार बनाई है।

दरअसल, बांग्लादेशी महिलाओं के जरिए जिस्मफरोशी कराने के कई मामले झारखंड पुलिस के सामने आए हैं। ऐसा ही एक मामला राजधानी रांची के बरियातू थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने इलाके के हिल व्यू रोड वाली रिजॉर्ट से तीन संदिग्ध बांग्लादेशी युवतियों की गिरफ्तारी जून महीने में की थी। गिरफ्तार तीनों युवतियों की पहचान बांग्लादेश के चटग्राम की रहने वाली निंपी बिरूआ, समरीन अख्तर व निपा अख्तर के रूप में हुई थी। तीनों ही युवतियों ने पुलिस को बताया था कि उन्हें मनीषा राय नामक की एक अन्य लड़की की मदद से कोलकाता लाया गया था। जहां से वे रांची आई थी। उन्हें ब्यूटी सैलून में जॉब दिलाने की बात कही गई थी, लेकिन यहां उनसे जिस्म फरोशी कराई जाने लगी। पुलिस ने गिरफ्तार बांग्लादेशी युवतियों से मिली जानकारी के आधार पर बरियातू थाने में चार जून को एफआईआर (संख्या 188/2024) दर्ज किया है। रांची के बरियातू थाने में आईपीसी 1860 की धारा 420, 467, 468, 471 और 34, पासपोर्ट अधिनियम 1967 की धारा 12, विदेशी अधिनियम 1946 की धारा 14-ए के तहत यह केस दर्ज हुआ था।

ईडी इस मामले को बांग्लादेशी महिलाओं की तस्करी, घुसपैठ और इसके जरिए मनी लान्ड्रिंग की संभावना मानते हुए पीएमएलए के तहत केस दर्ज की। अब ईडी इसे लेकर जांच करेगी।

दर्ज एफआईआर के मुताबिक पकड़ी गई बांग्लादेशी युवतियों को भारतीय नागरिकता स्थापित करने के लिए फर्जी दस्तावेज उपलब्ध गए। ईडी की माने तो कई व्यक्ति अवैध घुसपैठ, फर्जी पहचान प्रमाण बनाने से संबंधित कानूनी गतिविधियों में शामिल हैं।

ऐसे में बांग्लादेश से भारत में ऐसे व्यक्तियों की अवैध घुसपैठ और ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले एजेंटों के संबंध में जांच करना जरूरी है, जिनका उद्देश्य ब्लैक मनी बनाना और अन्य आपराधिक गतिविधियां करना है। इसके लिए एक व्यापक जांच जरूरी है।

कोयल नदी उफान पर

भीम बराज के 36 गेट खोले गए, 2 लाख 80 क्यूसेक पानी रिलीज, 6 जिलों में बारिश का अलर्ट

रांची, 18 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में बारिश के बाद कई जिलों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। सबसे बुरे हालात पलामू के हैं। यहां कोयल नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। भीम बराज के 36 गेट खोलकर 2 लाख 80 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिससे मोहम्मदगंज के पास सैकड़ों एकड़ धान की फसल और सहार बिहरा गांव जलमग्न हो गए है। बाढ़ के पानी से सहार बिहरा गांव पूरी तरह डूब गया है। मोहम्मदगंज रविवारीय बाजार के आसपास के खेतों में सैकड़ों एकड़ धान की फसल डूब गई है, जिससे किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी ओर लोहरदगा में कुडू प्रखंड में लगातार बारिश से दक्षिण कोयल नदी उफान पर है। साफी नदी पुल के ऊपर पानी बह रहा है। जिस वजह से आवागमन बाधित हो गया है। इस बीच मौसम विभाग ने आज भी छह जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

युवक के जहर पीने का लाइव वीडियो

मौत से पहले पत्नी से मांगी माफी, बोला– तुम्हारी गोद पर सिर रखकर मरना चाहता हूं

जांजगीर-चांपा, 18 सितंबर (एजेंसियां)। मैं तुम्हारे बगैर नहीं जी सकता। मरने से पहले मेरी दो इच्छा है, अगर मैं मर गया तो जिस जगह जहर पीया हूं, वहीं इंतजार करूंगा। दूसरी इच्छा- तुम्हारी गोद पर सिर रखकर मरना चाहता हूं।'

छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा में एक युवक ने जहर पीकर सुसाइड कर लिया। कीटनाशक पीते हुए उसने वीडियो भी बनाया जिसमें वो ये बातें कह रहा है। इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। घटना नवागढ़ थाना के किरित गांव की है।

किरित गांव के मुकेश कुमार धीवर (28) ने 8 साल पहले गांव के ही युवती से लव मैरिज की थी। उसके दो बच्चे भी हैं। दोनों के बीच सबकुछ ठीक चल रहा था, लेकिन किसी बात को लेकर विवाद होने लगा। उसके बाद पत्नी अपने दोनों बच्चों को लेकर मायके चली गई।

युवक ने पत्नी को मनाने की कोशिश की, पत्नी से दूर होकर पति ने अपने परिजनों से भी विवाद किया। रिश्तों मे सुधार नहीं आने पर मुकेश कुमार ने आत्महत्या का रास्ता अपना लिया। 15 सितंबर की दोपहर 3 बजे खेत में कीटनाशक दवा (ऑल क्लियर) लेकर पहुंचा।

एक लीटर की दवा में से उसने 100 एमएल एक ढक्कन में निकाली और एक बार में गटक गया। दवा पीते हुए ही उसने वीडियो बनाया।

वीडियो में उसने छत्तीसगढ़ी में कई बातें कही, उसने कहा कि, 'पाय लागी मौसा, बेटा समझ के कोई भी गलती हुई हो तो माफ कर देना। इसके अलावा मेरे पास कोई चारा नहीं है और उसको (पत्नी) भी सुना देना। वो भी अलग रहना चाहती है, तो रह सकती है। मैं परेशान हो चुका हूं। तुमको घर के लोग नहीं दिखाएंगे, लेकिन सोशल मीडिया पर तुमको वीडियो मिल जाएगा।'

'ऐसी बात नहीं है कि दोनों बच्चों को मैं नहीं पाल सकता, पाल सकता हूं, लेकिन तुमने ऐसा क्या किया है, उसको मैं नहीं जानता। तुम दिमाग से सोचती हो, लेकिन मैं दिल से सोचता हूं। मैंने कहा था कि, तुम मुझे छोड़ोगी तो मैं मर जाउंगा। मैं तुम्हें नहीं छोड़ रहा था, लेकिन तुम ही मुझे छोड़ दी। मुझे माफ करना'

दवा पीने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। जानकारी लगने पर परिजन उसे सीएचसी अस्पताल नवागढ़ ले गए, जहां शुरुआती इलाज के बाद रेफर कर दिया गया। परिजन उसका निजी अस्पताल में इलाज करा रहे थे। इस दौरान 17 सितंबर को उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

गरीबों को पांच रुपए में मिलेगा भरपेट खाना

छत्तीसगढ़ सरकार हर जिले में खोलेगी अन्नपूर्णा दाल–भात केंद्र

रायपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंगलवार को बड़ी घोषणा की है। राज्य के सभी जिलों में अन्नपूर्णा दाल-भात केंद्र श्रमिकों के लिए खोले जाएंगे। इसके साथ ही पंजीकृत श्रमिक परिवारों के बच्चों को श्रेष्ठ आवासीय विद्यालय में फ्री अध्ययन की सुविधा देने के लिए 'अटल उत्कृष्ट शिक्षा सहायता' योजना शुरू करने की घोषणा की। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि साय ने भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय श्रमिक सम्मेलन में यह घोषणा की। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में साय ने इस मौके पर श्रमिकों को विश्वकर्मा दिवस पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए 57 हजार से अधिक पंजीकृत परिवारों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 49.43 करोड़ रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में हस्तांतरित की।

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहले कार्यकाल में उन्होंने ढाई से तीन वर्ष तक केंद्र में श्रम राज्य मंत्री के रूप में काम किया। उस समय श्रमिकों को बहुत ही कम पेंशन राशि मिलती थी। प्रधानमंत्री की पहल पर यह राशि बढ़ाकर एक हजार रुपये की गई। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में श्रमवीरों को शाल और प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने श्रम विभाग द्वारा तैयार की गई कॉफी टेबल बुक 'क्रेडल्स ऑफ होप' का विमोचन किया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह, मंत्रिमंडल के सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के लिए अटल उत्कृष्ट शिक्षा सहायता योजना की घोषणा की है। इसके तहत श्रमिकों के बच्चों को अच्छे स्कूलों में फ्री शिक्षा मिलेगी। वह प्राइवेट स्कूल में भी पढ़ सकते हैं।

मां महामाया एयरपोर्ट से जल्द उड़ेंगी फ्लाइट्स

72 सीटर विमान की लैंडिंग सफल

अंबिकापुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। दरिमा स्थित मां महामाया एयरपोर्ट पर 72 सीटर विमान ने सफलतापूर्वक लैंडिंग की। अलायंस एयर का यह विमान करीब 20 मिनट तक एयरपोर्ट पर रुका और फिर उड़ान भर गया। ट्रायल सफल होने के बाद सरगुजा के लोगों में खुशी की लहर है। साथ ही जल्द ही हवाई सेवा शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है।

वहीं, विमान की सफल लैंडिंग के बाद पूर्व डेप्युटी सीएम टीएस सिंहदेव ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा कि अदभुत पल, हमारे अंबिकापुर के मां महामाया एयरपोर्ट में 72 सीटर एटीआर की सफल ट्रायल लैंडिंग। सभी क्षेत्रवासियों को बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं। यह सफल परीक्षण आने वाले समय में कई सुखद यात्राओं का सारथी बनेगा!

सरगुजा वासी लंबे समय से दरिमा एयरपोर्ट से हवाई सेवा शुरू होने का इंतजार कर रहे थे। हवाई सेवा शुरू करने से पहले एयरपोर्ट पर आवश्यक सुविधाओं का विकास किया गया और रनवे की लंबाई भी बढ़ाई गई। विमानों की लैंडिंग में कोई परेशानी न हो। लगभग एक वर्ष पहले भी यहां एक विमान की सफल लैंडिंग हो चुकी थी। विमानन सेवा से जुड़े अधिकारियों ने बताया था कि एयरपोर्ट पर लैंडिंग सुचारू है और भविष्य में यहां से हवाई सेवा शुरू की जा सकती है। कई दिनों से चली आ रही अटकलों के बीच 17 सितंबर को अलायंस एयर का 72 सीटर विमान यहां उतरा। लैंडिंग स्मूथ है, भविष्य में यहां से हवाई सेवा शुरू की जा सकती है। गौरतलब है कि 72 सीटर विमान ने मंगलवार दोपहर 2.50 बजे लैंडिंग की और करीब 20 मिनट रुकने के बाद 3.10 बजे उड़ान भर गया। इस सफल लैंडिंग के बाद अंबिकापुर से रायपुर, वाराणसी और दिल्ली के लिए हवाई सेवा शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। रूट फाइनल होते ही दरिमा एयरपोर्ट पर टिकट काउंटर भी शुरू कर दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ निगम-मंडल-आयोग की पहली लिस्ट में 16 नामों पर सहमति

इनमें म्हस्के, सिंहदेव, जूदेव सहित कई पदाधिकारी के नाम, दूसरी सूची निकाय चुनाव के बाद

रायपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में राजनीतिक नियुक्तियों का भाजपा नेताओं का इंतजार अब खत्म होने वाला है। निगम, मंडल, बोर्ड और आयोग में अध्यक्ष पद के लिए पार्टी पदाधिकारियों में सहमति बन गई है। बीजेपी सूत्रों के अनुसार, आने वाले कुछ दिनों में लिस्ट जारी होगी। पहली लिस्ट में प्रवक्ता, पूर्व मंत्री, वरिष्ठ पदाधिकारी सहित कई नाम लगभग तय हैं। इनके अलावा संजय श्रीवास्तव और केदार गुप्ता में से किसी एक को निगम या मंडल का अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा जारी है। निगम-मंडलों, बोर्ड और आयोग में नियुक्तियां दो चरणों में होगी। पहली लिस्ट में 16 नामों पर सहमति बनी है। ये लिस्ट जल्द जारी हो सकती है। वहीं दूसरी लिस्ट नगरीय निकाय चुनाव के बाद आने की संभावना बीजेपी नेताओं ने जताई है। भाजपा नेताओं के अनुसार, निगम-मंडल और आयोग के अध्यक्षों की नियुक्ति के लिए फॉर्मेट तैयार किया गया है। इसमें दावेदार की परफॉर्मेंस को प्राथमिकता दी गई है। विधानसभा और लोकसभा चुनाव के दौरान परफॉर्मेंस कैसा रहा? पार्टी ने जो काम और टारगेट दिया, उसमें कितना पूरा किया। अगस्त में निगम-मंडल के अध्यक्ष पदों की एक लिस्ट वायरल हो चुकी है। इस वायरल लिस्ट को बीजेपी नेताओं ने फर्जी करार दिया था। ये लिस्ट सोशल मीडिया में बने बीजेपी के समर्पित समूह भाजपा महाभारत चक्रव्यूह में वायरल हुई थी। लिस्ट वायरल होने के बाद पार्टी नेता दबी जुबान में चर्चा कर रहे हैं कि इनमें से कुछ को मौका जरूर मिलेगा। विधानसभा और लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए बड़े नेताओं और पदाधिकारी भी साय सरकार में निगम-मंडलों और आयोग में पद पाने के लिए जोर लगा रहे हैं।

स्कूली बच्चों को फ्री में मिलने वाली किताबें कबाड़ में मिली

छत्तीसगढ़ सरकार ने आईएएस अधिकारी राजेंद्र कटारा को सौंपी जांच

रायपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में स्कूल की किताबों का मामला गरमा गया है। पूर्व कांग्रेस विधायक विकास उपाध्याय ने आरोप लगाया है कि राज्य के सरकारी स्कूलों के लिए छपी किताबें रायपुर के एक कबाड़खाने में पड़ी हुई हैं। मामला सामने आने के बाद राज्य सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं। विकास उपाध्याय ने बताया कि ये किताबें सर्व शिक्षा अभियान और छत्तीसगढ़ टेक्स्टबुक कॉर्पोरेशन के माध्यम से छापी गई थीं।

इन किताबों को कक्षा पहली से दसवीं तक के सरकारी स्कूलों के बच्चों में मुफ्त में बांटा जाना था। उपाध्याय ने इसे 'किताब घोटाला' करार देते हुए कहा कि एक तरफ छत्तीसगढ़ में बच्चे पढ़ाई के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वहीं, उनके लिए बनी किताबें कौड़ियों के भाव कबाड़ में बेची जा रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने निजी एजेंसियों के माध्यम से आवश्यकता से अधिक किताबें छपवाई हैं, जिन्होंने करोड़ों रुपये कमाए हैं। यह करदाताओं के पैसे की लूट है। वहीं, सरकार ने मामले की जांच के लिए आईएएस अधिकारी राजेंद्र कटारा की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है।

राजेंद्र कटारा छत्तीसगढ़ टेक्स्टबुक कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक हैं। समिति में छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. योगेश शिवहरे, रायपुर शिक्षा संभाग के संयुक्त संचालक राकेश पांडे, छत्तीसगढ़ टेक्स्टबुक कॉर्पोरेशन के महाप्रबंधक प्रेम प्रकाश शर्मा और रायपुर कलेक्टर द्वारा नामित जिला प्रशासन के अधिकारी शामिल हैं।

एमपी नलिन सोरेन के पुत्र संभालेंगे विरासत?

भाजपा की ओर से शिकार करने उतरेंगे ये दिग्गज

दुमका, 18 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के 81 विधानसभा क्षेत्रों में एक अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित शिकारीपाड़ा सीट जेएमएम (झारखंड मुक्ति मोर्चा) का अभेद किला माना जाता है। जिसे भेदने के लिए पिछले चार दशक में कांग्रेस, भाजपा, जेवीएम, जेडीयू और लोजपा के कई मंझे हुए योद्धा मैदान में उतरे और कड़ी मेहनत की। फिर भी झामुमो या उसके राजनीतिक खिलाड़ी नलिन सोरेन को पछाड़ने में सफल नहीं पाये। शिकारीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र दुमका लोकसभा क्षेत्र से जुड़ा है। हाल में सम्पन्न लोकसभा के चुनाव में इस क्षेत्र की जनता ने यहां से लगातार सात बार विधायक चुने जाते रहे झामुमो के वरिष्ठ नेता नलिन सोरेन को अपना सांसद चुन लिया है। इस वजह से फिलहाल इस क्षेत्र में विधायक का पद खाली है। झारखंड और पश्चिम बंगाल की सीमा से सटा यह क्षेत्र शिकारीपाड़ा, रानेश्वर और काठीकुंड प्रखंड क्षेत्रों में फैला है। आजादी के बाद 1952 में अस्तित्व में आये इस विधानसभा क्षेत्र में अभी तक उपचुनाव सहित 17 बार विधानसभा के चुनाव हुए। अलग झारखंड राज्य आंदोलन के अग्रणी झामुमो के वरिष्ठ नेता नलिन सोरेन वर्ष 1990 से लगातार इस क्षेत्र से विधायक चुने जाते रहे। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनाव में झामुमो अपने इस मजबूत किले को बचाने के लिए किन्हें अपना योद्धा बनाती है। यह देखना दिलचस्प होगा। इसके लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। राजनीतिक गलियारे में इस क्षेत्र से झामुमो के टिकट के कई दावेदारों के नामों की चर्चा है। इसमें नलिन सोरेन के पुत्र आलोक सोरेन और उनकी पत्नी जिला परिषद की अध्यक्ष जायस बेसरा और दुमका के विधायक बसंत सोरेन के साथ की कई अन्य लोग शामिल हैं। वहीं भाजपा में भी पार्टी टिकट के कई प्रबल दावेदार हैं। ऐसे भी पार्टी विभिन्न स्तरों पर बैठक कर कार्यकर्ताओं से संभावित प्रत्याशियों के नाम को लेकर रायशुमारी कर रही है। जीतने वाले योग्य उम्मीदवारों के तलाश में जुटी है। हालांकि चर्चा के मुताबिक भाजपा के टिकट लिये पूर्व में भाजपा व जेवीएम से चुनाव लड़ चुके परितोष सोरेन, अविनाश सोरेन सहित कई अन्य प्रत्याशी पार्टी का टिकट हासिल करने के लिए जी-तोड़ प्रयास कर रहे हैं।

एक लोटा जल चढ़ा दो और कुछ काम मत करो

बीजेपी को घेरने के चक्कर में 'फंस' गए भूपेश बघेल?

बालोद, 18 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मंगलवार को सनातन धर्म को लेकर एक ऐसा बयान दे दिया, जिस पर बीजेपी हमलावर हो सकती है। कांग्रेस नेता ने सनातन धर्म को लेकर कहा कि एक लोटा जल चढ़ा दो और जीवन में कुछ काम मत करो, बच्चों को मत पढ़ाओ, खेत में काम मत करो, बस एक लोटा जल चढ़ा दो, तो सब कुछ ठीक हो जाएगा। इस तरह की धारणा लोगों में बनी हुई है। बघेल ने यह बयान ऐसे वक्त में दिया है, जब देश के कुछ राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं।

उन्होंने आगे कहा कि इसे हम आस्था नहीं कह सकते हैं। यह आस्था नहीं, बल्कि बीजेपी द्वारा फैलाया गया अंधविश्वास है। भूपेश बघेल ने यह बयान बालोद जिले के गुरुर ब्लॉक के ग्राम जेवरतला में एक कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान दिया। भूपेश बघेल ने कहा कि बच्चे पढ़ेंगे नहीं तो कैसे कुछ बनेंगे। भगवान कृष्ण ने गाय चराए, भगवान राम जंगल-जंगल भटके हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने सनातन धर्म का जिक्र करके बीजेपी को आड़े हाथों लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी लोगों के बीच सनातन का सहारा लेकर झूठ और भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है, जिसे हम किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते हैं। अगर हमने इसे स्वीकार किया, तो इससे आने वाले दिनों में सामाजिक व्यवस्था पर प्रहार होगा।

भूपेश कांग्रेस के इकलौते नेता नहीं हैं, जिन्होंने सनातन पर विवादित बयान दिया हो, बल्कि इससे पहले भी इस पार्टी के कई नेता इस तरह के विवादित बयान दे चुके हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक ने सनातन धर्म को बीमारी बताया था। उन्होंने अपने बयान में कहा था कि जो धर्म लोगों के साथ मानवीय व्यवहार नहीं कर सकता, लोगों को समानता के अधिकारों से वंचित रखता है। ऐसे धर्म को धर्म नहीं, बल्कि बीमारी कहना ज्यादा सही होगा। उनके इस बयान को लेकर खूब हंगामा हुआ था।

लोहारीडीह हत्याकांड मामले में नया मोड़

एक आरोपी की जेल में संदिग्ध मौत

कबीरधाम, 18 सितंबर (एजेंसियां)। कबीरधाम जिले के जंगल रेंगाखार थाना क्षेत्र के ग्राम लोहारीडीह में बीते रविवार को हुए हत्याकांड व आगजनी के बाद अब नया मोड़ आ गया है। आज बुधवार को हत्याकांड व आगजनी के एक आरोपी की जेल में संदिग्ध मौत हो गई है। इस आरोपी को कवर्धा के जिला जेल में रखा गया था। बताया जा रहा है कि आरोपी की सुबह तबीयत बिगड़ने के बाद जिला अस्पताल लाया गया। अस्पताल में आने से पहले इसकी मौत हो गई थी।

मृतक का नाम प्रशांत साहू उम्र 27 निवासी ग्राम लोहारीडीह है। मृतक का जिला अस्पताल में पीएम कराया जाएगा। ऐसे में परिजनों को अस्पताल बुलाया जा रहा है। परिजनों की उपस्थिति में पंचनामा कर पीएम होगा। दूसरी ओर आरोपी की मौत के बाद पुलिस कुछ भी कहने से बच रही है। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले ही इसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के बाद जेल भेजा गया था। बता दे कि लोहारीडीह मामले में अब तक 69 लोगों की गिरफ्तारी हुई, जिसमें से 36 पुरुष व 33 महिला है। इस घटना के बाद पुलिस ने कुल 5 अलग-अलग एफआईआर दर्ज किया है।

बीते रविवार को इस गांव से 5 किमी दूर एमपी-सीजी बॉर्डर पर गांव के शिव प्रसाद साहू उर्फ कचरू साहू का शव फांसी पर लटके मिला। इसकी हत्या की शक को लेकर ग्रामीणों ने गांव के ही रघुनाथ साहू के घर हमला कर दिया। घर को आग के हवाले कर दिया है। कबीरधाम एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव अपनी टीम के साथ गांव में पहुंचे थे। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इस हमले में एसपी समेत 10 पुलिसकर्मी घायल हुए।

देर शाम पुलिस की टीम गांव के भीतर आग लगे हुए घर पर पहुंची, जहां पर रघुनाथ साहू का शव जला हुआ मिला। इस गांव में भूमि विवाद चल रहा था।

रघुनाथ साहू के परिवार व ग्रामीणों के बीच काफी दिनों से विवाद चला आ रहा था। अब यह विवाद रौद्र रूप ले लिया। जिस युवक की शव जंगल में मिली है, वह एमपी के बालाघाट जिले में आता है। ऐसे में बालाघाट पुलिस मामले की जांच कर रहीं है। गांव में आगजनी व हत्या की जांच कबीरधाम पुलिस कर रहीं है। वर्तमान में गांव में पुलिस व प्रशासन की टीम मौजूद है।

कैंप में जवान ने अपने साथियों पर चलाई गोली

दो जवानों की मौत, दो की हालत गंभीर

बलरामपुर रामानुजगंज, 18 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में पुलिस कैंप में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के एक जवान ने अपने साथियों पर गोली चला दी। गोलीबारी में दो जवानों की मौत हो गई है, जबकि दो जवान गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को आनन-फानन में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की पुष्टि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने की है। मिली जानकारी के मुताबित घटना सामरी थाना के पुंदाग पुलिस कैंप की है, बलरामपुर के भूताही पुलिस कैंप में सीएएफ के आरक्षक ने अपने साथियों पर राइफल से फायरिंग कर दी। घटना में एक आरक्षक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य जवान ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं दो अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हैं जिनका उपचार जारी है।

सोन नदी की धार में फंसे 20 लोग

पलामू, 18 सितंबर (एजेंसियां)। पलामू जिला के हुसैनाबाद थाना अंतर्गत देवरी ओपी क्षेत्र के देवरी कला गांव के पास स्थित सोन नदी में जलस्तर अचानक से बढ़ने के कारण गांव के लगभग 20 लोग टीले पर फंस गए हैं। इनमें कई महिलाएं भी शामिल हैं। लगातार हो रही बारिश और आंधी-तूफान ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। लोगों के फंसने की सूचना मंगलवार को शाम स्थानीय लोगों को मिली।

आंगनबाड़ी में चल रहा वजन त्योहार

वजन मापने पहुंचे कलेक्टर, दिए सुझाव

बालोद, 18 सितंबर (एजेंसियां)। आंगनबाड़ी केन्द्रों में इन दोनों वजन त्यौहार मनाया जा रहा है ताकि बच्चों को सुपोषण मिल पाए उनके लिए बेहतर सुपोषण व्यवस्था किया जाए और इसी बीच बच्चों का वजन मापने के लिए बालोद कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवल स्वयं बच्चों के बीच पहुंच गए उन्होंने बालोद ब्लाक के ग्राम उमरादाह आंगनवाड़ी क्रमांक एक पहुंचकर बच्चों का वजन और ऊंचाई माप और उनके खान-पान संबंधित जानकारी भी ली इस दौरान पता चला कि जिस आंगनबाड़ी केंद्र में पहुंचे हुए हैं वहां सबसे ज्यादा कुपोषित बच्चे थे इसको लेकर उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिए और गर्म भोजन जो महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से चलाया जा रहा है उसके संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने बताया कि बच्चों के लिए जो पोषण ट्रैकर एप बनाया गया है उसके माध्यम से भी कार्यों की जानकारी यहां पर ली गई है वहीं कार्यकर्ता ने बताया कि जो कुपोषित बच्चे थे वो सामान्य की श्रेणी में आ रहे हैं और शासन द्वारा तय मेनू के हिसाब से बच्चों को प्रतिदिन भोजन दिया जा रहा है वहीं उन्होंने बताया कि इस आंगनबाड़ी में कुल दर्ज संख्या 34 है और 17 बच्चे कुपोषण की श्रेणी में हैं जिसमे से 3 बच्चे अति कुपोषित हैं।

कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने कहा कि यहां पर हम सबका लक्ष्य है कि बच्चों को सुपोषण से जोड़ना है बच्चे स्वस्थ्य रहेंगे तो राज्य और देश स्वास्थ्य रहेगा आपको बता दें कि कलेक्टर के साथ महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी भी दौर में आंगनबाड़ियों के निरीक्षण को लेकर पहुंचे हुए थे।

हिजबुल्लाह ने दी पेजर अटैक का बदला लेने की धमकी

क्या शिया देश ईरान के चक्रव्यूह में फंस गया इजरायल

बेरूत, 18 सितंबर (एजेंसियां)। मंगलवार को हुए पेजर हमले ने ईरान समर्थित लेबनानी चरमपमंथी समूह हिजबुल्लाह को झकझोर कर रख दिया है। हिजबुल्लाह जिस पेजर को सबसे सुरक्षित समझकर संचार के लिए इस्तेमाल कर रहा था, उसी डिवाइस को एक खतरनाक हथियार में बदलकर रख दिया गया। इस हमले में अब तक 9 लोगों की मौत की खबर है, जबकि लगभग 3000 लोग घायल हुए हैं। अधिकांश पेजर लोगों के हाथ या फिर जेब में रहने के दौरान फटे। सऊदी मीडिया आउटलेट अलहदाथ टीवी ने बताया है कि विस्फोट में हिजबुल्लाह के 500 से ज्यादा सदस्यों की आंख चली गई है। अब तक भले ही इजरायल ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन अलग-अलग रिपोर्टों से साफ हो गया है कि यह निश्चित रूप से मोसाद का काम है।

हिजबुल्लाह ने इस हमले लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया है और कहा कि सही समय पर इसका बदला लिया जाएगा। हिजबुल्लाह के सदस्य इजरायली ट्रैकिंग सिस्टम से बचने के लिए सेलफोन के बजाय पुरानी तकनीक पर आधारित पेजर का इस्तेमाल करते थे, लेकिन यह भी उन्हें सुरक्षित नहीं रख सका। पेजर हमले के बाद हिजबुल्लाह के लड़ाके दहशत में हैं। हिजबुल्लाह के सदस्यों ने अपने पास से पेजर को दूर कर दिया है। डर का आलम यह है कि लोग फोन नहीं रिसीव कर रहे हैं।

हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि विस्फोट कैसे हुए। लेकिन मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन उपकरणों के साथ छेड़छाड़ की गई है।

अमेरिकी मीडिया आउटलेट ने द न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया है कि जिन पेजर में विस्फोट हुआ है, उन्हें हाल ही में ताइवान की एक कंपनी से मंगाया गया था। हिजबुल्लाह के वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर ऐसी ही पुष्टि की है। उसने बताया कि ताइवान स्थित गोल्ड अपोलो से हाल ही में 5000 पेजर मंगवाए गए थे।

जिबुल्लाह तक पहुंचने तक डिलीवरी से पहले ये पेजर इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद के पास पहुंचे। यहां इन पेजर के अंदर छोटे विस्फोटक लगाकर इन्हें बम में बदल दिया गया। इसके बाद इनकी डिलीवरी सुनिश्चित की गई। इन पेजर को बाहर से कमांड भेजकर ब्लास्ट करा दिया गया। इजरायली खुफिया एजेंसी पर कई किताबें लिख चुके योसी मेलमैन ने इस हमले को इजरायल की तरफ हिजबुल्लाह को भेजी गई एक चेतावनी के रूप में बताया है।

हमले से पहले इजरायल की घरेलू सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने बताया कि उसने इजरायल के एक पूर्व सुरक्षा अधिकारी को मारने की हिजबुल्लाह की योजना को नाकाम कर दिया है। मेलमैन कहते हैं कि पेजर हमला हिजबुल्लाह के लिए संकेत हैं, 'तुम जो कुछ करोगे, हम उससे अच्छा कर सकते हैं।'

छत्तीसगढ़ में अगले 2 दिन बारिश पर ब्रेक

अब तक 1152 मिमी बरसा पानी, जो औसत से 7% अधिक, बरसात का कोटा पूरा

रायपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बीते दो दिनों से मानसून की गतिविधियों पर ब्रेक लगा हुआ है। बारिश नहीं होने से दिन का तापमान बढ़ने से गर्मी सताने लगी है। आज (बुधवार) और कल गुरुवार को भी बारिश की गतिविधियां कम रह सकती हैं। प्रदेश में बारिश का कोटा पूरा हो चुका है। 1 जून से 17 सितंबर तक 1152.6 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है जो औसत से 7 प्रतिशत अधिक है। मानसून सीजन खत्म होने में 12 दिन बचे हैं। मंगलवार को प्रदेश में मानसून सक्रिय रहा। 4 स्थानों पर अति भारी और 10 जगहों पर भारी वर्षा हुई। सबसे अधिक बारिश बलरामपुर जिले के कुसमी में 150 मिमी दर्ज की गई। रायपुर में आज धूप-छांव वाला मौसम रहेगा। आज अधिकतम तापमान 32 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। मंगलवार दोपहर को रायपुर के कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई।

तालिबानी राजनयिकों ने पाकिस्तान में बैठकर की पाकिस्तानी राष्ट्रगान की बेइज्जती

पेशावर से इस्लामाबाद तक मचा बवाल

काबुल, 18 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार और अफगान तालिबान के बीच अब एक नया विवाद खड़ा होता दिख रहा है। पेशावर में अफगान महावाणिज्यदूत हाफिज मोहिबुल्लाह शाकिर पाक राष्ट्रगान के दौरान बैठे रहे और राजनयिक प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया, इसने पाकिस्तानियों को नाराज कर दिया है। ये वाकया मंगलवार को पेशावर में रहमत-उल-आलमीन सम्मेलन के दौरान हुआ। पाकिस्तान के राष्ट्रगान के दौरान खड़े ना होने को विशेषज्ञ प्रोटोकॉल उल्लंघन के साथ-साथ मेजबान देश के लिए अनादर दिखाने का तरीका बता रहे हैं। इस कार्यक्रम का आयोजन खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर ने किया था।

ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, कार्यक्रम में जब राष्ट्रगान बज रहा था तो शाकिर और उनके सहयोगी अपनी सीट पर ही बैठे रहे। उनके आसपास सभी लोग राष्ट्रगान के सम्मान में खड़े थे लेकिन दोनों

अफगान अफसर सीट पर बैठकर फोन में देखते रहे। पाकिस्तान में अफगान अधिकारियों के इस कदम की राजनयिक शिष्टाचार का उल्लंघन कहते हुए निंदा की जा रही है। एक राजनीतिक विश्लेषक ने कहा कि राष्ट्रगान का अपमान करके अफगान कौंसल जनरल ने पाकिस्तान के लिए घोर अनादर दिखाया है। ये पाकिस्तान के लोगों का भी अपमान है। ऐसा कभी नहीं देखा गया, ये पूरी तरह राजनयिक आचरण के उलट है। इस तरह का व्यवहार किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं है, इस राजनयिक कदाचार के लिए उन पर कार्रवाई की जानी चाहिए। पाक विशेषज्ञों ने शाकिर के देश से निष्कासित करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने खैबर पख्तूनख्वा सरकार की भी ऐसे व्यक्ति को बुलाने के लिए आलोचना की है, जो पाकिस्तान के राष्ट्रगान की गरिमा का ख्याल नहीं करता और प्रोटोकॉल को भी नहीं मानता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस घटना पर विदेश मंत्रालय को तुरंत संज्ञान लेना चाहिए और राजनयिक मानदंडों के उल्लंघन के खिलाफ औपचारिक डेमार्शे जारी करना चाहिए। पेशावर में यह घटना ऐसे समय में हुई है जब पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। अगस्त, 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान के साथ उनके संबंध अच्छे नहीं रहे हैं। पाकिस्तान का कहना है कि अफगानिस्तान सरकार तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को पनाह दे रहे है, जो पाकिस्तान में आतंकी हमले कर रहा है।

बांग्लादेश में सेना को मिली न्यायिक शक्तियां

कानून व्यवस्था सुधारने के लिए अंतरिम सरकार का फैसला

ढाका, 18 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने देश में कानून व्यवस्था में सुधार लाने के लिए सेना को दो महीनों के लिए न्यायिक शक्तियां दी है। लोक प्रशासन मंत्रालय ने सरकार के फैसले पर एक अधिसूचना जारी की। इसमें कहा गया कि यह तत्काल प्रभाव से लागू होगा। शक्तियां सेना के कमीशन प्राप्त अधिकारी को दी गई है। यह अधिकारी अगले 60 दिनों लागू होगा। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 17, जो सेना के अधिकारियों को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट का दर्जा देती है, ने कहा कि ये अधिकारी जिला मजिस्ट्रेट डिप्टी कमिश्नरों के अधीनस्थ होंगे।

कानून सलाहकार आसिफ नजरूल ने कहा, हम कई स्थानों पर तबाह करने वाले कृत्य देख रहे हैं। हालात को देखते हुए सेना के जवानों को न्यायिक शक्तियां दे दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सेना के जवान इस अधिकार का दुरुपयोग नहीं करेंगे। एक अन्य सलाहकार ने कहा, पुलिस अभी तक ठीक से काम नहीं कर पाई है। शेख हसीना की सरकार के गिरने के बाद से कई पुलिसकर्मी सड़कों पर नदारद हैं। हसीना सरकार के गिरने से पहले और तुरंत बाद पुलिस को लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा था। भीड़ ने उनके वाहनों और संपत्तियों में आग लगा दी। पुलिसकर्मियों पर हिंसा को देखते हुए बांग्लादेश पुलिस अधीनस्थ कर्मचारी संघ ने छह अगस्त को अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की थी। हालांकि, 20 अगस्त को गृह मंत्रालय के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल एम सखावत हुसैन के साथ बैठक के बाद हड़ताल वापस ले ली गई थी। पूर्व सचिव अबू आलम मोहम्मद शाहिद खान ने कहा कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार का यह निर्णय आवश्यक है।

मोदी शानदार इंसान

डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय पीएम की जमकर तारीफ की, भारत पर निशाना साध बढ़ाई टेंशन

वॉशिंगटन, 18 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले सप्ताह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। मिशिगन में एक रैली में बोलती हुए ट्रंप ने पीएम मोदी को शानदार इंसान बताया। इसी रैली में उन्होंने भारत पर व्यापार संबंधों का 'बहुत बड़ा दुरुपयोग करने' वाला बताया। उन्होंने अमेरिका और चीन के साथ टैरिफ वार की बात की। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने यह नहीं बताया कि पीएम मोदी से उनकी मुलाकात कहां होने वाली है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी सप्ताह के आखिर में अमेरिका के दौरे पर जाने वाले हैं।

पीएम मोदी डेलावेयर में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, ऑस्ट्रेलिया और जापान के नेताओं के साथ क्ववाड शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

पुतिन बोले- काम के बीच शारीरिक संबंध बनाएं नागरिक

गिरती जन्म दर से निपटने के लिए दिया आदेश, कहा- आबादी पर टिका हमारा भविष्य

मास्को, 18 सितंबर (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने नागरिकों से ऑफिस में काम के बीच शारीरिक संबंध बनाने की अपील की है। पुतिन ने कहा, "रूसी नागरिकों का संरक्षण करना हमारी प्राथमिकता है। रूसियों का भविष्य अब उनकी तादाद पर निर्भर करता है।" वहीं रूस के स्वास्थ्य मंत्री डॉ येवगेनी शेसतोपालोव ने कहा कि काम का प्रेशर बच्चा न पैदा करने का बहाना नहीं हो सकता है। आप काम के बीच ब्रेक लेकर भी शारीरिक संबंध बना सकते हैं। ब्रिटिश अखबार मेट्रो की रिपोर्ट के मुताबिक, पुतिन ने ऐसा देश में गिरती जन्म दर को ठीक करने के लिए कहा है।

दरअसल, रूस में जन्म दर 1.5 बच्चे प्रति महिला है। जबकि देश की आबादी को बनाए रखने के लिए 2.1 बच्चे प्रति महिला की जन्म दर होनी जरूर है। वहीं यूक्रेन के खिलाफ जंग शुरू होने

के बाद से रूस के 10 लाख नागरिक अब तक देश छोड़कर जा चुके हैं। इसमें ज्यादातर युवा वर्ग के लोग शामिल हैं। यह पहली बार नहीं है जब पुतिन ने देश की घटती जन्म दर को लेकर चिंता जताई है।

इससे पहले पिछले साल दिसंबर में पुतिन ने रूस की महिलाओं से कहा था कि वे कम से कम 8 बच्चों को जन्म दें। रूसी घरों में बड़े परिवारों की परंपरा शुरू किए जाने की जरूरत है।

पुतिन ने कहा था, "कई समुदायों में आज भी ज्यादा बच्चे पैदा कर परिवार को बढ़ाने और परंपराओं को बनाए रखने का चलन है। हमें यह याद करने की जरूरत है कि हमारी दादी और पड़दादी के जमाने में घरों में 7-8 बच्चे होते थे।"

रूस में जन्म दर 25 साल के निचले स्तर पर

रूसी सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, 1999 के बाद रूस में जन्म दर अब तक के सबसे निचले स्तर पर है। आबादी के मामले में दुनिया के टॉप 10 देशों में शामिल रूस में इस साल जून में 1 लाख से भी कम बच्चे पैदा हुए। 2024 की पहली छमाही में करीब 6 लाख बच्चों का जन्म हुआ। यह पिछले साल की तुलना में 16 हजार कम है।

वहीं रूस में इस साल जनवरी से जून तक 3 लाख 25 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई। इसकी वजह से देश की आबादी लगातार कम होती जा रही है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने जुलाई में कहा था कि यह स्थित देश के भविष्य के लिए विनाशकारी है।

रूस के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र करेलिया में अधिकारियों ने मां बनने वाली कॉलेज छात्राओं के लिए नई योजनाएं जारी की हैं। इसके तहत लोकल कॉलेज और यूनिवर्सिटी में 25 साल से कम उम्र की जो छात्राएं स्वस्थ बच्चों को जन्म देंगी उन्हें करीब 92 हजार रुपए दिए जाएंगे।

पुतिन ने कहा था- 10 बच्चे पैदा करने पर महिलाओं को करेंगे सम्मानित

इससे पहले 2022 में पुतिन ने घोषणा की थी कि वे 10 बच्चे पैदा करने वाली महिलाओं को 'मदर हिरोइन' नाम का अवॉर्ड देंगे। यह अवॉर्ड सेकंड वर्ल्ड वॉर के दौरान भी महिलाओं को दिया जाता था। उस समय भी रूस की जनसंख्या तेजी से घट रही थी। रूस ने 1991 में सोवियत संघ के टूट जाने के बाद ये अवॉर्ड देना बंद कर दिया था।

18 घंटे काम के बाद बाइक पर झपकी लेने के दौरान डिलीवरी एजेंट की मौत

बीजिंग, 18 सितंबर (एजेंसियां)। चीन में फूड डिलीवरी करने वाले एक 55 वर्षीय व्यक्ति की 18 घंटे काम करने के बाद बाइक में झपकी लेने के दौरान मौत हो गई। यह घटना इस महीने की शुरुआत में दक्षिणी चीन के झेजियांग प्रांत के हांग्जो में घटी। इस घटना का वीडियो चीनी सोशल मीडिया साइट पर वायरल हो रहा है, जिसके बाद देश भर में डिलीवरी एजेंटों के कल्याण और कानूनी अधिकारों को लेकर चर्चा शुरू हो गई। एक गवाह ने बताया कि फूड डिलीवरी वाला व्यक्ति अपने वाहन पर रात के नौ बजे से अगले दिन दोपहर के एक बजे तक वहीं लेटा हुआ था। एक दूसरे डिलीवरी एजेंट ने उसे देखा। मृतक की पहचान युआन के तौर पर की गई है। वह अपने काम के लिए मशहूर था, लोग उसे ऑर्डर किंग के नाम से जानते थे। युआन दिनभर में 500 से 600 युआन (5000-7000 रुपये) तक कमाता था। बारिश के दिनों में वह 700 युआन कमाता था। एक व्यक्ति ने बताया कि ऑर्डर किंग कभी-कभी सुबह के तीन बजे तक काम करता था और सुबह के छह बजे उठकर फिर से काम में लग जाता था। जब उसे थकान महसूस होती तो वह अपनी बाइक पर थोड़ी देर झपकी ले लेता था। इसके बाद वह फिर से अपने काम में लग जाता।

युआन के एक सहकर्मी ने बताया कि मौत से एक महीने पहले 55 वर्षीय ऑर्डर किंग का एक दुर्घटना में पैर फ्रैक्चर हो गया था। 10 दिन आराम करने के बाद वह अपने काम पर लौट गया था और दो हफ्ते बाद ही उसकी मौत हो गई। इसके साथ वह अपने 16 वर्षीय बेटे की मदद के लिए काम कर रहे हैं। युआन का बेटा हांगझू में पढ़ाई कर रहा है। उसका एक बड़ा बेटा भी है, जिसकी शादी हो चुकी है। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए युहांग जिले में जियानलिन उप-जिला कार्यालय ने एक बयान जारी किया।

पाकिस्तान को बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम पर अमेरिका ने फिर दिया झटका

कड़े प्रतिबंधों की दे दी चेतावनी

इस्लामाबाद, 18 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम पर पाकिस्तान को झटका दिया है। अमेरिका ने साफ किया है कि वह घातक हथियारों के विकास और प्रसार के खिलाफ अपना कड़ा रुख बरकरार रखते हुए पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम का समर्थन नहीं करेगा। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने अपने बयान में कहा कि हम बीते कई वर्षों से पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के बारे में अपनी चिंता जाहिर कर रह हैं। पाकिस्तान की लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को समर्थन देने से इनकार करना हमारी दीर्घकालिक नीति रही है।

मिलर ने कहा कि पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के खिलाफ अमेरिका अपने प्रतिबंधों का इस्तेमाल करना जारी रखेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा प्रभावित ना हो। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने ये भी माना कि पाकिस्तान के मिसाइल प्रोग्राम पर बारीकी से नजर रखने के बावजूद उनका देश पाकिस्तान को एक करीबी भागीदार मानता है। मिलर ने कहा, 'पाकिस्तान हमारा दीर्घकालिक साझेदार रहा है लेकिन ऐसे मुद्दे भी हैं, जहां हमारे बीच मतभेद हैं। जब मतभेद होते हैं तो हम अमेरिका के हितों की रक्षा के लिए कार्रवाई करने में संकोच नहीं करते हैं।' अमेरिका ने लगातार पाकिस्तान के मिसाइल कार्यक्रम का विरोध किया है। हालांकि पाकिस्तान का ये भी आरोप रहा है अमेरिका उसके और भारत के लंबी दूरी के मिसाइल कार्यक्रम को अलग नजर से देखता है। पाकिस्तान और भारत दोनों ही देशों ने परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। अमेरिका ने हाल ही में खतरनाक हथियारों के प्रसार में सहायता के लिए एक चीनी अनुसंधान संस्थान, एक चीनी नागरिक और तीन चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए थे। मिलर ने इस पर कहा कि चीनी संस्थान ने शाहीन 3 और अबाबील मिसाइल प्रणालियों के लिए उपकरण हासिल करने में पाकिस्तान की सहायता की थी।

11 साल का छात्र अपने पास हथियारों की मार रहा था डींगे

गोलीबारी की भी दी धमकी, पुलिस ने दबोचा

वॉशिंगटन, 18 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के फ्लोरिडा में 11 साल के एक लड़के को पुलिस ने गोलीबारी की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। लड़के के पास से हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद हुआ है, जिसे देखकर पुलिस और स्थानीय अधिकारियों ने सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है।

वोलुसिया काउंटी के शेरिफ माइक चिटवुड ने बताया कि 11 साल के कार्लो किंगस्टन डोरेली ने अपने साथ सहपाठियों को हथियारों का एक वीडियो दिखाया था और धमकी दी थी। वह अपने पास हथियारों का विशाल जखीरा होने तथा दो अलग-अलग स्कूलों में हमला करने की साजिश रचने की योजना के बारे में डींगे मार रहा था। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एयरसॉफ्ट राइफल, पिस्तौल और नकली गोला-बारूद के साथ-साथ चाकू, तलवार और अन्य हथियार जब्त

किए। अधिकारी ने सोमवार को बताया कि लड़के ने नामों और लक्ष्यों की एक सूची तैयार की थी। हालांकि, पूछताछ करने पर उसने कहा कि यह सब एक मजाक था।

माइक चिटवुड ने कहा, 'हमने वादे के अनुसार क्रीकसाइड मिडिल स्कूल के एक छात्र को गिरफ्तार कर लिया है। उसने क्रीकसाइड या सिल्वर सैंड्स मिडिल स्कूल में गोलीबारी करने की धमकी दी थी। इतना ही नहीं 11 साल के लड़के ने नामों और लक्ष्यों की एक सूची भी तैयार की थी। हालांकि, अब छात्र का कहना है कि यह सब एक मजाक था।' शेरिफ ने डोरेली पर सामूहिक गोलीबारी की धमकी देने का आरोप लगाया। साथ ही एक वीडियो जारी किया, जिसमें अधिकारियों को लड़के को जेल ले जाते हुए दिखाया गया।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 11 साल के लड़के की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है, जब कुछ दिनों पहले शेरिफ ने जॉर्जिया के अपालाची हाई स्कूल में हुई घातक गोलीबारी के बाद झूठी सूचना मिलने के बाद शरारतपूर्ण धमकी देने वाले बच्चों को सबक सिखाने का वादा किया था। इस गोलीबारी में चार लोगों की मौत हुई थी।

पत्नी का रेप कराने वाले ने माफी मांगी

कहा- मैं गुनहगार, उससे प्यार करता हूं, 10 साल तक 72 अनजान पुरुषों से कराया रेप

पेरिस, 18 सितंबर (एजेंसियां)। फ्रांस में 10 साल तक अपनी पत्नी को नशे की दवा देकर उसका रेप कराने वाले शख्स ने मंगलवार को कोर्ट में अपना जुर्म कबूल लिया। 71 साल के डॉमिनिक पेलिकोट ने सुनवाई के दौरान कहा, "मैं एक रेपिस्ट हूं। ठीक उसी तरह जैसे इस कमरे में मौजूग दूसरे लोग रेपिस्ट हैं। ये इस बात से इनकार नहीं कर सकते।" डॉमिनिक कोर्ट रूम में मौजूद 50 उन आरोपियों की बात कर रहा था जिन्हें बुलाकर उसने अपनी पत्नी का रेप करवाया था। डॉमिनिक ने कहा, "मेरी पत्नी के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए था। मैं उससे बहुत खुश था। मुझे पता है कि मेरा जुर्म माफी के लायक नहीं है लेकिन मैं फिर भी अपनी पत्नी, बच्चों और पोते-पोतियों से माफी मांगता हूं। मुझे अपने किए पर पछतावा है।"

सुनवाई के दौरान डॉमिनिक ने बताया कि उसका बचपन बेहद खराब रहा था। जब वह 9 साल का था तब एक मेल नर्स ने उसका शोषण किया था। सुनवाई के दौरान आरोपी की पत्नी जिसेल पेलिकोट भी कोर्ट में मौजूद थी। उन्होंने कहा, "मेरे लिए यह सब सुनना बेहद मुश्किल है। मैं 50 साल तक एक ऐसे शख्स के साथ रह रही थी, जिसके लिए मैंने कभी नहीं सोचा था कि वह ऐसा कुछ कर सकता है। मैं उस पर पूरा भरोसा करती थी।"

डॉमिनिक ने पूरी सुनवाई के वक्त लगातार यह बात दोहराई कि वह अपनी पत्नी से नफरत नहीं करता था। वह उससे पागलों की तरह प्यार करता था। इस पर जिसेल के वकील स्टीफेन बबोन्यू ने पूछा कि अगर वह अपनी पत्नी से इतना प्यार करता था तो उसका शोषण करना बंद क्यों नहीं कर पाया। डॉमिनिक ने जवाब देते हुए कहा, "मै कई बार यह जुर्म रोकने की कोशिश की। लेकिन मुझे इसकी लत लग चुकी थी। मुझे इसकी जरूरत महसूस होती थी। मुझे पता है कि मुझे रुक जाना चाहिए था। मुझे ऐसा कुछ शुरू ही नहीं करना चाहिए था।"

रायपुर पहुंचे एमपी के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी

रायपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का आज छत्तीसगढ़ आगमन हो चुका है। उन्होंने रायपुर एयरपोर्ट में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा और उनकी विचारधारा कभी लोकतंत्र को नहीं अपनाती, इसका कारण यह है कि उनकी अपनी संस्था में कभी चुनाव नहीं होते। एक राष्ट्र, एक चुनाव पर हमारी पार्टी का जो भी बयान होगा, वही हमारा भी बयान होगा। मिली जानकारी के अनुसार, जीतू पटवारी रायपुर के सेंट्रल जेल पहुंचकर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वे प्रदेश के सीनियर नेताओं से भी मुलाकात करेंगे।

फ्लाइट अटेंडेंट को अंडरगारमेंट पहनने के लिए अमेरिकी एयरलाइन ने जारी की अजीब गाइडलाइन

वॉशिंगटन, 18 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की डेल्टा एयरलाइंस ने अपनी एयरहोस्टेस के लिए एक मेमो जारी किया है। इसमें खासतौर से अंडरगारमेंट्स पहनने और इनको कैसे पहनें, इस पर जोर दिया गया है। इसके अलावा बाल बनाने के अंदाज, ज्वेलरी और कपड़ों को भी शामिल किया गया है। हालांकि बाकी चीजों पर बहुत ज्यादा बात नहीं की गई है। गाइडलाइन में जोर इस बात पर है कि सभी अटेंडेंट 'उचित अंडरगारमेंट्स' जरूर पहनें। साथ ही इस बात पर ध्यान दें कि आपके अंडरगारमेंट्स नजर नहीं आएं। एयरलाइन ने फ्लाइट अटेंडेंट्स से कहा है कि उड़ान के दौरान इन मानकों का पालन जरूर करें।

डेल्टा फ्लाइट का मेमो कहता है, 'फ्लाइट अटेंडेंट हमारे ग्राहकों के साथ सबसे ज्यादा समय बिताते हैं। एक तरह से अटेंडेंट हमारी एयरलाइन का चेहरा होते हैं। ऐसे में एक फ़्लाइट अटेंडेंट से उम्मीद की जाती है कि वह हमारे ग्राहकों को अच्छा अनुभव दें। मेमो में कहा गया है कि अटेंडेंट की ड्रेस हमेशा एक अहम जगह रखती है। ऐसे में ड्रेस बेहतर तरीके से पहनना और अच्छे से बर्ताव बहुत जरूरी है।

एयरलाइन की गाइडलाइन कहती है कि पेशेवर छवि बनाए रखने के लिए फ्लाइट अटेंडेंट बालों को प्राकृतिक रूप से रंगा जाना चाहिए, बिना बोल्ड हाइलाइट्स या कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल किए। लंबे बालों को पीछे की तरफ रखा जाना चाहिए। अगर बाल आगे गिरते हैं तो फिर इनको पिनअप करने की जरूरत है। बालों के अलावा पलकें भी प्राकृतिक दिखनी चाहिए और नाखूनों को अच्छे से काटा जाना चाहिए। वहीं अगर टैटू है तो उसे ढंकना चाहिए।

इसके अलावा नाक छिदवाने की अनुमति है और कानों में बालियां पहनी जा सकती हैं। गाइडलाइन कहती है कि जब ड्रेस की बात आती है तो स्कर्ट घुटने की लंबाई या उससे नीचे होने चाहिए। एथलेटिक जूतों के बजाय फ्लाइट अटेंडेंट को बंद पैर वाले फ्लैट, ऊंची एड़ी के जूते या स्लिंग-बैक जूते चुनने पहनने होंगे। पुरुषों की ड्रेस पहनने वालों के लिए, बटन-कॉलर वाली ड्रेस शर्ट के साथ टाई की आवश्यकता होती है। एयरलाइन के इस मेमो की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है।

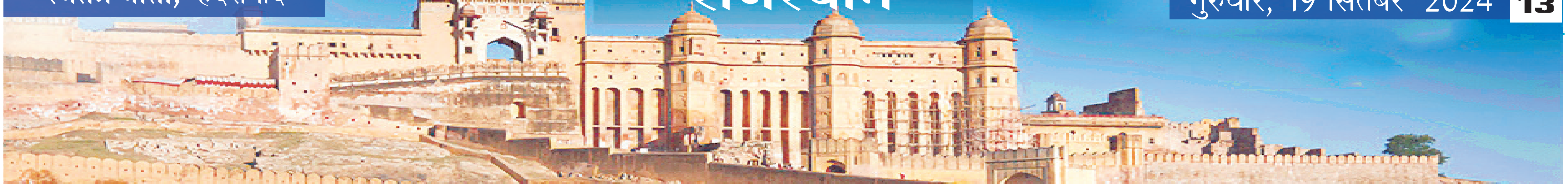

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के खिलाफ शुरू हुआ पोस्टर वॉर
सीएम से की विभाग बदलने की मांग

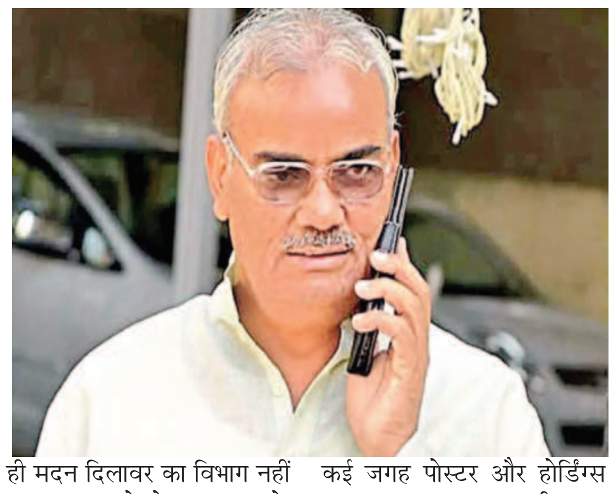

जोधपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान का शिक्षा विभाग इन दिनों काफी चर्चाओं में है और इसकी वजह आदेश के जारी होने के बाद उससे पलटी मारना है। विभाग ने बीते 7 महीने में 7 फैसलों को वापस ले लिया है। ऐसे में शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली और मंत्री मदन दिलावर पर सवाल उठने शुरू हो चुके हैं। अब प्रदेश के शिक्षक संघ ने शिक्षा मंत्री के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जोधपुर शहर से संघ ने पोस्टर वॉर के जरिए शिक्षा मंत्री पर हमला बोला है।

कई जगह लगाए पोस्टर

शहर के प्रमुख चौराहों और होर्डिंग्स पर शिक्षा मंत्री दिलावर पर निशाना साधते हुए कई पोस्टर लगाए गए हैं, जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंत्री का विभाग बदलने की मांग की गई है। इन पोस्टर में शिक्षा मंत्री पर सीधा हमला करते हुए उन्हें 'पलटूराम' तक कह दिया गया। संघ का आरोप है कि अगर जल्द ही मदन दिलावर का विभाग नहीं बदला गया तो ये राजस्थान के शिक्षा विभाग को ही पलट देंगे। इस संबंध में राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ, संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक शंभू सिंह मेड़तिया का कहना है कि आज शिक्षा विभाग का हर कर्मचारी और अधिकारी पसोपेश की स्थित में हैं।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जोधपुर आगमन की सूचना पर शहर में कई जगह पोस्टर और होर्डिंग्स लगाए गए। हम अपनी बात मुख्यमंत्री तक पहुंचाना चाहते थे। हम चाहते हैं कि मुख्यमंत्री शिक्षामंत्री के कार्य का मूल्यांकन करें। उन्होंने कितने आदेश जारी किए और कितने आदेशों को वापस लिया गया, इसकी समीक्षा हो। आज ऐसी स्थिति हो चुकी है कि विभाग में अभी भी पूर्ववर्ती सरकार के ही आदेश चल रहे हैं। अभी प्रदेश के सैकड़ों शिक्षकों के प्रमोशन होने बाकी हैं। 3700 शिक्षक ऐसे हैं, जिनके पास फिलहाल कोई काम नहीं है। यह प्रदेश के नौनिहालों के भविष्य के साथ बड़ा खिलवाड़ है।

अब जयपुर में शुरू होगा अभियान

उन्होंने कहा कि जल्द ही जयपुर में पोस्टर अभियान की शुरुआत की जाएगी। इसके तहत सीएम हाउस मार्ग, शिक्षा संकुल और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर विभाग की नाकामी के पोस्टर लगाए जाएंगे। इसके बाद संघ करीब 6 महीने तक इंतजार करेगा। विभाग नहीं बदलने की स्थिति में शिक्षक सड़कों पर उतरेंगे और इस आंदोलन को देश की राजधानी दिल्ली तक ले जाया जाएगा। आपको बता दें कि जोधपुर शहर में लगाए गए पोस्टर में राजस्थान पत्रिका में प्रकाशित ' "कनफ्यूज्ड" महकमा बना शिक्षा विभागः सात महीने में सात आदेशों पर मारी पलटी' खबर का भी जिक्र किया गया था।

ये सात आदेश हुए वापस

ट्रांसफर पॉलिसीः प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद सबसे पहले शिक्षकों की तबादला नीति को 100 दिन की कार्ययोजना में शामिल किया गया। पर संशोधित योजना में इसे वापस ले लिया गया।

अंग्रेजी से हिंदी माध्यमः शिक्षा मंत्री के बयान के बाद शिक्षा विभाग ने महात्मा गांधी स्कूलों को हिंदी माध्यम में बदलने के निर्देश जारी किए थे। जिसके लिए 38 बिंदुओं पर सर्वे भी करवाया गया। पर बाद में फैसला वापस ले लिया गया।

मोबाइल पर प्रतिबंधः शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के बयान के बाद शिक्षा विभाग ने 4 मई को सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के मोबाइल पर प्रतिबंध लगाया गया। पर पिछले महीने कुछ शर्तों के साथ फिर अनुमति दे दी गई।

6(3) का आदेशः 17 मई को विभाग ने पंचायती राज शिक्षकों की 6(3) कर उनके सेटअप परिवर्तन का कार्यक्रम तय किया। कुछ दिनों बाद ही उसे वापस ले लिया गया।

'टिकट तो जन्मसिद्ध अधिकार है'
हरेन्द्र मिर्धा ने खींवसर सीट पर ठोका दावा, कांग्रेस की बढ़ी टेंशन

नागौर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। अगले कुछ दिनों में राजस्थान की 7 सीटों पर विधानसभा उपचुनाव होने जा रहे हैं। उपचुनावों को देखते हुए कांग्रेस ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए बुधवार को राजधानी जयपुर में कांग्रेस वॉर रूम पर इन सातों सीटों के दावेदारों के लिए फीडबैक बैठक बुलाई गई है। इसी बीच कांग्रेस नेता और नागौर से विधायक हरेन्द्र मिर्धा के एक बयान से टेंशन बढ़ गई है।

हनुमान बेनीवाल को लेकर क्या कहा?

कांग्रेस नेता हरेन्द्र मिर्धा ने जयपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि, "टिकट तो जन्मसिद्ध अधिकार, क्लेम तो बनता ही है। टिकट पार्टी को तय करना है, क्लेम तो तीन पीढ़ी से जन्मसिद्ध अधिकार है और आगे भी रहेगा।" बताते चलें हरेन्द्र मिर्धा ये क्लेम नागौर की खींवसर सीट के लिए कर रहे हैं। वहीं हनुमान बेनीवाल को लेकर कहा कि, 'हनुमान बेनीवाल को खुद एक घण्टे बाद याद नहीं रहता उसने क्या कहा था।'

बता दें, कांग्रेस की फीडबैक बैठक में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, रफीक खान, हरेंद्र मिर्धा, रघुवेंद्र मिर्धा, एमडी चोपदार, नसीम अख्तर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

इन सीटों के लिए हुई बैठक

गौरतलब है कि फीडबैक बैठक में झुंझुनू, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर, सलूम्बर, चौरासी और रामगढ़ विधानसभा क्षेत्रों के प्रमुख कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक हुई। बता दें इन सातों सीटों में से 6 सीटें कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के पास थी। हालांकि लोकसभा में कांग्रेस का आरएलपी और बीएपी से गठबंधन था, लेकिन विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपने दम पर ही यहां चुनाव लड़ेगी।

राहुल गांधी पर अभद्र टिप्पणी को लेकर सचिन पायलट बिफरे
कहा- भाजपा सांसद का बयान बेहद निंदनीय, माफी मांगें

दौसा, 18 सितंबर (एजेंसियां)। दौसा में एक कार्यक्रम में आए सचिन पायलट भाजपा पर जमकर बरसे। जहां उन्होंने कहा है कि भाजपा के नेताओं का बोलने का स्तर ठीक नहीं है। पायलट ने कहा कि हाल ही में राहुल गांधी के लिए उनके जो मंत्री बिट्टू का बयान आया है, वह निश्चित रूप से निंदनीय है और उन्हें माफी मांगनी चाहिए, लेकिन जब अशोक गहलोत की सचिन पायलट के लिए की गई अभद्र टिप्पणी पर वे बगले झांकने लगे।

कांग्रेस के स्टार प्रचारक सचिन पायलट दौसा के भांडारेज में किसान सम्मेलन और स्वर्गीय मिट्ठू राम सैनी मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में शिरकत की। जहां सचिन पायलट का कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। सचिन पायलट ने मीडिया से रूबरू होते कहा कि मैं मानता हूं सरकार पूरी तरह से फेल है, प्रदेश का लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह चरमरा चुका है।

उधर, दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा ने भाषण के दौरान इशारों में कह दिया कि सचिन पायलट का भी मौका आने वाला है। उनका यह इशारा राजस्थान की राजनीति में पायलट मुख्यमंत्री बनने की ओर था, जिसके चलते एक बार फिर सचिन पायलट के मुख्यमंत्री बनने की उम्मीदें जग गई है।

भजनलाल सरकार पर हमला बोलते हुए सचिन पायलट ने कहा कि संगठन कुछ बोलता है और सरकार कुछ बोलती है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में जो कांग्रेस पार्टी का परफॉर्मेंस रहा, उसको देखकर भाजपा हताशा है। जिस प्रकार सरकार को काम करना चाहिए, ग्रामीण क्षेत्रों में विकास होना चाहिए। बीजेपी को बिजली-पानी पर ध्यान देना चाहिए।

आरपीएससी पुनर्गठन की तैयारी में सरकार
हरियाणा पीएससी की तरह बढ़ा सकती है सदस्यों की संख्या; देवनानी ने सौंपी रिपोर्ट

जयपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान लोक सेवा आयोग का पुनर्गठन अब हरियाणा पीएससी की तर्ज पर किया जा सकता है। पेपर लीक में आरपीएससी की भूमिका सामने आने के बाद भजनलाल सरकार अब इसके पुनर्गठन की तैयारी में है। फिलहाल हरियाणा लोक सेवा आयोग की तरह आरपीएससी में सदस्यों की संख्या बढ़ाई जाएगी। सरकार ने पिछले महीने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को हरियाणा लोक सेवा आयोग का अध्ययन करने के लिए कहा था।

देवनानी ने सीएम को सौंपी में रिपोर्ट में आरपीएससी में सदस्यों की संख्या दोगुनी करने की सिफारिश की है। आयोग में अभी अध्यक्ष के अलावा सदस्यों के 7 पद हैं। यानी इनकी संख्या 14 तक हो सकती है। सरकार नियुक्ति का तरीका भी बदलेगी। इसके लिए संघ लोक सेवा आयोग की प्रक्रिया का भी अध्ययन किया जा रहा है।

देवनानी ने इसकी विस्तृत रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंप दी है। जल्द ही इसे विधि विभाग को भेजा जाएगा। विभाग राजस्थान लोक सेवा आयोग नियम एवं विनियम 1963 और राजस्थान लोक सेवा आयोग विनियम एवं प्रक्रिया का सत्यापन अध्यादेश 1975 व अधिनियम 1976 में संशोधन का खाका तैयार करेगा। विधानसभा के आगामी सत्र में इसे पारित किया जा सकता है।

हुड्डा सरकार ने किया था हरियाणा पीएससी में संशोधन

राजस्थान में सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा में जिस तरह आरपीएससी के पूर्व सदस्यों की भूमिका सामने आई है उसे देखते हुए अब सरकार पर इसके पुनर्गठन को लेकर दबाव बढ़ गया है। वर्ष 2008 में हरियाणा की भूपेंद्र हुड्डा सरकार ने हरियाणा लोक सेवा आयोग के सदस्यों की संख्या 8 से बढ़ाकर 12 की थी। इसके बाद 2015 में मनोहर लाल खट्टर सरकार ने आयोग में सदस्यों की संख्या फिर से बढ़ाकर 8 कर दी थी। इसमें अध्यक्ष का पद भी शामिल है।

गुर्जर और राजपूत समाज को लेकर बारां जिले में बढ़ रही टेंशन
भारी पुलिस फोर्स तैनात, विवाद का कारण राजा मिहिर भोज

बारां, 18 सितंबर (एजेंसियां)। बारां शहर में गुर्जर समाज द्वारा आयोजित वाहन रैली को लेकर तनाव की स्थिति बन गई है। कोटा रेंज के आईजी रवि दत्त गौड ने हाल ही में बारां का दौरा किया, जहां उन्होंने रैली की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। रैली को लेकर करीब 500 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। गुर्जर समाज राजा मिहिर भोज के जन्मदिन पर रैली निकालने की तैयारी कर रहा है, जिसे वे गुर्जर सम्राट मानते हैं।

वहीं, राजपूत समाज इस रैली का विरोध कर रहा है, उनका दावा है कि राजा मिहिर भोज राजपूत वंशज थे। इस विवाद के चलते मामला हाईकोर्ट तक पहुंच चुका है, जहां दोनों पक्षों के बीच न्यायिक चर्चा चल रही है। प्रशासन ने धारा 163 के तहत रैली की अनुमति नहीं दी है, जिससे स्थिति और बिगड़ गई है।

प्रशासन ने दोनों पक्षों से वार्ता के प्रयास किए हैं, लेकिन अभी तक कोई सहमति नहीं बन पाई है। गुर्जर समाज का कहना है कि वे अपनी ऐतिहासिक पहचान के लिए रैली निकाल रहे हैं, जबकि राजपूत समाज इसका विरोध करते हुए इसे इतिहास की गलत व्याख्या मान रहा है।

सुरक्षा के दृष्टिगत, पुलिस ने शहर में तैनाती बढ़ा दी है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए तैयार है। बारां में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और प्रशासन दोनों समुदायों के बीच सामंजस्य स्थापित करने के लिए प्रयासरत है। अब देखना यह है कि क्या दोनों पक्ष इस मुद्दे को सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझा पाते हैं या स्थिति और गंभीर हो जाती है।

जलभराव से निपटने के लिए बनेगा मास्टर ड्रेनेज प्लान
सड़क सुधार के लिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश

जयपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में बारिश के चलते हुए जलभराव की समस्या से निपटने के लिए मास्टर ड्रेनेज प्लान तैयार होगा। अजमेर-केकड़ी की समीक्षा बैठक में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने इसके निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने सभी जिलों को निर्देश दिए हैं कि अतिवृष्टि के कारण खराब जिले की सड़कों की मरम्मत के लिए अधिक से अधिक प्रस्ताव बना कर भिजवाएं जाएं।

उप मुख्यमंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री दीया कुमारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में अजमेर एवं केकड़ी जिले से संबंधित विभिन्न कामकाज एवं बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों हुइ अतिवृष्टि के कारण जिले में सड़कों, भवनों एवं फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है।

सड़कों एवं भवनों की मरम्मत के विस्तृत प्रस्ताव तैयार करवा कर भिजवाए जाएं। इसमें जन प्रतिनिधियों से भी सहयोग लिया जाए। सार्वजनिक निर्माण विभाग अधिक से अधिक प्रस्ताव तैयार करके भिजवाएं। राज्य सरकार की ओर से धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। इसी तरह फसल खराबे के आकलन के लिए गिरदावरी भी शीघ्र कराई जाए। जिला प्रशासन अपने अधीनस्थ राजस्व प्रशासन को तय समय सीमा में फील्ड में जाकर गिरदावरी के लिए पाबंद करे।

इससे पूर्व जिला प्रशासन ने उन्हें बजट घोषणाओं की प्रगति की जानकारी दी। जिला कलक्टर लोक बंधु एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर ज्योति ककवानी ने प्रेजेंटेशन में बताया कि राज्य बजट में अजमेर के लिए की गई आयुर्वेद यूनिवर्सिटी, आईटी सिटी, स्पोर्टस कॉलेज, थाना भवन, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, कृषि मंडी नसीराबाद, पशु चिकित्सालय सहित अन्य घोषणाओं पर भूमि आवंटन एवं अन्य प्रक्रिया जारी है।

उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिले के अलावा जयपुर स्तर पर भी इन बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए नियमित फॉलोअप किया जाए।

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में जयपुर में राइजिंग राजस्थान एवं जिलों में डिस्ट्रिक्ट समिट का आयोजन होना है। जिला प्रशासन इसके लिए तैयारी करें। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा इस आयोजन की सफलता के लिए बड़े स्तर पर तैयारी कर रहे हैं। अजमेर में आईटी पार्क एवं किशनगढ़ में टाईल्स मनुफेक्रचरिंग हब सहित मार्बल, माइन्स, पर्यटन, आध्यात्मिक पर्यटन सहित विविध क्षेत्रों में निवेश की विपुल संभावनाएं हैं।

सियार का आतंक, महिला पर किया हमला
20 मीटर तक घसीटा, फिर कई जगह नोचा

अलवर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। अलवर के कठूमर क्षेत्र के गांव काटवाडी में चलती बाइक पर झपट्टा मार कर एक सियार ने महिला पर हमला कर दिया। सियार उस महिला करीब को 20 मीटर तक घसीट कर ले गया। सियार ने महिला को जगह-जगह से नोच लिया। इतना ही नहीं पास ही में खेत में काम कर रहे एक व्यक्ति ने सियार को मार मारकर उक्त महिला को छुड़ाया, जिसने महिला के गाल व सर व हाथ पैरों में नोच लिया था। महिला को पहले जटवाड़ा सीएचसी लेकर गए, फिर वहां से गंज खेरली रेफर कर दिया। वहां से डॉक्टर ने अलवर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। फिलहाल महिला का उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार कठूमर के भट्ट का बांस निवासी तारा देवी उम्र 55 साल पड़ोसी गांव के ठेकेदार के साथ बाइक पर बैठकर सुबह करीब 9:00 बजे मजदूरी के लिए जा रही थी। तभी खटवाड़ी गांव के पास चलती बाइक पर सियार ने हमला कर दिया। महिला ने बताया कि सियार उसे करीब 20 मीटर तक घसीट के ले गया। पास के खेत में काम कर रहे एक व्यक्ति ने बड़ी मुश्किल से उसको बचाया, लेकिन उसको सियार ने जगह-जगह से नोच दिया था। महिला का कहना है कि जिस तरीके से सियार ने हमला किया था, उसे देखकर ऐसा लग रहा था कि वह पागल हो गया। यह सियार आबादी क्षेत्र में आया कहां से इसका भी कोई पता नहीं चल सका है।

महिला के मर्डर के 3 आरोपी गिरफ्तार
पुलिस ने खंगाले 200 सीसीटीवी फुटेज
घाटी में मिला था महिला का शव

करौली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 200 से अधिक सीसीटीवी फुटेजों को खंगाला है। एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि मृतका वर्षा राजेश की दूसरी पत्नी थी। दोनों में आए दिन गृह कलेश होता था। इससे तंग आकर महिला को ठिकाने लगाने के लिए उसने रिश्तेदारों के साथ वारदात को अंजाम दिया।

राजेश अपनी पत्नी और बालिका को लेकर पहले खाटूश्याम और फिर कैला देवी पहुंचा। साथ ही राकेश और कुलदीप को भी कैलादेवी बुला लिया।

तीनों आरोपियों ने बेटी के सामने ही उसकी मां को मौत के घाट उतारा और करणपुर की घाटी में फेंक दिया। फिर सबूत मिटाने के लिए बेटी का गला घोटकर उसे मृत समझ घाटी की गहरी खाई में फेंक दिया, लेकिन 20 घंटे बाद बेटी खाई से जीवित निकल आई। जहां से वह ग्रामीणों के संपर्क में आई।

ग्रामीणों ने पहले बालिका को अपने परिवार से बिछड़ा हुआ माना, लेकिन दूसरे दिन जब बालिका ने घटनाक्रम की जानकारी दी सभी स्तब्ध रह गए। बालिका माता-पिता के नाम के अलावा गांव परिवार कुछ नहीं बता पाई।

बेटी अमृता ने इतना ही बताया कि उसके पिता और जीजा ने उसकी मां वर्षा को मारा है। वारदात के बाद एसपी ने अलग-अलग टीम गठित की।

पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगाल कर और साइबर टीम के माध्यम से वारदात का खुलासा किया और आरोपी दबोच लिए। मामले में वारदात में प्रयोग में ली गई बोलेरो गाड़ी का ड्राइवर फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। एसपी ने पुलिस टीम को बधाई देते हुए अवार्ड अभिशंषा की बात कही है।

प्रदेश में फिर मानसून सक्रिय
भरतपुर, धौलपुर, करौली में भारी बारिश का अलर्ट

जयपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अगले 2-3 दिन बारिश का दौर चलेगा। मौसम विभाग ने पूर्वी राजस्थान के धौलपुर, भरतपुर और करौली में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

जयपुर मौसम केंद्र ने सुबह 7 बजे 3 घंटे के लिए इन जगहों पर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं वहीं जयपुर, अलवर, टोंक, दौसा, सवाई माधोपुर, कोटा, बारां और झालावाड़ में भी हल्की वर्षा की संभावना जताई जा रही है। वहीं पश्चिमी राजस्थान में मौसम शुष्क रहेगा।

प्रदेश में अब तक सामान्य से 61.8 प्रतिशत वर्षा अधिक हो चुकी है। इसमें सबसे ज्यादा वर्षा करौली में दर्ज की गई है। यहां 1 जून से अब तक 1902 एमएम वर्षा हो चुकी है।

वहीं सीजन में एक दिन में सर्वाधिक वर्षा भी करौली में ही दर्ज की गई है।

प्रदेश के बांधों की स्थिति की बात करें तो मानसून की शुरुआत में राजस्थान में सिर्फ 5 बांध ही पूरी तरह भरे हुए थे जबकि अब 389 बांध ओवरफ्लो हो चुके हैं।

राजस्थान के सबसे बड़े बांधों में से एक बीसलपुर में अब भी पानी की आवक बनी हुई है और यहां से 4 गेट खोलकर 12 हजार क्यूसेक से ज्यादा पानी डिचार्ज किया जा रहा है।

महाठगों से हुई ठगीः राजीनामे के नाम पर ठगे 136 करोड़

सीकर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा सिटी के नाम से मल्टी लेवल मार्केटिंग कंपनी बनाकर पांच राज्यों के लगभग 70 हजार लोगों से 2700 करोड़ रुपए की ठगी करने वालों से भी ठगी हो गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार ठगी वाली गैंग के सरगनाओं के बाद अब उनका खास सहयोगी राजीनामा कराने के नाम पर लोगों से ठगी में लगा हुआ था। आरोपी ने राजीनामे के नाम पर हजारों पीड़ितों को झांसे में लेकर 136 प्लॉट व पैसा हड़प लिया। आरोपी नरेश काजला पुत्र रिछपालसिंह काजला निवासी सुभाष नगर जेरठी को पुलिस की स्पेशल टीम ने अहमदाबाद से गिरफ्तार किया है।

आरोपी नरेश नेक्सा के नाम पर ठगी करने वाले आरोपियों से पैसे व जमीन लेकर पीड़ितों से केस उठावाए थे। नेक्सा के ठगों से कंपनी चलने के दौरान लोगों से खूब पैसा निवेश कराकर रुपए कमाए और अब नेक्सा के मुख्य आरोपियों व पीड़ितों दोनों को झांसा देकर करीब 136 करोड़ रुपए कीमत की जमीनें व नकदी ठग ले गया था। आरोपी ने अमित नोयडा के नाम से कार खरीदी थी, अमित भी नेक्सा में आरोपी है।

संस्था बनाकर झांसे में ले करवाए थे समझौते

नेक्सा एवरग्रीन कंपनी के आरोपियों के भागने के दो माह बाद 18 मार्च 2023 को लोक नव निर्माण समित का सहकारिता विभाग में 18 मार्च 2023 को पंजीयन करवाया था। समिति के नाम से संस्था रजिस्टर्ड करवाकर नेक्सा के पीड़ित लोगों से समझौता करवाने का काम शुरू करवा दिया था। आरोपी नरेश काजला व उसके साथियों ने पीड़ितों को जमीन या पैसा दिलवाने का झांसे देकर अब भी न्यायालय में ले जाकर व स्टांप पर लिखवाकर समझौते करवाए थे। लोक नव निर्माण समित के अध्यक्ष रूघाराम, सचिव विनोद कुमार ढिल्लन व कोषाध्यक्ष जितेंद्रसिंह, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश के साथ ही सदस्य हरिप्रसाद सामोता, विधाधर, खुमानसिंह सहित कुल सात लोग बनाए गए थे।

आरोपी नरेश काजला ने ठगी से पैसों से जमकर ऐश की। पुलिस सूत्रों के अनुसार उसने नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा सिटी के हजारों पीड़ितों के केस वापस उठवाकर उन्हें उनके पैसे या पैसे के बदले जमीन दिलवाने का झांसा दिया था। आरोपी नरेश काजला ने धोलरो सिटी के पास ही दूसरी सोसायटी के 136 प्लॉट्स लिए थे, जो पीड़ितों को देने थे लेकिन उन्हें इसने करीब 136 करोड़ में बेच दिए थे। प्लॉट्स के बेचने इससे आए रुपयों को गुजरात के अहमदाबाद में लग्जीरिया ग्रुप के साथ मिलकर प्रोपट्री आदि खरीद रहा था।

प्रसिद्ध मंदिरों में विकास कार्यों को सावधानीपूर्वक पूरा किया जाए : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदाय धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा ने अधिकारियों को मंदिरों की सुंदरता, क्षेत्र की विशिष्टता और ऐतिहासिक स्मारकों को नुकसान पहुंचाए बिना राज्य के प्रसिद्ध मंदिरों में विकास कार्यों को सावधानीपूर्वक करने का निर्देश दिया। मंत्री कोंडा सुरेखा ने सचिवालय में देवदाय धर्मार्थ मंत्रालय कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में कीसरगुट्टा रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर, वाईटीडीए के तत्वावधान में यदाद्री मंदिर की प्रगति, भद्राचलम श्री सीतारामचंद्र स्वामी मंदिर के विकास और विभिन्न मंदिरों में सुविधाओं के निर्माण की योजना पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में धर्मार्थ विभाग की प्रधान सचिव शैलजा रामअय्यर, आयुक्त हनमंता राव, वाईटीडीए के उपाध्यक्ष किशन राव, मुख्य लेखा अधिकारी वेंकन्ना गौड़, डीईई ऐश्वर्या, वाईटीडीए संपदा अधिकारी संतोष, कांची कामकोटि वैदिक स्कूल के अध्यक्ष गोविंदा हरि, संरक्षण वास्तुकार सूर्य नारायण मूर्ति और अन्य ने भाग लिया। इस अवसर पर मंत्री सुरेखा ने कहा कि मंदिरों की प्रगति के लिए किए जाने वाले कार्य वन, देवोदय, पर्यटन, संस्कृति, आर एंड बी, पंचायत राज और अन्य विभागों के समन्वय से किए जाने चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई बाधा न आए। उन्होंने कहा कि देवदाय विभाग के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित निगरानी समिति की रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद यादगिरिगुट्टा गर्भगृह के विमान गोपुरम को सोना चढ़ाने और वैदिक विद्यालय के निर्माण का काम शुरू किया जाएगा। मंत्री सुरेखा ने घोषणा की कि कांची कामकोटि पीठम के तत्वावधान में

गोविंदा हरि की अध्यक्षता में रायगिरी में 20 एकड़ जमीन पर 43 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से वैदिक स्कूल का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तैयार अन्नदान सत्र को जल्द ही शुरू किया जाएगा। यदागिरीगुट्टा में भारत के सबसे लंबे लिंक पुल का निर्माण होगा।

हिंदी पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता का आयोजन

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत हिंदी पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अवसर पर निर्णायक के रुप में पंजाब नेशनल बैंक, अंचल कार्यालय, हैदराबाद के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) डॉ. साकेत सहाय आमंत्रित थे। संस्थान के प्रशासन नियंत्रक, आनंद कुमार, प्रशासनिक अधिकारी चंद्रमोहन टूडू एवं वाई. श्रीनिवास राव की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रतियोगिता में संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों ने भाग लेकर विभिन्न विधाओं की पुस्तकों की समीक्षा प्रस्तुत की।

निर्णायक डॉ. साकेत सहाय, मुख्य ने प्रतिभागियों के भिन्न-भिन्न प्रकार के पुस्तकों की प्रस्तुति की सराहना की ।

उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पुस्तकों का अध्ययन करने की अपील की।

प्रतियोगिता की शुरुआत करते हुए हिंदी अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार ने संस्थान के सभी सदस्यों को प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हुए "सफ़दर हाशमी' की प्रसिद्ध कविता "किताबें करती हैं बातें, बीते ज़माने की, ..आज की, कल की,एक-एक पल की' के माध्यम से जीवन में पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं कनिष्ठ हिंदी अनुवादक आदर्श कुमार ने प्रतियोगिता का संचालन किया।

श्री खेतलाजी भैरुजी का जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री आईमाताजी बडेर सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुट्टा हैदराबाद समाज बन्धुओं के तत्वावधान में भादव मास के पावन अवसर पर श्री खेतलाजी भैरुजी का जागरण पुजा-अर्चनाकर मंगलवार 17 सितम्बर रात्रि 9.15 बजे से आयोजित किया गया।

विज्ञप्ति में अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सचिव नारायणलाल काग ने संयुक्तरुप से बताया कि हर वर्ष की भांति भादवा सुदी के पावन अवसर पर श्री खेतलाजी भैरुजी का जागरण आयोजित किया गया। जिसमें नैनाराम एंड पार्टी ने भजनों के पुष्प अर्पित किये।

अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़ ने अपने कार्यकाल के प्रथम जागरण मे कार्यक्रम मे पधारे समाज बन्धुओं का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए बताया कि जो भक्त भादवा सुदी दूज माई के दर्शनकर आशीर्वाद प्राप्त करते है उन भक्तों को खेतलाजी भैरुजी के जागरण मे पधारकर दर्शन करने से ही मनोकामना पूर्ण होती है । नई कार्यकारिणी के प्रथम जागरण मे बहुत से समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, रमेश पँवार, नारायणलाल काग, हीराराम खंडाला, खंगारसिंह लचेटा, चेलाराम भायल, जे.सी. चोलाराम हाम्बड़, जसवंत देवड़ा, महिला सचिव निर्मला देवड़ा, नीलू लचेटा, गवरी परिहार, पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य व समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा । मंच का संचालन सचिव नारायणलाल काग ने किया।

नराकास को उत्कृष्ट केन्द्र बनाने के लिए संकल्पशील हैं : अनुराग कुमार

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद को हिन्दी दिवस एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के अवसर पर वर्ष क्षेत्र केअंतर्गत उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह नराकास राजभाषा प्रथम पुरस्कार नित्यानंद राय, गृह राज्य मंत्री,भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारत मंडपम, नई दिल्ली में किया गया। समिति की ओर से अनुराग कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ईसीआईएल तथा अध्यक्ष,नराकास (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंराबाद ने पुरस्कार ग्रहण किया तथा डॉ. राजनारायण अवस्थी, सदस्य-सचिव ने प्रमाणपत्र ग्रहण किया।

मातृ, शिशु मृत्यु दर में वृद्धि

*** गांधी अस्पताल ने अगस्त में दर्ज की रिपोर्ट**

*** एक महीने की रिपोर्ट ने स्वास्थ्य महकमे को चौंकाया**

*** मुख्य सचिव तुरंत करें मामले की जांच : केटीआर**

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य द्वारा संचालित गांधी अस्पताल को इस अगस्त में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में भारी वृद्धि का सामना करना पड़ा है। रिपोर्टों के अनुसार अगस्त माह में इस केंद्र में कुल 14 माताओं और 44 शिशुओं की मृत्यु हो गई। इस चिंताजनक घटनाक्रम ने न केवल अस्पताल में प्रदान की जाने वाली देखभाल की गुणवत्ता पर चिंताएं बढ़ा दी हैं, बल्कि पिछले एक दशक में तेलंगाना राज्य में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार की दिशा में हुई प्रगति को भी खतरे में डाल दिया है।

उपलब्ध जानकारी के आधार पर, 5 अगस्त से 30 अगस्त के बीच कुल 14 माताओं की प्रसव के बाद जटिलताओं के कारण मृत्यु हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, जन्म देने के तुरंत बाद मरने वाली सभी माताएं विभिन्न जिलों से थीं। इसी तरह, उसी समयावधि में, एमसीएच सुविधा में कुल 44 शिशुओं की मृत्यु हुई, जिनमें से एक आंध्र प्रदेश से था जबकि बाकी तेलंगाना से थे।

घटनाक्रम से परिचित वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञों ने कहा कि सिर्फ़ एक महीने में एक सरकारी सुविधा में 14 मातृ मृत्यु और 44 शिशु मृत्यु चौंकाने वाली है और यह स्पष्ट संकेत है कि कोई पर्यवेक्षण और विशेषज्ञता की उपलब्धता नहीं है। पिछले साल तक, हम तेलंगाना के सरकारी अस्पताल में गर्भवती मां या शिशु की एक भी मृत्यु होने पर वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों के सामने चिकित्सा दस्तावेज़ों के साथ स्पष्टीकरण देते थे। ये संकेत तेलंगाना राज्य के समग्र आईएमआर और एमएमआर स्तरों के लिए अच्छे नहीं हैं।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि हाल ही में हुए सामान्य स्थानांतरण, जिसमें एक सरकारी अस्पताल के 40 प्रतिशत कर्मचारियों को अन्य राज्य संचालित स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में स्थानांतरित कर दिया गया, भी मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में वृद्धि का एक प्रमुख कारण हो सकता है।

डॉक्टरों ने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) सुविधाएं अत्यधिक विशिष्ट सुविधाएं हैं, जहां गंभीर रूप से बीमार बच्चों और माताओं को तेलंगाना राज्य भर से भर्ती कराया जाता है। आपको सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड वाले उच्च प्रशिक्षित स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों की आवश्यकता होती है। हालांकि, वर्तमान में, हैदराबाद में मातृ एवं शिशु देखभाल के लिए समर्पित सभी प्रमुख तृतीयक अस्पतालों में, जिसमें निलोफर अस्पताल भी शामिल है, ऐसे अनुभवी कर्मचारियों को स्थानांतरित कर दिया गया है और उनकी जगह अनुभवहीन व्यक्तियों को रखा गया है।

गांधी अस्पताल में हुए घटनाक्रम पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने बुधवार को एक्स से बात की और मौतों की तत्काल जांच की मांग की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि तेलंगाना ने शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर को कम करने के लिए सचेत और बहुत सावधानी से काम किया है। 2023 तक, हमारे पास स्वतंत्रता के बाद से तेलंगाना में सबसे अच्छा आईएमआर और एमएमआर था। मैं मांग करता हूं कि मुख्य सचिव तुरंत मामले की जांच करें और नागरिकों को बताएं कि घोर लापरवाही कहां हुई?

तालाब में दो लोगों के डूबने की आशंका

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल में बुधवार को एक तालाब में दो लोगों के डूबने की आशंका है। पुलिस के अनुसार पश्चिम बंगाल के मूल निवासी नेल्सन (35) और दीपू (29) मेडचल में रहते हैं। वे बुधवार दोपहर को मेडचल के अरिकेलागुडा गांव में कोमाटी कुंटा तालाब में तैरने गए थे। दोनों के तालाब में डूबने की आशंका है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को निकालने के प्रयास शुरू किए। मामला दर्ज कर लिया गया है।

सिलेंडर ले जा रहे ट्रक ने महिला को कुचला

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को नचाराम में एलपीजी सिलेंडरों से लदे ट्रक की चपेट में आने से एक गृहिणी की मौत हो गई। अम्बरपेट निवासी नीता (35) अपने बेटे को स्कूल छोड़ने के लिए नचाराम गई थीं।

नचाराम पुलिस ने बताया कि जब वह स्कूटर से लौट रही थी, तभी एक ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी और महिला वाहन से गिर गई।

चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

भूमि अधिग्रहण के खिलाफ प्रदर्शन

नलगोंडा, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चौटुप्पल मंडल में किसानों ने क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के लिए भूमि अधिग्रहण के खिलाफ बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व विधायक के प्रभाकर रेड्डी के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने उचित मुआवजे के बिना उनकी कृषि भूमि के जबरन अधिग्रहण के प्रति अपना विरोध जताया। किसानों ने सड़क योजना में पुनःसंरेखण की मांग की ताकि कृषि भूमि को इसमें शामिल न किया जाए, जिसे वे अपनी आजीविका के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि आरआरआर को गैर-कृषि भूमि अधिग्रहित करके विकसित किया जाना चाहिए। अपनी चिंताओं और मांगों को रेखांकित करते हुए एक ज्ञापन राजस्व प्रभागीय अधिकारी शेखर रेड्डी को सौंपा गया।

अग्रसेन सहकारी शहरी बैंक लिमिटेड सिद्धिअम्बर बाजार स्थित अपने प्रधान कार्यालय में विसर्जन के दिन भगवान गणेश भक्तों को प्रसाद वितरित किया। प्रसाद का वितरण दोपहर 1.00 बजे से शुरू हुआ और रात 8 बजे तक जारी रहा।

समारोह में अध्यक्ष- प्रमोद कुमार केडिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष-सीए नवीन कुमार अग्रवाल और अन्य निदेशकों नारायण दत्त, पंकज कुमार अग्रवाल और श्रीमती अंजू केडिया ने सपरिवार भाग लिया। बैंक के सभी कर्मचारियों ने पूरे समय गणेश भक्तों को प्रसाद वितरित किया। सी वी राव-जीएम/सीईओ और आनंद अग्रवाल-डीजीएम ने सभी व्यवस्थाओं की देखरेख की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन समारोह में जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ राममंदिर गौलीगुड़ा में 108 नारियल फोड़कर उनकी लंबी उम्र की कामना की।

दक्षिण मध्य रेलवे पर क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय में बुधवार को अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में अपर महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक ए.के.श्रीवास्तव, सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष, संबंधित अधिकारी उपस्थित थे तथा अन्य मंडलों व कारखानों के प्रतिनिधियों ने ऑन लाइन माध्यम से सहभागिता की। महाप्रबंधक ने सभी को हिंदी दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस रेलवे पर हिंदी पखवाडा मनाया जा रहा है और इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। कार्यालय के प्रधान के रूप में उन्होंने सभी से अपील की कि सभी अधिकारी/कर्मचारी हिंदी पखवाडा के दौरान स्वयं हिंदी में काम करें और अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को अपना अधिक से अधिक काम

हिंदी में करने के लिए कहें। उन्होंने कहा कि संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण के दौरान, हिंदी पखवाडा से पहले हिंदी में किए गए कार्य तथा हिंदी पखवाडा के दौरान हिंदी के कामकाज में हुई वृद्धि के प्रतिशत का विवरण मांगा जाता है।

अतः तदनुसार अपने-अपने विभाग, मंडल और कारखानों में इस दौरान हिंदी के कार्य में हुई प्रगति की समीक्षा किया जाए और इसकी रिपोर्ट प्रधान कार्यालय को भेजा जाए। बैठक के आरंभ में मुख्य राजभाषा अधिकारी ने अध्यक्ष तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि मुख्यालय में 14 से 27 सितंबर तक हिंदी पखवाडा मनाया जा रहा है।

इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। बैठक के दौरान हिंदी ई-पत्रिका "रेल सुधा' का विमोचन महाप्रबंधक के करकमलों से किया गया। हिंदी में अधिकाधिक एवं सराहनीय कार्य करने वाले 11 अधिकारियों व 11 कर्मचारियों को "महाप्रबंधक पुरस्कार' योजना के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया। डॉ. श्याम सुंदर साहु, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने पिछली तिमाही की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट की मदों पर विस्तार से चर्चा की। एम.के.नागराजु, राजभाषा अधिकारी, प्रधान कार्यालय ने पिछली तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्यों की जानकारी दी. मंडलों और कारखानों के प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और अगली तिमाही की कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी।

ग्रेटर वारंगल में वायरल बुखार, डेंगू का प्रकोप

वारंगल, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ हफ़्तों में ग्रेटर वारंगल इलाकों में लंबे समय से वायरल बुखार और डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी अधिकारियों के लिए चिंता का विषय बन गई है। सरकारी और निजी दोनों अस्पतालों में सर्दी, खांसी, गले में दर्द, बदन दर्द और तेज बुखार जैसे वायरल बुखार के लक्षणों वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। वारंगल शहर के एमजीएम अस्पताल में प्रतिदिन 500 से 800 मरीज़ आ रहे हैं, जिनमें से 30 से 40 प्रतिशत वायरल बुखार की शिकायत करते हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, ग्रेटर वारंगल में डेंगू के 128 मामले और मलेरिया का एक मामला सामने आया है।

सूत्रों का कहना है कि शहर में डेंगू के मामले 300 से ज़्यादा हो गए हैं क्योंकि कई मामले रिपोर्ट ही नहीं किए गए हैं। शहर के देसाईपेट इलाके से मलेरिया का एक मामला सामने आया है।

एमजीएम अस्पताल में हर दिन 250 से अधिक बच्चे मौसमी बुखार की शिकायत लेकर आ रहे हैं और उनमें से 50 से अधिक को अस्पताल में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि शहर में अकेले इस महीने में 60 से अधिक बच्चों में डेंगू की पुष्टि हुई है। अस्पताल में बच्चों के लिए 150 बेड हैं और चूंकि भर्ती होने वाले बच्चों की संख्या अधिक है, इसलिए एक ही बेड पर दो बच्चों को लिटाया जाता है, जिससे बच्चों को असुविधा होती है। डेंगू और अन्य वेक्टर जनित रोगों की जांच कराने की होड़ के कारण शहर भर के सरकारी अस्पतालों के ओपीडी और पैथोलॉजी सेक्शन में लंबी कतारें लग रही हैं।

शहर में जांच के लिए बड़ी संख्या में लोग निजी लैब के सामने कतार में लग रहे हैं। एमजीएम अस्पताल और शहर के अन्य सरकारी अस्पताल खचाखच भरे हुए हैं। यहां तक कि अधिकांश निजी अस्पताल भी मरीजों से भरे हुए हैं। बुजुर्ग, बच्चे और महिलाएं बुखार से ज्यादा प्रभावित हैं।

एनएमडीसी में हिंदी प्रश्न मंच एवं चित्र अभिव्यक्ति प्रतियोगिता

हैदराबाद , 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजभाषा माह समारोह, के एक भाग के रूप में 18 सितंबरको अनुसंधान एवं विकास केंद्र के कार्मिकों के लिए "हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिता' एवं चित्र अभिव्यक्ति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कार्मिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

प्रारंभ में रूद्र नाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने मुख्य अतिथि एस.के. जैन, मुख्य महाप्रबंधक (आर.ई.डी.) तथा सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा प्रतियोगिता की निर्णायक डॉ. अनुराधा पांडेय, राजभाषा अधिकारी, डीआरडीओ,हैदराबाद का परिचय कराया। उद्घाटन एस.के. जैन ने किया।

संचालक डॉ. अनुराधा पांडेय ने प्रतिभागियों को चित्र अभिव्यक्ति प्रतियोगिता के नियमों की जानकारी दी। प्रश्न-मंच में प्रथम स्थान पर मीर असगर अली, एस.ए. वाहब एवं मुरली कृष्णा; द्वितीय स्थान पर डॉ. संतोष सराफ, जगदीश शिंदे एवं श्री सैयद अलीम तथा तृतीय स्थान पर आर. शिवकुमार, डॉ. श्रीराम गुरू एवं ए. सूरी बाबू की टीम विजेता रहीं।

चित्र अभिव्यक्ति प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान हिंदीतर वर्ग में क्रमश: पी.डी.एस.पटनायक, के.के. नागराज एवं नन्द किशोर एवं हिंदीभाषी वर्ग में एस.ए. वाहब, मीर असगर अली एवं सैयद ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता का समन्वयन डॉ. रजिन्दर कौर,वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन एस.ए. वाहब ने दिया।

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में हिंदी चेतना मास समारोह का उद्घाटन

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में हिंदी चेतना मास समारोह का उद्घाटन किया गया। समारोह का शुभारंभ श्रीमती अंकिता उपाध्याय द्वारा सरस्वती वंदना की गई। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक ने दीप प्रज्ज्वलित करके समारोह के शुभारंभ किया। डॉ. जिनु जेकब, वैज्ञानिक एवं प्रभारी अधिकारी, हिंदी कक्ष ने समारोह में उपस्थित लोगों का स्वागत किया तथा बताया कि इस तरह के समारोह मुख्य रूप से सभी को हिंदी के प्रति आकर्षित करने हेतु आयोजित किए जाते हैं। तत्पश्चात डॉ. तारा सत्यवती ने संस्थान के सभी कार्मिकों को राजभाषा प्रतिज्ञा दिलाई।

इस अवसर पर श्रीमती ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने शिवराज सिंह चौहान केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री के संदेश तथा डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अपील का वाचन किया। इसके अलावा डॉ. महेश कुमार ने हिंदी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्रदान करके 75 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं अतः इस बार हम राजभाषा हीरक जयंति उत्सव मना रहे हैं।

इसके अलावा उन्होंने हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित की जा रही विभिन्न प्रतियोगिताओं (आशुभाषण प्रतियोगिता, टिप्पण एवं आलेखन, अनुवाद, गायन/अंत्याक्षरी, हिंदी में पोस्टर प्रस्तुतीकरण आदि) तथा हिंदी में हस्ताक्षर अभियान के संबंध में जानकारी प्रदान की। अंत में डॉ. महेश कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

तत्पश्चात राष्ट्रगान के बाद समारोह का समापन हुआ। इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय तथा संचालन डॉ. सी तारा सत्यवती के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. महेश कुमार के द्वारा किया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

गंभीर का प्लेइंग-11 को लेकर स्पष्ट संकेत: सरफराज-जुरेल को करना पड़ सकता है इंतजार

चेन्नई, 18 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच गुरुवार से दो मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। पहला मुकाबला 19 सितंबर से चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेला जाएगा। इसको लेकर दोनों टीमें तैयारी में जुटी हुई हैं। सीरीज शुरू होने से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। आज यानी बुधवार को भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। गंभीर ने संकेत दिए हैं कि ध्रुव जुरेल और सरफराज खान जैसे युवाओं को बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए चुने जाने की संभावना नहीं है। गंभीर ने मैच की पूर्व संध्या पर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि इन दोनों को टेस्ट टीम में खेलने के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।

गंभीर ने स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर भी बातचीत की। गंभीर के मुताबिक बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। गंभीर का मानना है कि भारत लंबे समय से बल्लेबाजों का दीवाना रहा है, लेकिन अब उन्हें खुशी है कि लोगों ने गेंदबाजों की भी तारीफ करनी शुरू कर दी है। इसके अलावा भी भारतीय टीम के मुख्य कोच ने कई मुद्दों पर बातचीत की। आइए जानते हैं...

'अति आत्मविश्वास से बचना होगा'

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि 'खेलने की सबसे अच्छी शैली वह शैली है जिससे टीम को जीतने में मदद मिलती है।' गंभीर ने इससे स्पष्ट संकेत दिया है कि वह बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में वह खिलाड़ियों को अति आत्मविश्वास से बचाएंगे। बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान को हराने के बाद आत्मविश्वास से भरी है और ऐसे में भारतीय खिलाड़ी उन्हें हल्के में लेने की कोशिश नहीं करेंगे।

सीनियर खिलाड़ियों पर गंभीर का बयान

गंभीर ने कहा कि टीम के सीनियर खिलाड़ियों के साथ उनके अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने इनमें से काफी खिलाड़ियों के साथ क्रिकेट खेला है। मैं उस रिश्ते को आगे बढ़ाना चाहता हूं। सभी सीनियर खिलाड़ियों के साथ मेरा रिश्ता अच्छा है।' गंभीर ने आर अश्विन और रवींद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत बहुत भाग्यशाली है कि दोनों एक ही समय में उपलब्ध और फिट हैं।

प्लेइंग-11 को लेकर बड़ा अपडेट

गंभीर ने प्लेइंग-11 को लेकर भी बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने 11 खिलाड़ियों को लेकर संकेत दिए हैं। गंभीर का कहना है कि टीम में केवल 11 खिलाड़ी खेल सकते हैं। इसलिए युवा सरफराज खान और ध्रुव जुरेल को अपने मौके का इंतजार करना पड़ सकता है। इसका मतलब है कि केएल राहुल और ऋषभ पंत दोनों ही मध्यक्रम में पहली पसंद होंगे। वहीं, भारत तीन स्पिनर्स के साथ उतर सकता है। गंभीर ने संकेत दिए हैं कि अश्विन, जडेजा और कुलदीप इस टेस्ट में खेल सकते हैं।

पिच की आलोचना करने वालों को गंभीर की दो टूक

गंभीर ने कहा कि यह अच्छा है कि हमने तेज गेंदबाजों की सराहना करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, 'जसप्रीत बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और यह अच्छी बात है कि हम भारत में गेंदबाजों के बारे में बात कर रहे हैं। हम लंबे समय से बल्लेबाजों के प्रति जुनूनी रहे हैं।' बांग्लादेश के स्पिन खतरे के बारे में गंभीर ने कहा, 'हमारी बल्लेबाजी में इतनी काबिलियत है कि वह किसी भी स्पिन इकाई का सामना कर सकती है।' भारत में पिचों को लेकर चिंताओं के बारे में गंभीर ने कड़ा जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'जब भारत दक्षिण अफ्रीका गया था तो टेस्ट मैच दो दिन में खत्म हो जाता था। किसी ने इस बारे में बात नहीं की थी, लेकिन यहां मुद्दा बन जाता है।'

पंत को लेकर गंभीर का बयान

गंभीर ने कहा, 'पंत हमारे लिए मैच बना सकते हैं। विकेटकीपर के तौर पर भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है। हम सभी जानते हैं कि पंत कितने घातक हो सकते हैं। उनके जैसा खिलाड़ी होना किसी भी टीम के लिए अच्छा है। उन्होंने विकेटकीपिंग में भी हाल फिलहाल में शानदार प्रदर्शन किया है। उनकी बल्लेबाजी कीपिंग पर भारी पड़ती है। वह टीम में बहुत सारी अच्छी चीजें लाते हैं।' गंभीर के इस बयान से स्पष्ट है कि पंत ही विकेटकीपिंग करेंगे और राहुल बतौर बल्लेबाज खेल सकते हैं।

प्लेइंग-11 लगभग तय

गंभीर ने लगभग कल के लिए भारत की प्लेइंग इलेवन की पुष्टि कर दी है। सरफराज और जुरेल के न खेलने पर पंत और केएल राहुल मध्यक्रम में खेलते दिखेंगे। शीर्ष चार बल्लेबाज पहले से तय थे। रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ओपनिंग करेंगे। वहीं, शुभमन गिल तीसरे और विराट कोहली चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते दिखेंगे। पांचवें और छठे स्थान पर राहुल और पंत बल्लेबाजी करेंगे। गंभीर तीन स्पिनर्स और दो तेज गेंदबाजों की स्ट्रैटजी के साथ मैदान पर उतर सकते हैं। इनमें अश्विन, जडेजा, कुलदीप, बुमराह और सिराज शामिल हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारत की संभावित प्लेइंग-11: रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में कुश्ती को मिलेगी जगह?

डब्ल्यूएफआई ने किया आग्रह, स्कॉटलैंड के राजी होने पर संशय

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह ने राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) से आग्रह किया कि इस खेल को 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में बरकरार रखा जाए। राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन पहले ऑस्ट्रेलियाई राज्य विक्टोरिया में होना था, लेकिन अब यह स्कॉटलैंड में हो सकता है। इस कारण डब्ल्यूएफआई को इस बात की संभावना कम लगती है कि स्कॉटलैंड इसके लिए राजी हो। भारत राष्ट्रमंडल खेलों में कुश्ती में सबसे सफल देशों में से एक है जिसने 2022 तक इस खेल में 114 पदक जीते हैं।

संजय सिंह

कुश्ती पिछले तीन खेलों में राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा रही है। पिछली बार कुश्ती को 2006 में इन खेलों में जगह नहीं मिली थी जब बास्केटबॉल ने इसकी जगह ले ली थी। इससे पहले 1998 में 10 पिन बॉलिंग को शामिल करने के लिए कुश्ती को खेलों की सूची से हटा दिया गया था। स्कॉटलैंड की राजधानी ग्लास्गो का 2026 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करना लगभग तय है क्योंकि विक्टोरिया इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के आयोजन की भारी लागत का हवाला देते हुए मेजबानी से पीछे हट गया था।

संजय ने कहा, मैंने राष्ट्रीय खेल महासंघ की राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के साथ बैठक के दौरान सीजीएफ अध्यक्ष क्रिस जेनकिंस और सीजीएफ सीईओ केटी सेडलियर से मुलाकात की। हमने उन्हें बताया कि भारत और कुछ अन्य खेलों के लिए कुश्ती का राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल होना कितना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अंतिम फैसला स्कॉटलैंड करेगा। कुश्ती ब्रिटेन में काफी लोकप्रिय नहीं है। इंग्लैंड और स्कॉटलैंड अपने काफी पहलवानों को खेलों में नहीं भेजते, इसलिए इसे बरकरार रखे जाने की संभावना काफी अधिक नहीं है। उन्होंने हमें बताया कि कार्यक्रम में सिर्फ 10 से 11 खेल होंगे और अंतिम फैसला स्कॉटलैंड करेगा।

खेलों में की जा सकती है कटौती

बर्मिंघम में 2022 में हुए पिछले राष्ट्रमंडल खेलों के कार्यक्रम में 20 खेलों को जगह मिली थी जिसमें भारत ने 61 पदक जीते थे और इसमें से 12 पदक पहलवानों ने जीते थे। भारत ने जो 22 स्वर्ण पदक जीते थे उनमें से कुश्ती में छह स्वर्ण आए थे जो किसी भी खेल में सबसे अधिक स्वर्ण पदक था। इसके बाद टेबल टेनिस (चार) और मुक्केबाजी (तीन) का स्थान था। हालांकि बर्मिंघम खेलों से बाहर रखे जाने के बाद निशानेबाजी राष्ट्रमंडल खेलों में वापसी करेगी।

हरमनप्रीत और पीआर श्रीजेश एफआईएच हॉकी वार्षिक पुरस्कार के लिए नामित

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामित किया है। वहीं, पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के पुरस्कार के लिए नामित किया है। दोनों ने पेरिस ओलंपिक में भारत के शानदार अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और टीम को कांस्य पदक दिलाया था।

कप्तान हरमनप्रीत ने इस ओलंपिक में सबसे ज्यादा 10 गोल किए थे। वह इस ओलंपिक में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। इस पुरस्कार की दौड़ में हरमनप्रीत के अलावा थिएरी ब्रिंकमैन (नीदरलैंड), जोएप डी मोल (नीदरलैंड), हेंस मुलर (जर्मनी) और जैच वालेस (इंग्लैंड) शामिल हैं।

अपने आखिरी टूर्नामेंट में खेलते हुए अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार गोलकीपिंग की थी। भारत ने स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया था। वहीं, श्रीजेश का मुकाबला पिरमिन ब्लैक (नीदरलैंड), लुइस कैलजाडो (स्पेन), जीन-पॉल डैनबर्ग (जर्मनी), टॉमस सैंटियागो (अर्जेंटीना) है।

एफआईएच ने अपनी वेबसाइट पर इस सूची को जारी करते हुए कहा-नामांकन हासिल करने वालों का चयन एक विशेष समिति द्वारा किया गया है जिसमें प्रत्येक महाद्वीपीय संघ द्वारा चुने गए खिलाड़ी, कोच और अधिकारी शामिल हैं।

इस सूची को अंतिम रूप देने से पहले विशेषज्ञ समिति को 2024 में आयोजित सभी अंतरराष्ट्रीय मैचों के मैच डेटा मुहैया कराए गए थे। इसमें टेस्ट मैच, एफआईएच हॉकी प्रो लीग, एफआईएच हॉकी नेशंस कप, एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर और पेरिस ओलंपिक 2024 के मुकाबले शामिल थे।

राष्ट्रीय संघों (उनकी संबंधित राष्ट्रीय टीमों के कप्तानों और कोचों द्वारा प्रतिनिधित्व), प्रशंसकों, खिलाड़ियों, कोचों, अधिकारियों और मीडिया के लिए मतदान प्रक्रिया 11 अक्टूबर तक जारी रहेगी। एफआईएच ने आगे कहा- विशेषज्ञ समिति के मतों को 40 प्रतिशत महत्व मिलेगा जबकि राष्ट्रीय संघो, प्रशंसकों एवं अन्य खिलाड़ियों और मीडिया के मतों को 20-20 प्रतिशत महत्व मिलेगा।

शतरंज ओलंपियाड में पुरुषों का विजय अभियान जारी

एरिगैसी ने हासिल की छठी जीत

बुडापेस्ट, 18 सितंबर (एजेंसियां)। विश्व नंबर के चार भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने 45वें शतरंज ओलंपियाड में शानदार जीत दर्ज की। इसी के साथ भारत की पुरुष टीम ने छठे दौर में भी अपना विजय अभियान जारी रखा। एरिगैसी ने छठे दौर में हंगरी के सजुगिरोव सानन पर शानदार जीत हासिल की।

डी गुकेश ने हंगरी के शीर्ष खिलाड़ी रिचर्ड रैपॉर्ट के खिलाफ आसान ड्रॉ खेला तो वहीं प्रज्ञानंद ने भी पीटर लेको के साथ अंक बाटें। विदित गुजराती के बेंजामिन ग्लेडुरा को हराने के साथ ही भारत ने हंगरी पर 3-1 से जीत दर्ज करते हुए छह दौर के बाद पुरुष वर्ग में एकल बढ़त कायम कर ली।

महिला वर्ग में दिव्या देशमुख ने एलेना डेनियलियन पर जीत के चलते भारत ने आर्मेनिया के खिलाफ शुरुआती बढ़त हासिल की। डी हरिका और आर वैशाली को अपने अपने मुकाबले में ड्रॉ से संतुष्ट होना पड़ा।

तानिया सचदेव ने मजबूत स्थिति से सुरक्षित खेलते हुए अन्ना सरगास्यान के साथ चौथे बोर्ड पर मैच ड्रा किया और भारत ने मुकाबला 2.5-1.5 से जीत लिया। पुरुष टीम की तरह भारतीय महिला टीम भी तालिका में शीर्ष पर है।

संन्यास के बाद अब शिखर धवन को मिली नई जिम्मेदारी

'गब्बर' को लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2024 में गुजरात ग्रेट्स कप्तान का रोल

मुंबई, 18 सितंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व धाकड़ सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने बीते कुछ दिनों पहले इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। जिसके बाद अब शिखर धवन लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2024 के तीसरे सीजन में खेलते हुए नजर आने वाले हैं। इस बार लीजेंड्स लीग क्रिकेट में शिखर धवन और दिनेश कार्तिक पहली बार खेलने वाले हैं। दिनेश कार्तिक ने भी इस बार आईपीएल से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया था। वहीं अब लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2024 के लिए सभी टीमों के कप्तानों के नाम भी सामने निकलकर आ रहे हैं। शिखर धवन को भी एक टीम ने अपना कप्तान बनाया है।

धवन बने गुजरात ग्रेट्स के कप्तान

शिखर धवन का ये लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2024 का पहला सीजन है और पहले ही सीजन में उनको कप्तानी सौपी गई है। गुजरात ग्रेट्स ने धवन को अपनी टीम का कप्तान बनाया है। बता दें, धवन को कप्तानी का अच्छा अनुभव भी है।

आईपीएल में शिखर ने लंबे समय तक कप्तानी की है। आईपीएल 2024 में धवन पंजाब किंग्स के कप्तान थे, लेकिन चोट के चलते धवन ये पूरा सीजन खेल नहीं पाए थे। वहीं पहली बार लीजेंड्स लीग क्रिकेट खेल रहे दिनेश कार्तिक को कप्तानी मिली है।

20 सितंबर होगा टूर्नामेंट का आगाज

लीगजेंड्स लीग क्रिकेट 2024 का आगाज 20 सितंबर से होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा ले रही है। टूर्नामेंट में 25 मैच खेले जाएंगे। जोधपुर के अलावा इस बार जम्मू और कश्मीर में भी मैच खेले जाएंगे। चार शहरों में इस टूर्नामेंट के सभी मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 26 अक्टूबर को खेला जाएगा।

1 रन पर छूटा कैच, फिर कोहराम मचाकर क्विंटन डिकॉक ने जिताया मैच

सीपीएल 2024 में 23 छक्कों के साथ की रनों की बारिश

खेल डेस्क, 18 सितंबर (एजेंसियां)। सीपीएल 2024 में जिस एक खिलाड़ी का नाम सबसे ज्यादा गूंज रहा है वो हैं क्विंटन डिकॉक. कैरेबियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में बारबाडोस रॉयल्स की सफलता, उसके टेबल टॉपर बनने के पीछे बस क्विंटन डिकॉक हैं. अब जब टीम ने 17 सितंबर को सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रिएट्स के खिलाफ मैच जीतकर लीग में जीत का सिक्सर लगाया तो उसमें भी बल्ले से क्विंटन डिकॉक ही छाए रहे. ये ओपनिंग बैटर ना सिर्फ बारबाडोस रॉयल्स के लिए मैच दर मैच विरोधियों का पहला हमला झेल रहा है बल्कि उसे नस्तेनाबूत कर जीत का बेस भी तैयार कर रहा है. कई मौकों पर तो डिकॉक मैच खत्म कर ही लौट रहे हैं, जैसा कि बारबाडोस को मिली छठी जीत में हुआ.

बारबाडोस रॉयल्स ने सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रिएट्स के खिलाफ मुकाबला 9 विकेट से जीता. बड़ी बात ये रही कि उसने ये मैच 52 गेंद यानी 8.4 ओवर बाकी रहते हुए जीता, जिसका सीधा असर टीम के रनरेट पर होगा. बारबाडोस रॉयल्स की ये CPL 2024 में अब तक खेले 6 मैचों में छठी जीत है. वहीं सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रिएट्स की अब तक खेले 8 मैचों में 7वीं हार.

मुकाबला जीतने के लिए बारबाडोस रॉयल्स को सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रिएट्स से 111 रन का मामूली लक्ष्य मिला था, जिसे उसने क्विंटन डिकॉक की तूफानी बल्लेबाजी से देखते ही देखते जीत लिया. हालांकि, क्विंटन डिकॉक के लिए बल्ले से कोहराम नहीं मचा पाते अगर सिर्फ 1 रन के स्कोर पर सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रिएट्स के एविन लुईस ने उनका कैच ना टपकाया होता. लेकिन, वो जीवनदान का क्या मिला मानों डिकॉक को एक और दमदार पारी खेलने का लाइसेंस मिला हो.

क्विंटन डिकॉक ने फिर आखिर तक नाबाद रहते हुए सिर्फ 38 गेंदों में 155.26 की स्ट्राइक रेट से 59 रन ठोक डाले, जिसमें 2 चौके और 4 छक्के शामिल रहे. इस पारी के दौरान उन्होंने पहले विकेट के लिए कादिम अलियान के साथ 57 रन जबकि दूसरे विकेट के लिए एलिक अथांजे के साथ नाबाद 56 रन जोड़े और अपनी टीम को जीत दिलाई.

सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रिएट्स के खिलाफ पारी में जमाए 4 छक्कों के साथ क्विंटन डिकॉक ने CPL 2024 में अब तक खेले 6 मैचों में कुल 23 छक्के लगाए हैं, जो कि दूसरे किसी बल्लेबाज के मुकाबले सबसे ज्यादा हैं. इन 23 छक्कों के साथ उन्होंने 170.69 की स्ट्राइक रेट से 367 रन जड़े हैं. ये रन उन्होंने CPL 2024 में अब तक जड़े 1 शतक और 2 अर्धशतक की बदौलत बनाए हैं.

वैसे सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रिएट्स के कैंप में खलबली क्विंटन डिकॉक की विस्फोटक पारी से पहले ही मच गई थी, जब रहकीम कॉर्नवॉल ने T20 क्रिकेट में अपने करियर का बेस्ट प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 16 रन पर उनके 5 विकेट गिरा दिए. उसी का असर रहा कि सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रिएट्स की 20 ओवर भी नहीं खेल सकी और 19.1 ओवर में 110 रन पर ऑल आउट हो गई. रहकीम को उनके प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान, इन प्लेयर्स को मिली जगह

ढाका, 18 सितंबर (एजेंसियां)। महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए बांग्लादेश ने आज अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। पहले इस टूर्नामेंट की मेजबानी बांग्लादेश करने वाला था लेकिन वहां चल रहे दंगे को देखते हुए अब ये टूर्नामेंट संयुक्त अरब अमीरात में खेला जाएगा। टी20 विश्व कप के लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने 15 खिलाड़ियों के नाम दिए हैं। विश्व कप में बांग्लादेश महिला टीम की कमान निगार सुल्ताना के हाथों में होने वाली है। विश्व कप के लिए टीम में स्पिन गेंदबाजों की भरमार है। बता दें, टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 3 अक्टूबर को खेला जाएगा।

इन खिलाड़ियों के हाथ में स्पिन गेंदबाजी की कमान

बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम में ऑफ-ब्रेक से लेकर लेग-ब्रेक तक के विकल्प टीम में शामिल हैं। नाहिदा अख्तर, शोर्ना अख्तर, राबेया, सुल्ताना खातून और फाहिमा खातून टीम में स्पिन गेंदबाजी की रीढ़ हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाजी की बात करे तो, मारूफा अख्तर, जहांआरा आलम, रितु मोनी और शोभना मोस्टरी से तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालती हुई नजर आ सकती हैं।

ग्रुप-बी में शामिल बांग्लादेश की टीम

महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए बांग्लादेश को ग्रुप बी में रखा गया है। इस ग्रुप में बांग्लादेश के अलावा इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड की टीमें भी शामिल हैं। ऐसे में बांग्लादेश के सामने इंग्लैंड से लेकर साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज जैसी मजबूत टीमों की चुनौती होने वाली है।

महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए बांग्लादेश टीम का स्क्वाड

निगार सुल्ताना जोटी (कप्तान), नाहिदा अख्तर, मुर्शिदा खातून, शोर्ना अख्तर, मारुफा अख्तर, राबेया, एमएसटी। रितु मोनी, शोभना मोस्टोरी, दिलारा अख्तर (विकेटकीपर), सुल्ताना खातून, जहांआरा आलम, फाहिमा खातून, ताज नेहर, दिशा बिस्वास, शाति रानी।

गणेश विसर्जन की सफलता में योगदान देने वालों का कार्य सराहनीय : जीएचएमसी आयुक्त

आधुनिक मशीनों के माध्यम से की गई सफाई

हैदराबाद, 18 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा ने कहा कि शहर में गणेश विसर्जन के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। राज्य के मुख्यमंत्री, जिला प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर, रंगारेड्डी जिला प्रभारी मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने गणेश के लिए तैयारी बैठकें कीं और इसी तरह जीएचएमसी में, मेयर गणेश उत्सव समिति ने प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ तैयारी और समन्वय बैठकें कीं और गणेश नवरात्रि उत्सव के लिए भव्य व्यवस्था की।उन्होंने कहा कि सिटी पुलिस, एचएमडीए, वाटर वर्क्स, बिजली और ट्रैफिक पुलिस के समन्वय से गणेश नवरात्रि समारोह के तहत विसर्जन प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। मैदानी स्तर पर उपायुक्त, यूबीडी, यूसीडी, पुलिस और बिजली विभाग के अधिकारियों ने पहले शोभायात्रा के दौरान आने वाली समस्याओं की पहचान की और कहा कि सड़क की मरम्मत, पेड़ों की शाखाओं को हटाने और बिजली की रोशनी लगाने का काम किया गया है। प्रबंधन परिषद के प्रतिनिधियों ने कहा कि गणेश नवरात्रि उत्सव पूरी तरह सफल रहा क्योंकि लोगों ने उत्सव और विसर्जन में अपना पूरा समर्थन दिया।विसर्जन के दिन मुख्यमंत्री के साथ खैरताबाद गणेश, मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी, बीसी कल्याण और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने निर्देश देते हुए कहा कि जीएचएमसी अधिकारियों, कर्मचारियों और स्वच्छता कार्यकर्ताओं के समन्वित प्रयासों के कारण कार्यक्रम सफल हुआ। मूर्ति विसर्जन का अवलोकन करने आए मुख्यमंत्री ने सफाईकर्मियों, क्रेन ऑपरेटरों और हेल्परों की समस्याएं सुनने के बाद तुरंत जीएचएमसी कमिश्नर को उनके आराम के लिए आवास मुहैया कराने का आदेश दिया। जीएचएमसी ने भक्तों को कोई असुविधा पहुंचाए बिना गणेश उत्सव के लिए 73 विभिन्न तालाबों और पोखरों पर सभी व्यवस्थाएं की हैं। उन्होंने कहा कि यूसीडी, स्वास्थ्य और अन्य विभागों के 15,000 कर्मियों के साथ-साथ सफाई कर्मचारियों ने समय-समय पर कचरे को हटाने के लिए शिफ्ट प्रणाली के साथ 24 घंटे काम किया है। विसर्जन के मद्देनजर, बीसी कल्याण और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, डीजीपी डॉ. जितेंद्र, मेयर गडदवाल विजयलक्ष्मी, जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा और हैदराबाद के जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी ने मंगलवार को हवाई सर्वेक्षण किया और पता लगाया कि कहां खामियां थीं और समस्या का समाधान किया गया। मौके पर ही समस्या का समाधान कर श्रद्धालुओं को परेशानी से मुक्ति दिलाई। जीएचएमसी में स्थापित तालाबों और पोखरों में विसर्जन के लिए कुल 465 स्थिर और मोबाइल क्रेन स्थापित किए गए हैं। गणेश नजमन के अवसर पर विसर्जन स्थलों पर भक्तों द्वारा सड़कों पर कागज काटने का कचरा बिखेरने से श्रद्धालुओं में जश्न का माहौल है और सफाई कर्मचारियों ने कमिश्नर मैदान में आधुनिक मशीनें लगाकर मशीनों के माध्यम से कागज के कचरे को हटाया। दूसरे दिन भी विसर्जन कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हुआ. जोनल कमिश्नरों को सलाह दी गई है कि वे विसर्जन वाले क्षेत्र में स्वच्छता पर ध्यान दें। इसके अलावा, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि कुछ क्षेत्रों में विसर्जन प्रक्रिया दूसरे दिन भी आयोजित की जा रही है, यह सुझाव दिया गया है कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। चारमीनार जोन में 19 तारीख को मिलादुन नबी समारोह आयोजित करने की संभावना को देखते हुए जोनल कमिश्नर को मुख्य और आंतरिक सड़कों को साफ रखने के उपाय करने का निर्देश दिया गया है। कूड़े-कचरे को हटाने और उन्हें डंप यार्ड तक ले जाने के लिए आवश्यक वाहनों की व्यवस्था करने का सुझाव दिया गया है। आयुक्त आम्रपाली काटा ने शांतिपूर्ण गणेश विसर्जन सुनिश्चित करने के लिए जीएचएमसी के सभी अधिकारियों, स्वच्छता कार्यकर्ताओं और कर्मचारियों को उनकी कड़ी मेहनत और प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने उनसे भविष्य में भी इसी भावना से किए जाने वाले कार्यों की सफलता के लिए कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया।

गणेश विसर्जन शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ - विजयलक्ष्मी

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि गणेश नवरात्रि समारोह के हिस्से के रूप में शहर में सभी विभागों के समन्वय से विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित किया गया। महापौर ने जीएचएमसी अधिकारियों, स्वच्छता कार्यकर्ताओं, कर्मचारियों के संयुक्त प्रयासों, विशेष रूप से आयुक्त आम्रपाली काटा की देखरेख में, जिन्होंने दिन-रात अथक परिश्रम किया, के कारण बिना किसी अप्रिय घटना के विसर्जन में भाग लेने वाले सभी लोगों को बधाई दी। मेयर ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, हैदराबाद और रंगारेड्डी जिलों के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर, डी श्रीधर बाबू, विधायकों, नगरसेवकों, पुलिस, एचएमडीए और जल कार्य विभागों के सुझाव और सलाह से समारोह शांतिपूर्ण माहौल में आयोजित किया गया। . उन्होंने जीएचएमसी अधिकारियों को सेवाएं प्रदान करने के लिए बधाई दी ताकि शहर के लोगों के मन में यह धारणा बनी रहे कि वे सेवाएं प्रदान करने में सबसे आगे हैं। मेयर ने खास तौर पर उन सफाई कर्मचारियों की सराहना की जो शिफ्ट सिस्टम में 24 घंटे काम करते थे और उनकी सेवाएं अविस्मरणीय थीं। मेयर गदवाल विजया लक्ष्मी ने गणेश उत्सव समिति के आयोजकों को भी योगदान देने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

राहुल गांधी पर टिप्पणी को लेकर तेलंगाना कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ किया प्रदर्शन

कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हुई

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं द्वारा की गई विवादास्पद टिप्पणियों के विरोध में तेलंगाना कांग्रेस के नेताओं ने बुधवार को यहां नामपल्ली में भाजपा के राज्य कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं के एकत्र होने से मौके पर तनाव बढ़ गया, क्योंकि पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोकने के लिए हस्तक्षेप किया। इसके परिणामस्वरूप कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हुई। अशांति के बीच कांग्रेस नेता भाजपा कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन में बैठ गए और भाजपा नेतृत्व के खिलाफ नारे लगाए। उन्होंने राहुल गांधी से तत्काल माफी मांगने की मांग की और लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) के खिलाफ हिंसक टिप्पणी करने वाले भाजपा नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा।

तेलंगाना कांग्रेस महिला विंग की अध्यक्ष सुनीता राव के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस नेताओं ने केंद्रीय मंत्रियों के पुतले भी जलाए और चेतावनी दी कि जब तक भाजपा राहुल गांधी से माफी नहीं मांग लेती, तब तक वे अपना विरोध तेज करेंगे। इस बीच, राहुल गांधी के खिलाफ अनुचित टिप्पणियों के विरोध में शहर के नारायणगुड़ा सर्कल में कांग्रेस एमएलसी बालमूर वेंकट के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया और भाजपा का पुतला जलाया गया। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता अपनी असहमति व्यक्त करने के लिए एकत्र हुए और भाजपा नेतृत्व के खिलाफ नारे लगाए।

एमएलसी बालमूर वेंकट ने कहा, "भाजपा नेताओं को तुरंत राहुल गांधी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। उनके खिलाफ टिप्पणी करने वालों पर हत्या के प्रयास का आरोप लगाया जाना चाहिए।" उन्होंने भाजपा नेताओं पर जनता के मुद्दों पर बात किए बिना ही बेतुकी बातें करने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी टिप्पणियां राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने के डर से उपजी हैं। कांग्रेस एमएलसी ने कहा, "वे लोगों के बीच राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता को बर्दाश्त नहीं कर सकते। उन्हें उनके खिलाफ ऐसी टिप्पणियां करना बंद कर देना चाहिए।"

सभी के सहयोग से हुआ गणेश उत्सव का सफल समापन-समिति

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति ने कहा कि सभी के सहयोग से गणेश उत्सव का सफल समापन हुआ है। समिऊ 45 वें भगवान गणेश सामूहिक विसर्जन जुलूस को एक भव्य सफलता बनाने में शामिल सभी लोगों को अपना हार्दिक धन्यवाद देती है।

आम जनता, पुलिस और कई सरकारी विभागों के सहयोग से इस साल का आयोजन पिछले वर्षों से आगे निकल गया है। गणेश उत्सव के सफल समापन के साथ, हमने भाग्यनगर शहर को और अधिक गौरव दिलाया है। उत्सव समिति इस वर्ष के उत्सव को सफल बनाने में सहयोग के लिए तेलंगाना सरकार, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, हैदराबाद और रंगारेड्डी प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर और श्रीधर बाबू, जीएचएमसी मेयर जी. विजयलक्ष्मी, मुख्य सचिव, डीजीपी और अन्य विभागीय प्रमुखों को धन्यवाद देती है। भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति जीएचएमसी आयुक्त, हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा के पुलिस आयुक्तों के साथ-साथ हैदराबाद, रंगा रेड्डी और मेडचल के जिला कलेक्टरों को कानून और व्यवस्था बनाए रखने में उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद देती है। तेलंगाना सरकार, जीएचएमसी, एचएमडीए, टीएसएसपीडीसीएल, आरटीसी, बंदोबस्ती, पर्यटन विभाग, आरटीए, सांस्कृतिक विभाग, दक्षिण मध्य रेलवे, हैदराबाद मट्रो रेल, एमएमटीएस और अन्य सभी संबंधित विभागों को उनके अमूल्य सहयोग के लिए धन्यवाद्। हम इस आयोजन को वैश्विक स्तर पर प्रचारित करने में उनकी भूमिका के लिए प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भी सराहना करते हैं। "विशेष अतिथि दीपांकर स्वामी जी, कमलानंद भारती , हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी, बंडी संजय और अन्य सभी गणमान्य व्यक्तियों और जनप्रतिनिधियों को उनकी उपस्थिति और समर्थन के लिए हमारा आभार। आयोजकों और स्वयंसेवकों को धन्यवाद, जिन्होंने प्रसाद वितरण, पेयजल, चिकित्सा सहायता और अन्य आवश्यक सेवाओं का प्रबंधन किया।

मानसून के पीछे हटने से बढ़ा तापमान

33 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया तापमान

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में बारिश थमने के साथ ही पारा लगातार चढ़ रहा है। दिन भर आसमान में बादल छाए रहने के बावजूद पिछले दो दिनों से मौसम उमस भरा बना हुआ है। बुधवार को पूरे शहर में दिन का तापमान तेजी से बढ़ा और ज्यादातर जगहों पर यह 33 डिग्री सेल्सियस से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी द्वारा एकत्रित आंकड़ों के अनुसार, शहर में कुछ स्थानों पर दिन के तापमान में तेजी से वृद्धि हुई है। बुधवार को कपरा में सबसे अधिक तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि चंदनगर में 35 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। शहर के कई अन्य इलाकों जैसे बेगमपेट (34.5 डिग्री सेल्सियस), सिकंदराबाद (34.2 डिग्री सेल्सियस) और मूसापेट (34.1 डिग्री सेल्सियस) में भी दिन के तापमान में मामूली वृद्धि हुई। पिछले 24 घंटों में शहर में रात का तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, केवल सेरिलिंगमपल्ली में रात के दौरान पारे में गिरावट दर्ज की गई और यह 19.7 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया।

सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करने पर ध्यान दिया जाना चाहिए : अरुण जैन

जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कर्मचारियों और अधिकारियों को ट्रेन संचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने की सलाह दी। बुधवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर चर्चा के लिए एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को सुरक्षा अभियान चलाने और लगातार क्षेत्र निरीक्षण करने तथा लोको पायलट, सहायक लोको पायलट और गार्ड आदि सहित सुरक्षा से संबंधित कर्मचारियों को सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने के लिए परामर्श देने का निर्देश दिया, ताकि ट्रेनों का सुरक्षित संचालन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने जोन में आग से बचाव के लिए सुरक्षा वस्तुओं जैसे धुआं पता लगाने वाले उपकरण, अग्निशामक यंत्र आदि की उपलब्धता की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को इष्टतम ट्रैक क्षमता का उपयोग करके समय की पाबंदी में सुधार करने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को औसत गति में सुधार करने की योजना बनाने का भी निर्देश दिया, ताकि ट्रेन संचालन में जोन की समय की पाबंदी में महत्वपूर्ण सुधार हो। उन्होंने रनिंग स्टाफ के काम के घंटों की समीक्षा की और स्टाफ को सुचारू रूप से संभालने और सुरक्षित कार्य स्थितियों को सुनिश्चित करने के लिए काम के घंटों की अग्रिम योजना बनाने का निर्देश दिया। श्री अरुण कुमार जैन ने सभी मंडल रेल प्रबंधकों और वरिष्ठ अधिकारियों को स्वच्छता ही सेवा अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने का निर्देश दिया, जिसका उद्देश्य जनता, रेल उपयोगकर्ताओं और रेलवे बिरादरी के बीच 'स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत' मिशन के महत्व के बारे में जागरूकता लाना है। उन्होंने अधिकारियों को कार्ययोजना के बारे में सलाह दी कि रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों में साफ-सफाई के स्तर में और सुधार लाने तथा रेलवे कार्यालयों में अच्छा और स्वस्थ वातावरण बनाने के लिए कई गतिविधियां की जानी चाहिए। लोगों को अच्छी साफ-सफाई की आदतों के बारे में शिक्षित करने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाए जाने चाहिए।

एससीसी, इंटरमीडिएट थ्योरी परीक्षा का शेड्यूल जारी

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ओपन स्कूल सोसाइटी (टीओएसएस) ने बुधवार को एसएससी और इंटरमीडिएट थ्योरी परीक्षाओं के लिए एक विस्तृत कार्यक्रम जारी किया, जो 3 से 9 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। सैद्धांतिक परीक्षाएं दो सत्रों में आयोजित होंगी - सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक। प्रैक्टिकल परीक्षाएं 16 से 23 अक्टूबर तक आयोजित की जाएंगी। अधिक जानकारी के लिए छात्र वेबसाइट देख सकते हैं।

तेलंगाना का लक्ष्य एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने बताया है कि तेलगाना सरकार ने आने वाले दिनों में एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने का लक्ष्य रखा है। बुधवार को यहां माधापुर में नई एमएसएमई नीति के शुभारंभ के दौरान, श्रीधर बाबू ने जोर देकर कहा कि तेलंगाना देश का पहला राज्य है जिसने उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए एमएसएमई नीति पेश की है और नई नीति को राज्य के भीतर आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अनुरोधों का हवाला देते हुए, जिन्होंने महत्वपूर्ण रोजगार के अवसर पैदा करने में एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, मंत्री ने इन क्षेत्रों की सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया, खासकर अर्थव्यवस्था पर उनके संभावित प्रभाव के मद्देनजर। भविष्य की ओर देखते हुए, श्रीधर बाबू ने एमएसएमई के विकास में एआई प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने की योजनाओं का उल्लेख किया। इसके अलावा, उन्होंने जोर देकर कहा कि ध्यान केवल बड़े उद्योगों पर ही नहीं, बल्कि छोटे और मध्यम उद्यमों के विकास पर भी होना चाहिए। "नई नीति उद्योग संघों के साथ व्यापक परामर्श के बाद तैयार की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह क्षेत्र की जरूरतों को प्रभावी ढंग से पूरा करे।

दूषित पेयजल आपूर्ति के कारण लोग परेशान

कांग्रेसी नेता डॉ कोटा नीलिमा ने टैंकर से आपूर्ति की मांग की

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सनतनगर निर्वाचन क्षेत्र के 200 से अधिक घर दूषित पेयजल के कारण प्रभावित हुए हैं जिसमें नाले का पानी मिला हुआ है। डीएनएम कॉलोनी में यह समस्या तब उत्पन्न हुई जब स्थानीय निवासियों को कल एचएमडब्ल्यूएसएसबी से पेयजल की आपूर्ति हुई। उन्होंने पाया कि नलों से काला पानी आ रहा है और उन्होंने इस मुद्दे की सूचना अधिकारियों और सनतनगर निर्वाचन क्षेत्र की प्रभारी डॉ कोटा नीलिमा और उनकी टीम को दी। आज, एचएमडब्ल्यूएसएसबी टीम ने पूरे क्षेत्र की कैमरों से जांच की और खराबी का पता लगाने के लिए काम कर रही है। जब यह काम चल रहा था, नीलिमा ने अनुरोध किया कि स्थानीय लोगों को पानी के टैंकरों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ डीएनएम कॉलोनी के स्थानीय नेताओं ने इस संकट को टालने में मदद की, जो बच्चों सहित सभी के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा हो सकता था।

संघवाद को नष्ट करता है 'एक राष्ट्र, एक चुनाव': ओवैसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल के प्रस्ताव का कड़ा विरोध

हैदराबाद, 18 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर किए गए 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' प्रस्ताव का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि यह संघवाद को नष्ट करता है और लोकतंत्र से समझौता करता है। केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए हैदराबाद के सांसद ने कहा कि उन्होंने लगातार 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का विरोध किया है।

ओवैसी ने 'एक्स' पर लिखा कि यह संघवाद को नष्ट करता है और लोकतंत्र से समझौता करता है, जो संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा है। मोदी और शाह को छोड़कर किसी के लिए भी कई चुनाव कोई समस्या नहीं हैं। सिर्फ इसलिए कि उन्हें नगर निगम और स्थानीय निकाय चुनावों में भी प्रचार करने की अनिवार्य आवश्यकता है, इसका मतलब यह नहीं है कि हमें एक साथ चुनाव कराने की आवश्यकता है।

एआईएमआईएम के अध्यक्ष का मानना है कि लगातार और समय-समय पर चुनाव कराने से लोकतांत्रिक जवाबदेही में सुधार होता है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को देश में एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जैसा कि पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्च स्तरीय समिति ने सिफारिश की थी। कोविंद समिति ने 2024 में लोकसभा चुनावों की घोषणा से कुछ समय पहले मार्च में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी थी। समिति ने सिफारिश की थी कि सरकार एक बार के लिए अस्थायी उपाय अपनाए, जिसके तहत केंद्र सरकार को लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद एक नियत तारीख तय करनी होगी। उक्त तिथि के बाद जिन राज्यों में चुनाव होंगे, उनकी विधानसभाओं का कार्यकाल संसद के साथ ही समाप्त हो जाएगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.